अक्तूबर में वृद्धि दर सुस्त पड़कर 0.4 प्रतिशत पर आई, आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर-12

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से किया इन्कार-12

एस जयशंकर बोले- जैविक हथियार की चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत-13

कोच ने की तारीफ कहा- फिटनेस और फॉर्म बरकरार विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी 03:57 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 8, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

संसद ड्रामा करने की जगह नहीं : मोदी

शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री बोले-विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा

पहले दिन गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

हंगामे के बीच एक विधेयक पारित, सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें जिम्मेदारी की भावना से काम करने की जरूरत है। पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नाटक के लिए बहुत जगह है जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें। संसद नाटक के लिए जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं। आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं। आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है। लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी। कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है। मोदी ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को राज्यसभा के सभापति के तौर पर पहले सत्र की अध्यक्षता के लिए बधाई दीं।

संसद सत्र की कार्रवाई के पहले दिन मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व संसदीय कार्यमंत्री मंत्री किरेन रीजीजू। ● एजेंसी

सरकार एसआईआर पर चर्चा के खिलाफ नहीं : रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में जोर दिया कि सरकार मतदाता सूची के एसआईआर व चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसे जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। रीजीजू ने उच्च सदन में यह टिप्पणी उस समय की जब कांग्रेस नीत विपक्ष एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग कर रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर विचार कर रही है और इस मांग को खारिज नहीं किया गया है। विपक्ष की इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग पर कहा कि वह एसआईआर पर चर्चा के समय के लिए शर्त नहीं रखे।

विपक्ष का हंगामा

पहले दिन लोकसभा में एसआईआर और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने 'मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच ही वित्त मंत्री सीतारमण ने 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' व 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पेश किया। सुबह 11 बजे सदन की बैठक राष्ट्रगान की धुन के साथ शुरू हुई। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी जिसके बाद कुछ पल मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद बिरला ने महिला विश्वकप क्रिकेट और महिला कबड्डी विश्वकप में भारत की जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके बाद जैसे ही उन्होंने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया, कांग्रेस, सपा समेत विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर समेत कुछ मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए अपने स्थानों पर खड़े हो गए। कुछ सदस्य आसन के समीप आ गए। बिरला ने कार्यवाही चलने देने की अपील की। वहीं सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए थे।

सदन की लक्ष्मण रेखा का पालन करें सदस्य : राधाकृष्णन

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन में अपने प्रथम संबोधन में सदस्यों से संविधान के प्रति निष्ठावान रहने और संसदीय आचरण की निर्धारित लक्ष्मण रेखा का पालन करने की अपील की। सोमवार को सभापति के तौर पर पहली बार सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राधाकृष्णन ने अपने पहले भाषण में सदस्यों से संस्थानों का सम्मान करने और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का भी आह्वान किया।

तीन नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्यसभा में शपथ ली

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित तीन सदस्यों को सोमवार को सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन शपथ दिलाई। चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद अहमद किचलू और गुरविंदर सिंह ओबेरॉय समेत तीनों सदस्य सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेस के हैं।

रेणुका चौधरी कुत्ते के साथ संसद पहुंचीं, विवाद खड़ा हुआ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को लेकर संसद पहुंच गईं जिससे विवाद खड़ा हो गया और सत्तापक्ष के सांसदों ने उन पर नाटक करने का आरोप लगाया। विवाद के बीच रेणुका ने कहा कि जो लोग अंदर बैठे हैं वो काटते हैं, कुत्ते नहीं काटते। उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं और उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्ते को बचाने के खिलाफ कोई कानून नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

सीमा पर 10,000 से अधिक बांग्लादेशी पकड़े गए: बीएसएफ

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमान ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में सीमापार से घुसपैठ करने या देश से बाहर जाने का प्रयास करते समय 10,263 बांग्लादेशियों को पकड़ा। सुरक्षा बल ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या घुसपैठ रोधी उपायों में की गई वृद्धि दर्शाती है, विशेष रूप से बांग्लादेश में अशांति के दौरान, जब बीएसएफ के जवानों ने अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी की।

वाणिज्यिक एलपीजी की दरें घटीं

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5.4 प्रतिशत की सोमवार को वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में विमान ईंधन की कीमतें 5,133.75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह तीसरी मासिक वृद्धि है। एक नवंबर को कीमतों में करीब एक प्रतिशत और एक अक्टूबर को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

पराली जलाने को दोष नहीं दे सकते वायु प्रदूषण के कई अन्य कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

- **शीर्ष कोर्ट ने कहा- प्रदूषण संकट पर सर्दियों में केवल रस्मी सुनवाई नहीं, नियमित निगरानी की जरूरत**
- **अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान के के लिए महीने में दो बार होगी सुनवाई**

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई को केवल सर्दियों के महीनों में 'रस्मी' सुनवाई के तौर पर नहीं देखा जा सकता है, और इस समस्या के अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए महीने में दो बार सुनवाई की जाएगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सामान्य विमर्श में एक अहम बदलाव करते हुए कहा, पराली जलाने का मुद्दा अनावश्यक रूप से राजनीतिक मुद्दा या अहम का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के लिए पराली जलाने को मुख्य कारण बताए जाने पर सवाल उठाते हुए पूछा, कोविड के दौरान पराली जलाई जा रही थी, लेकिन फिर भी लोगों को साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था? इससे ज्ञात होता है कि इसके पीछे अन्य कारक भी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत के स्वयं का पैतृक निवास हरियाणा के हिसार में स्थित है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम पराली जलाने पर टिप्पणी नहीं करना चाहते, क्योंकि इसका बोझ उन लोगों (किसानों) पर डालना गलत है, जिनका इस न्यायालय में बहुत कम प्रतिनिधित्व है। प्रधान न्यायाधीश ने तात्कालिक और दीर्घकालिक उपायों में स्पष्टता की मांग करते हुए केंद्र से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य के विशिष्ट कदमों को बताने को कहा ताकि वह जान सके कि वायु प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिये क्या अल्पकालिक और दीर्घकालिक कदम उठाए गए। शीर्ष अदालत ने इसी के साथ मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख तय की।

डिजिटल अरेस्ट मामलों में तुरंत एक्शन ले सीबीआई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई को देशभर में डिजिटल अरेस्ट घोटाले की एकीकृत जांच का सोमवार को निर्देश दिया और आरबीआई से पूछा कि वह साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों का पता लगाने और उन्हें फ्रीज करने के लिए एआई का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहा है? प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना सहित गैर-राजग शासित सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति दें। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर स्वत: संज्ञान वाले मामले में निर्देश पारित करते हुए कहा कि साइबर अपराधी ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाते हैं और उनकी गाढ़ी कमाई हड़प लेते हैं।

एनआईए ने लखनऊ में कई घंटे खंगाला डॉ. शाहीन का घर, डिजिटल सामग्री की जब्त

दिल्ली विस्फोट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए बम धमाके की मास्टर माइंड डॉ. शाहीन शाहिद के खंदारी बाजार स्थित आवास पर सोमवार को एनआईए की टीम पहुंची। एनआईए के अधिकारियों ने यहां करीब छह घंटे तक पूरे घर की तलाशी ली। वहीं, भाई व पिता से लगातार पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान घर के अंदर से कई दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस बरामद हुए। जिनको जांच टीम साथ लेकर गई।

- **खंदारी बाजार में छह घंटे तक रही एनआईए की टीम**

इसके पहले टीम के आने की सूचना मिलते ही पर इलाके में भारी पुलिस तैनात कर दिया गया था। खंदारी बाजार की कई गलियों में आवागमन पर रोक लगा दी गई थी। टीम में फोरेंसिक विशेषज्ञ समेत आठ सदस्य शामिल थे। इसके अलावा दो अन्य टीमें भी लखनऊ के कई इलाकों में जांच कर रही थीं।

एनआईए ने कश्मीर में आठ स्थानों पर छापे मारे

नगर। एनआईए ने पुलवामा, शोपियां और कुलगाम जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी की। टीम ने शोपियां में मौलवी इरफान अहमद वागे के आवास पर छापा मारा। वागे का नाम कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल में लोगों की शामिल करने के मुख्य साजिशकर्ता के रूप में उभरा है। उसे अक्टूबर में पुलिस ने गिरफ्तार किया था और एनआईए ने कार विस्फोट मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद उसे हिरासत में ले लिया था।

पछुआ पवन ने ठिठुराया प्रदेश में गिरा तापमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में पछुआ पवन के चलते तापमान तेजी से गिर रहा है। कई जिलों में सोमवार को मौसम बदला है, लखनऊ, कानपुर, इटावा, बरेली में मध्यम शीतलहर की स्थिति है। इस बीच कई शहरों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने की संभावना है। वहीं, चक्रवात दित्वाह के असर से कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की भी आशंका है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक अब पछुआ हवा की रफ्तार बढ़ेगी और ठंड का प्रभाव तेजी पकड़ेगा। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में सक्रिय रहे दो पश्चिमी विक्षोभ अपना प्रभाव खो चुके हैं। जिसके चलते प्रदेश में ठंडी और सूखी पछुआ, उत्तर-पश्चिमी हवाएं तेज होने लगी हैं। अगले तीन–चार दिनों में तापमान में 2C से 4C तक गिरावट की संभावना है। जिसके साथ ठिठुरन और कोहरे का असर दिखेगा।

लखनऊ में धूप तो निकली, मगर पछुआ हवाओं ने उसकी गर्माहट को कमजोर कर दिया। हवा के झोंकों में ठंडक तेज रही और दोपहर में भी हल्की सिहरन महसूस होती रही। आने वाले दिनों में सुबह और शाम दोनों समय ठंड और गलन का असर साफ महसूस होगा। लखनऊ में हवा की गुणवत्ता की बात करें तो रविवार रात सात बजे एक्यूआई 200 के पार दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए खराब श्रेणी में आता है।

बरेली में सोमवार को न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मुरादाबाद में सोमवार को न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दिन में तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि रात में यह 11.2 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की उम्मीद है।

- **कई जिलों में बदला मौसम, कानपुर, इटावा, बरेली में शीतलहर**
- **कई शहरों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा**

आचार संहिता को कानूनी रूप देने से इसे लागू करने में आएगी रुकावट: विधि आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

- **संसद की संयुक्त समिति को दी अपनी राय**

विधि आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता लागू करने के लिए कानून लाने से चुनावों के दौरान इसके क्रियान्वयन में रुकावट आएगी और हो सकता है कि निर्वाचन आयोग की शक्ति कम हो जाए, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और समय पर चुनाव कराने के अनुकूल नहीं होगा।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों का अध्ययन कर रही संसद की संयुक्त समिति को दी गई अपनी राय में, विधि आयोग ने कहा कि आदर्श आचार संहिता की 'सबसे बड़ी ताकत' इसकी तेजी से सुधार करने की क्षमता में है।

उसने कहा, चुनाव सख्ती से समय पालन करते हुए होते हैं, जिसके कारण उल्लंघन पर कुछ दिन या घंटों के भीतर ही ध्यान देना होता है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को ऐसा नुकसान न हो जिसकी भरपाई ही न हो सके। विधि आयोग ने कहा कि अगर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) वैधानिक हो जाती है, तो उल्लंघन के बाद औपचारिक कानूनी कार्रवाई शुरू हो जाएगी, जिससे न्यायिक पड़ताल शुरू हो सकती है।

2001 में भी आयोग ने ऐसा ही पक्ष रखा था

आयोग ने चेतावनी दी कि फैसले की प्रक्रिया हमेशा तेज, निर्णायक और असल कार्रवाई की जरूरत को पूरा नहीं कर सकती। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने याद दिलाया कि 2001 के आसपास, जब आयोग से चुनाव सुधार के बारे में पूछा गया था, तो उसने ऐसा ही पक्ष रखा था। विधि आयोग ने कहा कि मौजूदा प्रणाली निर्वाचन आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत अपनी संपूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करके बिना किसी प्रक्रियागत देरी के समय पर दखल देने की इजाजत देती है।

निर्देश | मुख्यमंत्री योगी ने कहा- धान उठान, मिल मैपिंग की प्रक्रिया और सरल होगी

धान खरीद के बाद भुगतान में देरी नहीं करेंगे बर्दाश्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि धान क्रय केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर सीधे उनके खाते में पहुंच जाए। चेतावनी दी कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग और अन्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीद सुचारु और निरंतर गति में बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को आवास पर शासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ धान खरीद की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि धान खरीद की गति तेज हो और किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष कॉमन धान का एमएसपी 2369 रुपये और ग्रेड-ए का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये अधिक है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवंबर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

आंगनबाड़ी में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति के निर्देश : मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआरके सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफआरके गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है।

- **1,984 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर, सीएम ने सभी किसानों का धान खरीदने का दिया निर्देश**

खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए

बैठक में खाद और बीज की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

धान क्रय केंद्रों की संख्या होगी 5 हजार

राज्य कुल 4,227 खरीद केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 5000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने खरीद केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

पीलीभीत

आज का मौसम

26.6° अधिकतम तापमान

11.1° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.44

सूर्यास्त 05.16

जिले में आज

- एसआईआर को लेकर शहर समेत अन्य स्थानों पर शिविर सुबह 11 बजे से।
- बिलसंडा क्षेत्र के गांव सिसैया पावर कॉरपोरेशन का शिविर सुबह 10 बजे से।
- श्रीबालाजी नीम करौरी धाम कांशीराम आवास कॉलोनी ईदगाह में दरबार दोपहर 12 बजे।
- गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर में बृहद कृषि मेला सुबह 10 बजे से।
- राष्ट्रीय बाघ गणना को लेकर रेंजर एवं अन्य फील्ड स्टाफ का प्रशिक्षण सुबह 11 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में बाइक चालक पर रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम गुर्ज गोंटिया निवासी भोजराज ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 24 नवंबर की शाम 7 बजे उसका भाई संतोष गांव से माधोटांडा में एक विवाह समारोह में शामिल होने जा रहा था। बाइक पर उसकी पत्नी बसंती और तीन वर्षीय पुत्र अनमोल भी बैठा था। माधोटांडा मार्ग पर देवीपुरा गांव के पास सामने से आ रही बाइक के चालक ने उसके भाई की बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

किशोरी घर से लापता नकदी भी गायब

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री को गांव पिपरिया निवासी अमन पुत्र लालता प्रसाद 28 नवंबर को बहलाफुसला कर ले गया। पुत्री घर में रखे 20 हजार रुपये भी अपने साथ ले गई है। पुत्री की काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

टनकपुर हाईवे पर जाम में फंसे रहे राहगीर

नेहरू पार्क से लेकर छतरी चौराहा तक लगी रही वाहनों की कतार, काफी देर बाद सुधर पाए हालात

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। यातायात माह के समापन के दूसरे ही दिन व्यवस्थाएं बिगड़ती दिखीं। दोपहर के वक्त ऐसा जाम लगा कि उसमें मरीज लेकर आ रही एंबुलेंस, स्कूली बसें समेत अन्य राहगीर फंसकर रह गए। यातायात पुलिस जाम खुलवाने के लिए जूझती रही लेकिन व्यवस्था सुचारू होने में देर लगी। करीब पौन घंटे बाद आवागमन सुचारू हो सका।

शहर में जाम की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। फिर चाहे शहर के भीतर के मुख्य मार्ग हो या फिर सटकर गुजर रहा टनकपुर हाईवे। अतिक्रमण और बेतरतीब तरीके से खड़े किए जा रहे वाहनों की वजह से आए दिन कई बार जाम लगता है। जिसके बाद लोग फंसकर रह जाते हैं। कई बार विभिन्न संगठनों की ओर से ज्ञापन देकर व्यवस्था सुधार की मांग भी की जा चुकी है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। गौहनिया चौराहा पर यातायात पुलिस की तैनाती रहती है। इस मार्ग पर नजदीक में ही कई स्कूल और अस्पताल भी हैं। अमूमन स्कूलों की छुट्टी के वक्त जाम के हालात बन जाते हैं। सोमवार को भी दोपहर के वक्त भीषण जाम लग गया। बताते हैं कि एक संगठन की ओर से अधिकारियों को ज्ञापन देने के लिए जुलूस निकाला गया था। जिसके चलते व्यवस्था बिगड़ती और फिर वाहन फंसकर रह गए। दोपहर करीब तीन बजे के आसपास जाम लगा और फिर राहगीर फंसते रहे। कुछ ही देर में नेहरू पार्क से लेकर छतरी चौराहा तक वाहनों की कतार लग गई। इसमें कई एंबुलेंस और स्कूली बच्चों के वाहन भी फंसे रहे। यातायात पुलिस जाम खुलवाने के लिए जद्दोजहद करती रही। करीब पौने चार बजे पूरी तरह से आवागमन सुचारू हो सका। इस दौरान गांधी स्टेडियम रोड, माधोटांडा रोड, एलएच चीनी मिल मार्ग व अन्य आसपास के रास्तों पर भी यातायात व्यवस्था गड़बड़ाए रही।

टनकपुर हाईवे पर गौहनिया चौराहा के पास जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

जाम में फंसी एंबुलेंस और स्कूली बस। ● अमृत विचार

सड़क की पटरी की समस्या भी बन रही परेशानी

टनकपुर हाईवे पर सड़क के दोनों ओर की पटरी जर्जर हालत में है। कई जगह गहरे गड्ढे हो चुके हैं। वहीं, सड़क की ऊंचाई भी अधिक है। जिसकी वजह से कई बार हादसे हो जाते हैं। करीब तीन साल से ये समस्या चली आ रही है लेकिन समाधान नहीं हो सका है। हादसे के साथ ही जाम का भी सबब बनी हुई है।

नए बाईपास के संचालन का इंतजार

इन दिनों गन्ना सीजन भी शुरू हो चुका है। एलएच चीनी मिल हाईवे से सटकर आबादी क्षेत्र में ही है। ऐसे में गन्ना वाहनों की आवाजाही भी हो रही है। टनकपुर हाईवे से असम हाईवे को जोड़ते हुए बाईपास बनाया गया है। इसका काम भी पूरा हो चुका है। गन्ना वाहनों की आवाजाही भी इसी से करने की तैयारी थी। मगर अभी तक इस पर आवागमन संचालन नहीं हो सका है। बताते हैं कि इसकी शुरुआत कराने के लिए माननीय का इंतजार चल रहा है। एक दिन पूर्व सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में भी इसे जल्द सुचारू कराने की बात फिलहाल कही गई है।

नाला सफाई न होने पर गुस्साए किसानों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, घुंघचिहाई

अमृत विचार: नवंबर बीतने के बाद भी नाले की सफाई न कराने पर खानपुर चुकटिहाई गांव के किसान खफा हुए। उन्होंने विरोध प्रदर्शन कर नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर नाला सफाई कराने की गुहार लगाई है।

पूरनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम खानपुर चुकटिहाई के ग्रामीणों की ओर से मुख्यमंत्री को की गई शिकायत में बताया कि करीब 700 एकड़ से अधिक जमीन हरदोई ब्रांच नहर के किनारे है। नहर फुल होने पर नीचे की तरफ से पानी रिसता है। इस पानी की निकासी के लिए नहर विभाग की ओर से पूर्वी तरफ नाला बनाया है। उसकी सफाई के लिए कई बार किसान मांग पत्र दे चुके है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पोर्टल पर भी शिकायत की जा चुकी है। इस पर आश्वासन दिया गया था कि नवंबर माह में नहर सूखने पर जेसीबी लगाकर सफाई कराई जाएगी। उसके बाद से लगातार किसान संपर्क करते रहे। मगर अभी तक इस पर काम शुरू नहीं कराया गया है। नाले की सफाई कराने की मांग की गई। किसानों ने अनदेखी को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किया। इस मौके पर जितेंद्र सिंह उर्फ लक्की, लालजीत, रामरतन, धनीराम, भूपेंद्र, नरेश, कुलवीर सिंह, जितेंद्र वर्मा, रामस्वरुप, रणवीर सिंह, कुलविंदर सिंह,सतनाम, गुरनाम सिंह आदि थे।

विरोध प्रदर्शन करते खानपुर चुकटिहाई के किसान। ● अमृत विचार

एसआईआर प्रपत्र भरने को किया जागरूक

रैली में शामिल छात्र -छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

- एसआरएम इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं ने निकाली रैली

अमृत विचार: एसआरएम इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं ने एसआईआर जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान लोगों को एसआईआर प्रपत्र भरने के लिए जागरूक किया गया।

प्रधानाचार्य राजेश गंगवार ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना कराया। रैली विद्यालय गेट से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई मोहल्ला दुर्गाप्रसाद में पहुंची।

यहां बच्चों ने घर-घर जाकर लोगों को एसआईआर के प्रपत्र भरकर शीघ्र बीएलओ के पास जमा करने के लिए जागरूक किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि इस रैली का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों में सुरक्षा, सूचना और जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर अभियान को शत- प्रतिशत सफल बनाना भी है। वर्तमान में युवा पीढ़ी को केवल शिक्षित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील बनाना भी जरूरी है। रैली में छात्र-छात्राएं और एनसीसी कैडेट्स भी शामिल हुए।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

बरखेड़ा, अमृत विचार: शादी का झांसा देकर युवती का चार साल तक यौन शोषण किया। युवक की दूसरी जगह शादी तय होने की जानकारी पर युवती ने विरोध किया तो आरोपी के परिवार वालों धमकाया और मारपीट की। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र की एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया गांव के छत्रपाल ने उसे प्रेम जाल में फंसा लिया। शादी का झांसा देकर चार साल शोषण किया। 30 नवंबर को आरोपी की दूसरी जगह शादी तय होने की जानकारी मिली। इस पर वह छत्रपाल के घर गई और विरोध जताया। आरोप है कि छत्रपाल, उसके पिता पूरनलाल और मां जसोदा देवी ने गाली गलौज कर धमकी दी। शादी से भी इनकार कर दिया गया। आरोपियों ने सोशल मीडिया पर बदनाम करने की धमकी दी है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

समिति की आर्थिक मजबूती में करें सहयोग

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार: किसान सेवा सहकारी समिति में वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समय से कर्ज अदायगी कर समिति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

किसान सेवा सहकारी समिति अमरिया की बैठक सभापति प्रदीप गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। जिसमें अपर जिला सहकारी अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने समिति से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने और समिति क्षेत्र में ऋण वितरण की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत करने के लिए कहा। नैनो यूरिया और रासायनिक उर्वरकों के लिए कृषकों को जागरूक किया। समिति के प्रबंधक निदेशक जयप्रकाश शुक्ला ने समिति के वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत करते किया। बताया कि समिति का वार्षिक व्यवसाय 17 करोड़ व समिति की वार्षिक वसूली 15 करोड़ रुपये रही। समिति ने 19 लाख रुपये का हिस्सा वसूल किया गया। समिति का वार्षिक लाभ 5.20 लाख रुपये और समिति का सकल 1.31 करोड़ रुपये है।

उन्होने कहा कि सहकारी समिति किसानों का एक परिवार है। सभी किसानों की जिम्मेदारी है कि वह समय से कर अदायगी कर अपनी समिति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहयोग करें। संचालन जेपी शुक्ला ने किया। इस मौके पर ब्लॉक ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह ,जिला पंचायत सदस्य असलम जावेद ,भुडिया अमरिया गन्ना समिति के सभापति महेंद्र कुमार, संचालक रियाज अहमद,इकराम हुसैन हारून अहमद आदि मौजूद रहे। समिति के सचिव जेपी शुक्ला ने वार्षिक ऋण आदि का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

सामान्य निकाय की बैठक में मौजूद ब्लॉक प्रमुख व अन्य। ● अमृत विचार

- किसान सेवा सहकारी समिति में वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक संपन्न

विभिन्न कार्यक्रमों में बच्चों ने मचाया धमाल, मिला इनाम

स्प्रिंगडेल स्कूल में छात्र को पुरस्कृत करते अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल बल्लभ नगर में सोमवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत निर्देशिका चारू धवन, चेयरमैन आरके धवन ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कराई। बच्चों ने सोलो डान्स में धमाल मचाया। हाउजी, म्यूजिकल चेयर, पिरामिड मेंकिंग, कौन बनेगा चैम्पियन, सोलो सिंगिंग, बलून डान्स, रैंप वॉक भी कराई गई।

छात्र-छात्राओं के बीच हाउजी खेली गई और आनंद लिया। बच्चों के बीच सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अन्त में छात्र-छात्राओं और शिक्षक/ शिक्षिकाओं ने हर्षोउल्लास के साथ जमकर डांस किया।

भाकियू भानु ने भरी हुंकार, जुलूस निकालकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

- पूर्व में दिए गए ज्ञापनों पर कार्रवाई न होने पर जताई नाराजगी
- जनप्रतिनिधि और पुलिस प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू भानु के कार्यकर्ताओं ने हुंकार भरी। पूर्व में दिए गए ज्ञापनों पर कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई। जुलूस निकालते हुए कार्यकर्ता मंडी समिति से कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया। इस दौरान जमकर नोरबाजी की गई।

भारतीय किसान यूनियन भानु के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की अध्यक्षता में मंडी समिति परिसर स्थित कृषि विश्राम गृह में सोमवार सुबह 10 बजे से जमा होना शुरू हो गए। पहले परिसर में ही पंचायत कर विभिन्न मांगों को लेकर विचार रखे गए। इसके बाद जुलूस के रुप में नौगवां ओवरब्रिज, डिग्री कॉलेज चौराहा, छतरी चौराहा, गौहनिया चौराहा, नकटादाना चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान जनप्रतिनिधि और पुलिस प्रशासन पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए नारेबाजी भी की गई।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर सदर तहसील अध्यक्ष नंद किशोर राठौर, रघुवर सिंह, डोरीलाल पाल, ओमकार सिंह, रामगोपाल प्रजापति, सुखलाल गंगवार आदि बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट जाते भाकियू भानु कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

धान खरीद में शिकायतों के बाद भी आखिर क्यों नहीं कार्रवाई

डीएम को दिए गए ज्ञापन में मांग की गई कि 15 सितंबर को पूर्व में दिए गए ज्ञापन की समस्याओं पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। ब्याज समेत गन्ना किसानों को बकाया मूल्य भुगतान 15 दिन में कराया जाए। गन्ने की खड़ी तौल बंद कराई जाए। समस्त फैक्ट्रियों में धर्मकांटा को मान्यता दी जाए। किसान को गन्ने के रकबे के अनुसार खेतों में डालने को मैली उपलब्ध कराई जाए। छोटे किसान का गन्ना फैक्ट्री चलने के 60 दिन के भीतर डलवाया जाए। गन्ना सेंटरों पर इंचार्ज द्वारा किसानों से तीन प्रतिशत की वसूली करने का आरोप लगाते हुए इसे बंद कराने और जांच कराकर कार्रवाई की मांग की गई। धान खरीद को लेकर भी जिम्मेदारों पर सवाल उठाए। कहा कि कई शिकायतों के बाद भी ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बीसलपुर और पूरनपुर में किसानों के साथ बेईमानी क्रय केंद्र के प्रभारी कर रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाए।

तहसील प्रशासन को चेताया, धरने की चेतावनी

भाकियू नेताओं ने बीसलपुर तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत पैनिया हिम्मत के मजरा मनपुरा को लेकर भी शिकायत की। कहा कि इस गांव में करीब 42 पट्टेदार मजदूर हैं। उन्हें दो दशक पूर्व तहसील प्रशासन ने जो जमीन दी थी और जहां पर बताई गई थी। वहीं पर सभी काबिज है। बताया कि एक साल पहले संगठन ने संबंधित ग्राम पंचायत के सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों की शिकायत की थी। आरोप है कि कार्रवाई के नाम पर आरोपियों से साठगांठ कर गरीब श्रमिक और किसानों की फसल जुतवा दी गई। आरोपी अभी भी काबिज हैं। 15 दिन के भीतर कार्रवाई न होने पर बीसलपुर तहसील प्रशासन के विरुद्ध धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

खेती- किसानी | प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 1.5 प्रतिशत प्रीमियम प्रति हेक्टेयर जमा कर बीमा करा सकते हैं

गेहूं के नुकसान पर प्रति हेक्टेयर 91,900 रुपये मिलेगा मुआवजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जनपद में रबी फसलों का बीमा किया जा रहा है। गैर ऋणी किसान रबी फसलों का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसलवार बीमित राशि का 1.5 प्रतिशत प्रीमियम प्रति हेक्टेयर जमा कर बीमा करा सकते हैं। इसके लिए किसान जन सेवा केंद्र या संबंधित बैंक शाखा से संपर्क कर 31 दिसंबर तक बीमा करा सकते हैं।

केंद्र सरकार द्वारा फसलों को आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। इसमें फसलों की क्षति होने पर बीमित किसानों को 72 घंटे में टोल फ्री नंबर 14447 पर व्यक्तिगत दावा बीमा कंपनी को प्रस्तुत करना होगा। व्यक्तिगत दावे में किसान को अपनी ग्राम पंचायत, प्रभावित खेत का खसरा नंबर, फसल और प्रभावित क्षेत्र का विवरण देना होगा। इसके बाद सूचना प्राप्त होने पर कंपनी 48 घंटे में व्यक्तिगत आधार पर क्षति के आकलन के लिए सर्वेयर को भेजेगी।

- 31 दिसंबर तक किसान करा सकते हैं रबी फसलों का बीमा
- जनपद में दैवीय आपदा आने के बाद किसानों का बढ़ा है फसल बीमा की ओर रुझान

फसल	बीमित राशि प्रति हेक्टेयर	प्रीमियम रुपये में
गेहूं	91900	1379
सरसों	49500	743
मसूर	65400	981
मटर	119100	1787

सांकेतिक चित्र : सरसों का खेत।

नुकसान के आधार पर क्लेम का भुगतान किया जाएगा। अन्य किसी भी जानकारी के लिए किसान बीमा करने वाली कंपनी के जिला प्रबंधक के दूरभाष नंबर 8057747626 पर संपर्क कर सकते हैं।

उप कृषि निदेशक राम मिलन परिहार ने बताया कि फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। गैर ऋणी किसान बीमा के लिए खतौनी, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, बचत खाता पासबुक की छायाप्रति, स्वयं का घोषणा पत्र, फसल बोए जाने का घोषणा पत्र जमा कराएं। ऋणी किसानों को बीमा में शामिल न होने के संबंध में प्रार्थना पत्र संबंधित बैंक को बीमा की अंतिम तिथि से सात दिन पूर्व यानी 24 दिसंबर तक देना अनिवार्य है। ऐसे किसान बीमा में तभी शामिल हो सकते हैं जब वह अपना प्रार्थना पत्र पुनः बीमा में शामिल होने के लिए देंगे।

पिछले रबी सीजन में 24363 किसानों ने कराया था बीमा

पिछले रबी सीजन में जनपद के 24363 किसानों ने रबी फसलों का बीमा कराया था। जबकि वर्ष 2022-23 के रबी सीजन में 12698 किसानों ने फसलों का बीमा कराया था। हालांकि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना स्वैच्छिक होने के बाद पिछले वर्षों में किसानों का रुझान फसल बीमा कराने में घटा था। मगर, बीते पिछले सालों जनपद में आई दैवीय आपदा के बाद किसानों का रुझान इस ओर तेजी से बढ़ा है।

इस बार घट गए केंद्र, 66 स्कूल हुए प्रस्तावित

यूपी बोर्ड परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर तैयारियां शुरु कर दी गई हैं। नए शैक्षिक सत्र में परीक्षा को संपन्न कराने के लिए मात्र 66 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं, जबकि इससे पहले 67 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा केंद्र कम करने के पीछे परीक्षार्थियों की संख्या में कमी माना जा रहा है। परीक्षा केंद्रों की प्रस्तावित सूची को चस्पा कर दिया गया है। अगर कोई आपत्ति नहीं आती है, तो सूची फाइनल करते हुए शासन को प्रेषित कर दी जाएगी।

जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 189 कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसमें 35 राजकीय, 22 एडेड और 132 वित्तविहीन कॉलेज हैं। जहां कक्षा छह से 12 तक के छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं। यूपी बोर्ड का परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद नए शैक्षिक सत्र 2025-26 की तैयारियां शुरु कर दी गई थी। सभी कॉलेजों ने एडमिशन प्रक्रिया को चालू किया गया था। 18 फरवरी 2026 से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा कराई जाएगी। इस बार यूपी बोर्ड में हाईस्कूल में 23241 और इंटर में 18580 छात्र-छात्राओं ने जिले में पंजीकरण कराया हैं।

माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षा केंद्रों का निर्धारण कर दिया गया है। इस बार 41821 परीक्षार्थियों की परीक्षा कराने के लिए सिर्फ 66 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें परीक्षार्थियों के बैठने की क्षमता, फर्नीचर, चहारदीवारी, पेपर रखने के लिए सुरक्षित स्थान सहित अन्य सूचनाएं शामिल हैं। पिछली बार 67 और वर्ष 2024 में 76 परीक्षा केंद्रों का निर्धारण किया गया था। इन केंद्रों में अधिकतम पांच किलोमीटर की दूरी तय की गई है। सूची को चस्पा कर दिया गया है। इसके बाद आपत्ति मांगी गई। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि बोर्ड ने परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी है। जिले में 66 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। चार दिसंबर तक आपत्ति मांगी गई है। अगर आपत्ति आती है, जो संशोधन कराते हुए अंतिम सूची प्रकाशन की जाएगी।

- शैक्षिक सत्र 2025 में 67 और 2024 में 76 बनाए थे परीक्षा केंद्र

4 दिसंबर तक मांगी गईं आपत्तियां

बोर्ड परीक्षा के लिए अन्य विद्यालयों से चार दिसंबर तक छह बिंदुओं पर आपत्तियां मांगी गई हैं। इनके निस्तारण के बाद ही परीक्षा केंद्रों की अंतिम घोषणा होगी। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि यदि कोई विद्यालय पहले से परीक्षा केंद्र बनते रहे हैं और उनका नाम सूची में नहीं है। इन पर कोई विवाद नहीं है तो आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। इसके बाद आपत्ति का निस्तारण कराते हुए सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा।

सिटी ब्रीफ

सांड़ से टकराई बाइक तीन लोग घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम चरखौला निवासी अर्जुन कुमार, सुखदेवी पत्नी राजपाल और रामकली पत्नी श्रीकृष्ण दियोरियाकलां से बाइक से रविवार रात घर जा रहे थे। दियोरिया कोतवाली के पास पहुंचते ही बाइक सांड़ से टकरा गई। हादसे में तीनों लोग घायल हो गए। चीख -पुकार सुनकर पुलिस पहुंची और घायलों को सीएचसी बीसलपुर भर्ती कराया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : शाहजहांपुर मार्ग पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। ग्राम मिघौना निवासी शिवम बाइक से काम के सिलसिले में बीसलपुर आए थे। काम निपटाने के बाद वापस जा रहे थे। चीनी मिल के पास पहुंचते ही शाहजहांपुर की ओर से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें शिवम घायल हो गए। घायल को सीएचसी भिजवाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है।

ग्रामीण को घेरकर पीटा, मुकदमा दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : ग्राम गिधौर निवासी सत्येंद्र सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 26 नवंबर को दोपहर डेढ़ बजे मझोला से वह अपने गांव जा रहा था। जब वह अपने गांव की पुलिया पर पहुंचा,तो वहां चार लोग खड़े हुए थे। इस पर उसने खड़े होने का कारण पूछा तो उक्त लोगों ने गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट करने लगे। आसपास के लोगों को आता देखकर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पीड़ित ने मारपीट करने वालों की पहचान राजू, मुकीम निवासी गुलड़िया,आबिद, शाहिद निवासी मोहल्ला ढकिया के रुप में की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

पीलीभीत,अमृत विचार : ग्राम पिपरिया भजा निवासी वंदना ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसकी शादी अनिल कुमार निवासी ग्राम टेढ़ा श्रीराम थाना बिलसंडा से 30 जून 2023 को हुई थी। आरोप है शादी के बाद से पति, ससुर रूपलाल, देवर संतोष, शिवम, सास मूर्ति देवी ने दहेज में बाइक और एक लाख रुपये की मांग करना शुरू कर दी। पूरा न होने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया। तब से वह अपने मायके में रह रही है।

अब 17 और खाद कारोबारियों पर गिरी गाज, लाइसेंस निलंबित

तीन दिन के अंदर जवाब दाखिल नहीं करने पर लाइसेंस होगा निरस्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : रात में खाद की बिक्री करने के मामले में अब जनपद के 17 और खाद कारोबारियों पर कार्रवाई की गई है। जिला कृषि अधिकारी की ओर से इन सभी कारोबारियों के उर्वरक बिक्री केंद्रों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। इन सभी को नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब दाखिल न करने पर लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी दी गई है। बता दें कि इससे पूर्व रात में 50 फीसदी संभार की बिक्री करने वाले 4 उर्वरक बिक्री केंद्रों के लाइसेंस निरस्त किए गए थे।

बता दें 19 नवंबर को भारत सरकार की ओर से उर्वरकों की बिक्री को लेकर समीक्षा की गई थी। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले के 57 उर्वरक बिक्री केंद्रों द्वारा शाम 8 बजे के बाद उर्वरक बिक्री की गई है। जिसमें 21 उर्वरक विक्रेताओं का 20 फीसदी, 4 उर्वरक विक्रेताओं का कुल उर्वरक बिक्री का 50 फीसदी संभार (स्टॉक)

एक गोदाम में रखी खाद। ● अमृत विचार

- **नियम विरुद्ध तरीके से रात आठ बजे के बाद उर्वरक केंद्रों से उर्वरक बिक्री करने का मामला**

की बिक्री शाम 8 बजे के बाद होना पाई गई। जबकि रात में बिक्री किया जाना औचित्यहीन है। रात में उर्वरक बिक्री पर कालाबाजारी की आशंका के चलते जांच कराई गई। जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल के निर्देश पर की गई जांच में 4 उर्वरक बिक्री केंद्रों द्वारा बड़े पैमाने पर रात में उर्वरक बिक्री होना पाया गया।

इस पर जिला कृषि अधिकारी ने बीते दिनों 4 उर्वरक केंद्रों के लाइसेंस निलंबित करते हुए तीन दिन में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए थे। इधर अब रात में उर्वरक बिक्री करने वाले 17 और उर्वरक बिक्री केंद्रों पर कार्रवाई की गाज गिर गई। जिला कृषि अधिकारी ने मुताबिक गुरु रामदास फर्टीलाइजर्स, जय सांई खाद भंडार, मिस्ती कृषि सेवा केंद्र, रजा खाद भंडार, खालसा एग्रो ट्रेडर्स, एसके एग्रो ट्रेडर्स, शुभ पेस्टीसाइड्स केंद्र, वरुन खाद एंड पेस्टीसाइडस, समर इंटरप्राइजेज, सिद्दीकी ट्रेडर्स, श्रीराम खाद भंडार, मौर्या ब्रादर्स एग्रो ट्रडर्स, राठौर खाद भंडार, कृष्णा खाद भंडार, एमएल राठौर खाद भंडार, गंगवार पेस्टीसाइड्स, राज एग्रो केमिकल का लाइसेंस निलंबित किया गया है।

देना होगा जवाब आखिर किस किसान को बेचा

जिन व्यापारियों के लाइसेंस का निलंबन किया गया है। इन सभी द्वारा कुल बिक्री का 20 प्रतिशत संभार की बिक्री रात में की गई थी। जारी नोटिस में सभी 17 उर्वरक बिक्री केंद्रों के संचालकों से रात में किन-किन किसानों को खाद की बिक्री की गई और रात में खाद की बिक्री क्यों की गई, इसको लेकर तीन दिन के अंदर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल ने बताया कि निर्धारित अवधि के अंदर जवाब दाखिल न करने वाले उर्वरक बिक्री केंद्रों का लाइसेंस निरस्त करते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

गन्ना लदी ट्रॉली और कार की भिड़ंत में एक की मौत

फतेहगंज पूर्वी,अमृत विचार : हाइवे पर गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली और कार की भिड़ंत में फील्ड आफिसर की मौत हो गई। देर रात हुए इस हादसे में पीलीभीत के कार चालक घायल हुए हैं। रविवार देर रात हाईवे पर गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली एवं कार की भिड़ंत हो गई। इसमें एक युवक की मौत हो गई और चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

मृतक की शिनाख्त बदायूं के दातागंज निवासी संजीव कुमार के रूप में हुई है जो ग्राम उचसिया स्थित एक मेडिकल कॉलेज में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। कार चला रहे पीलीभीत के बीसलपुर निवासी विक्रम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनका इलाज बरेली के एक अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि संजीव कुमार और विक्रम सिंह अपनी निजी कार से बरेली से फतेहगंज पूर्वी की ओर जा रहे थे। उसी दौरान सामने से आ रहे वाहन से उनकी कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अपनी लेन से दूसरी लेन में जा पहुंची और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर भीषण जाम लग गया।

चक्का फेंक में प्रियांशु, 50 मीटर दौड़ में संजीव प्रथम

चक्का फेंक प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

- **दिव्यांग बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न**

अमृत विचार: उच्च प्राथमिक विद्यालय गोबल पतिपुरा में दिव्यांग बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता कराई गई। इस दौरान 50 मीटर दौड़ में छात्र संजीव विजेता रहे।

प्रतियोगिताओं की शुरुआत खंड शिक्षाधिकारी डॉ. हर्षित शर्मा ने कराई। प्रतियोगिताएं क्रीड़ा प्रभारी मुइन अहमद खां की देखरेख में संपन्न हुई। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग कुर्सी दौड़ में संजीव प्रथम, आशिक हुसैन द्वितीय रहे। बालिका वर्ग में उम्मे हबीबा प्रथम, आराध्या द्वितीय रही। उच्च प्राथमिक स्तर में शोभित ने प्रथम और अजय कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 50 मीटर दौड़ में संजीव प्रथम, आशिक अली द्वितीय रहे।

बालिका वर्ग में कंचन प्रथम, अनामिका द्वितीय रही। चक्का फेंक में प्रियांशु प्रथम,विवेक द्वितीय, अरुण तृतीय रहे। गोला फेंक में विवेक प्रथम ,प्रियांशु द्वितीय, सोनू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर सीताराम,सुरेंद्र कुमार,आलोक कुमार, अनुराधा सक्सेना,रेशमा,मीनू आदि मौजूद रहे। निर्णायक मंडल में दिनेश कुमार,संध्या रानी अनुदेशक शामिल थे।

आदेशों को ठेंगा दिखा रहे शिक्षक-अनुदेशक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **74 से अधिक शिक्षक-अनुदेशक कार्यालय से संबद्ध**
- **लंबे समय से स्कूल में झांकने तक नहीं गए जिम्मेदार, पढ़ाई बाधित**

अमृत विचार : स्कूली शिक्षा को दुरुस्त करने और शिक्षण व्यवस्था को दफ्तरों की पकड़ से मुक्त कराने के लिए उच्च स्तर से सख्त आदेश भले ही जारी कर दिए गए हों, लेकिन जिला मुख्यालय में 74 से अधिक शिक्षक-अनुदेशक अभी भी कुर्सियों से ऐसे चिपके बैठे हैं।

मानो स्कूलों से उनका कोई वास्ता ही न हो। महीनों से कक्षाओं में झांकने तक न जाने वाले ये जिम्मेदार अधिकारी निर्देशों को ठेंगा दिखाते हुए कार्यालयों में ही डेरा डाले हुए हैं, जिसके चलते विद्यालयों में पढ़ाई व्यवस्था चरमराकर चुकी है। फिलहाल जिम्मेदार संबद्धीकरण वाले अनुदेशक और शिक्षकों को हटाने के निर्देश दे रहे हैं।जनपद में परिषदीय विद्यालयों की संख्या 1508 हैं। जिसमें 291 कंपोजिट, 928 प्राथमिक और 280 उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित होते हैं। इसके अलावा नौ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इनमें 18 स्कूलों का संचालन नगरीय क्षेत्र में किया जा रहा है। इन सभी स्कूलों में कक्षा चार से आठ में 1.15 लाख और कक्षा एक से तीन में 60864 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। इन छात्र-छात्राओं को पढ़ाने के लिए जिले में करीब 3500 शिक्षक कार्यरत हैं। इनके अलावा 1573 अनुदेशक और 1507 शिक्षामित्र भी कार्यरत है, जो स्कूलों में शिक्षण कार्य में मदद करते हैं। कई अनुदेशक ऐसे हैं, जिन्हें सर्वे के दौरान लगाया गया

> शासन से संबद्धीकरण निरस्त करने का पत्र जारी किया गया है। चूंकि हाल में ही चार्ज ग्रहण किया है। इस संबध में कार्यालय में जानकारी करने के बाद एक्शन लिया जाएगा। अगर कोई अनुदेशक या अन्य कर्मचारी संबद्ध मिला तो उसे तत्काल प्रभाव से मूल तैनाती पर भेजा जाएगा। -**रोशनी सिंह**, बीएसए

लेकिन अभी भी वहीं जमे हुए हैं। स्थिति यह है कि प्रत्येक ब्लॉक संसाधन केंद पर तीन-तीन कर्मचारी हैं। कार्यालय में भी प्रत्येक लिपिक के पास तीन से चार अनुदेशक संबद्ध हैं। इन दिनों एसआईआर सर्वे में भी शिक्षक लगे हुए हैं। जिस वजह से कई स्कूल शिक्षकविहीन से है। जबकि 21 अक्टूबर को अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने पत्र जारी किया था। जिसमें कहा था कि शासन की अनुमति के बिना अधिनस्थ अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों का संबद्धीकरण नहीं किया जाएगा।

तीन बालश्रमिक कराए मुक्त परिवार को सौंपा

पीलीभीत, अमृत विचार: टीम ने अभियान चलाकर तीन बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर सोमवार को टीम ने मैकेनिक शॉप, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों, किराना स्टोर, स्टील वर्क्स आदि पर पहुंचकर पड़ताल की।

इस दौरान तीन बाल श्रमिक चिन्हित किए गए। जिनको मुक्त कराकर बाल कल्याण समिति पीलीभीत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया। उन्हें बताया गया अगर बाल श्रमिक को प्रथम बार चेतावनी के बाद फिर काम पर लगाया गया तो उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर शशिकला, मीनाक्षी पाठक, निर्वान सिंह, गोविंद सिंह, भानुप्रताप आदि मौजूद रहे।

बरात में जा रहे ग्रामीण की हादसे में मौत

संवाददाता, बरखेड़ा

घायल के पहुंचने पर अस्पताल में लगी भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गांव के ही एक किशोर के साथ बाइक पर सवार होकर बरात में शामिल होने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज वाहन के बारे में जानकारी कर रही है। हालांकि घायल भी कुछ बता नहीं पा रहा है। मृतक के परिवार में चीख पुकार मची रही।

थाना क्षेत्र के ग्राम पतरसिया के निवासी संजय कुमार(24) खेती करते थे। गांव के ही एक युवक की शादी में शामिल होने के लिए गांव के सौरभ के साथ बाइक से चीनी मिल के पास स्थित बरात घर जा रहे थे। पीलीभीत बीसलपुर रोड पर नवादा महेश गांव के पास पहुंचते ही अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें दोनों घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची और घायलों को सीएचसी भिजवाया। वहां चिकित्सक ने संजय को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे का इलाज किया जा रहा है। परिवार वाले भी सीएचसी आ गए । उनका रोकर बुरा हाल रहा। मृतक दो भाई थे। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में जानकारी कराई जा रही है।

मृतक संजय।

- **पीलीभीत बीसलपुर रोड पर हुआ हादसा, पुलिस जांच में जुटी**

मुंबई में लापता हुआ पीलीभीत का व्यापारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

परिजनों से सिविल लाइन चौकी के बाहर वार्ता करती पुलिस। ● अमृत विचार

- **अपहरण की जताई आशंका कार्रवाई की मांग**

अमृत विचार : पीलीभीत से गुड़ और चावल लेकर मुंबई गया व्यापारी लापता हो गया। उसकी कोई जानकारी न लगने के बाद परिवार ने पहले मुंबई पुलिस से संपर्क किया, मगर सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद माधोटांडा थाने में शिकायत की गई। आरोप है कि यहां भी सिर्फ गुमशुदगी दर्ज कर ली गई, कोई एक्शन नहीं लिया गया। नाराज परिजन प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। एसपी और अन्य अफसरों को ज्ञापन देकर व्यापारी का पता लगाने की गुहार लगाई है।

माधोटांडा क्षेत्र के ग्राम सुखदासपुर निवासी शंकरलाल ने बताया उनका भाई पूरनमाल व्यापारी है। 3 नवंबर को करीब एक लाख रुपये, बाइक और सात क्विंटल गुड़ और चावल लेकर मुंबई गए थे। 4 नवंबर को उन्होंने करीब दो क्विंटल गुड़ और पांच क्विंटल चावल बांद्रा टर्मिनस स्थित गोडाउन में उतारा और फिर कल्याण स्थित रिश्तेदार के घर चले गए थे। इसके बाद वह अगले चार-पांच दिन तक वहां के व्यापारियों से संपर्क कर माल बेचने लगे रहे। वहां रहने वाले रिश्तेदार ने बताया 10 नवंबर की सुबह वह गोडाउन जाकर माल लेने के बाद उसे बेचकर गांव लौट जाएंगे। जिसके बाद वह लापता हो गए। आरोप है कि गोडाउन के अधिकारी और वहां के व्यापारी माल देने से इनकार कर रहे थे और उन्हें धमका भी रहे थे। कुछ ही देर बाद उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। उनकी बाइक भी बाद में जोगेश्वरी ट्रैफिक विभाग में जमा मिली, जबकि माल अब भी गोडाउन में पड़ा है। उनकी तलाश में परिवार के लोग मुंबई पहुंचे। वहां पुलिस से मिले, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया। बांद्रा टर्मिनस की सीसीटीवी फुटेज में पूरनमल देखे भी गए। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। इस पर पुलिस की ओर से कार्रवाई का आश्वासन मिला है।

पुलिस ने छात्रों को किया जागरूक

पीलीभीत, अमृत विचार: एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में सोमवार को बरखेड़ा पुलिस ने कस्बे में नागरिकों को साइबर अपराध से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय बताए। उन्हें जागरूक किया गया।

साइबर हेल्पलाइन 1930, साइबर अपराध पंजीकरण के लिए वेबसाइट cybercrime.gov.in और एसपी द्वारा जारी जनपदीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 7830182626 को बताया और जानकारी साझा की गई। कहा कि ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें। किसी को ओटीपी/पिन/पासवर्ड न बताएं। सोशल मीडिया अकाउंट्स में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का प्रयोग करें। फ़िशिंग कॉल/ईमेल से सतर्क रहें। ऑनलाइन भुगतान करते समय केवल सुरक्षित वेरिफाइड प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। बैंक या सरकारी अधिकारी बनकर आने वाली कॉल पर विश्वास न करें।

छोटे किसानों को मिल चलने के 45 दिन में मिलेगी पर्ची

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पूरनपुर मिल गेट पर निरीक्षण करते डीसीओ खुशीराम भार्गव। ● अमृत विचार

- **पूरनपुर चीनी मिल से सम्बद्ध 4013 किसानों को गन्ना पर्ची जारी**
- **डीसीओ ने पूरनपुर चीनी मिल गेट पर की तौल कांटे की परखी गुणवत्ता**

अमृत विचार: जनपद के छोटे गन्ना किसानों को अब मिल संचालन शुरू होने के 45 दिन के अंदर गन्ना पर्ची दी जाएगी। वहीं लघु महिला गन्ना किसानों को शत -प्रतिशत पेड़ी की पर्चियां एक से तीसरे पक्ष में दी जाएगी। यह जानकारी जिला गन्ना अधिकारी ने पूरनपुर चीनी मिल गेट के निरीक्षण के दौरान दी। इस दौरान उन्होंने मिट गेट पर गन्ने से भरी ट्रॉली का वजन करवाकर तौल कांटे की गुणवत्ता को परखा।

वर्तमान पेराई सत्र में जिले में चारों चीनी मिलों में गन्ना पेराई का कार्य शुरू हो चुका है। इसके अलावा पड़ोसी जनपद की फरीदपुर चीनी मिल, निगोही चीनी मिल, मकसूदापुर चीनी मिल, संपूर्णानगर और गुलरिया चीनी मिल द्वारा भी जिले के गन्ना किसानों से गन्ना खरीद की जाती है। जिले में 193 क्रय केंद्र स्थापित कर गन्ना खरीद की जा रही है। पूरनपुर स्थित किसान सहकारी चीनी मिल की बात करें तो इस चीनी मिल में 19 नवंबर से पेराई सत्र की शुरूआत की गई थी। मिल अब तक 2.3 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की जा चुकी है। वहीं अब तक 4013 किसानों को गन्ना पर्ची जारी की जा चुकी है। जिसमें 2044 छोटे किसान शमिल हैं। जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने बताया कि प्रदेश के गन्ना आयुक्त द्वारा छोटे किसानों को मिल संचालन के 45 दिन के अंदर पेड़ी गन्ने की गन्ना पर्ची दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। 81 क्विंटल बेसिक कोटा वाले किसानों को छोटे गन्ना किसान की श्रेणी में रखा गया है। वहीं सट्टा नीति के तहत लघु महिला गन्ना किसानों को शत प्रतिशत पेड़ी की पर्चियां एक से तीसरे पक्ष में दी जाएगी। यदि उनके पास पौधा गन्ना है तो उसकी पर्ची 07 से 09 वे पक्ष में अंकित की जाएगी।

इधर सोमवार को जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने पूरनपुर मिल गेट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिल गेट पर दूसरे पक्ष के 12वें कॉलम की पर्चियों की तौल होते मिली। जिला गन्ना अधिकारी ने मिल गेट पर मौजूद गन्ना किसान महेश कुमार की गन्ने से भरी ट्राली का वजन करवाकर कांटे बांटे की गुणवत्ता को परखा। इस दौरान जिला गन्ना अधिकारी ने मौजूद गन्ना किसानों से गन्ना फसल के संबंध में बातचीत की और किसानों ने ताजा गन्ने की सप्लाई करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक रामभद्र द्विवेदी, चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक, मुख्य गन्ना अधिकारी आदि मौजूद रहे।

राजनीति आखिर किसके सजेगा ताज, समर्थकों में छिड़ी सोशल वार, चल रहा इंतजार

पीलीभीत में भाजपा जिलाध्यक्ष पद को लेकर फिर गरमाए सियासी कयास

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **जनवरी माह में 28 नेताओं ने की थी दावेदारी, हाईकमान की घोषणा का इंतजार**

अमृत विचार: जिले में साल 2025 के अंतिम माह में एक बार फिर शुरुआत जैसा माहौल बनता दिख रहा है। एक बार फिर भाजपा जिलाध्यक्ष पद को लेकर सियासी कयास तेजी से लगाए जा रहे हैं।

छह साल तक लगातार दो कार्यकाल पूरा कर चुके मौजूदा जिलाध्यक्ष ही हैट्रिक बनाएंगे या फिर नए के सिर ताज सजेगा। इसे लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक चल रही है। सबके अपने-अपने कयास हैं और इसी को लेकर आपस में दावे भी किए जा रहे हैं। फिलहाल जिस तरह से आवेदन के दौरान साल की शुरुआत में माहौल गरमाया रहा। ठीक उसी तरह अब दिसंबर में भी इसी की चर्चाएं लंबे समय बाद तेज हो चुकी है। सत्ताधारी भाजपा ही नहीं, अन्य दलों के नेताओं की भी निगाहें इसी पर टिकी हुई हैं।

बता दें कि पीलीभीत में दो बार से संजीव प्रताप सिंह भाजपा के जिलाध्यक्ष हैं। छह साल का सफल कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। साल 2025 की शुरुआत जनवरी माह में ही भाजपा में संगठन की चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई थी। जिसके बाद मंडल अध्यक्ष और जिला प्रतिनिधियों के नाम की घोषणा भी कर दी गई। सियासी घमासान तब बढ़ा जब सत्ताधारी भाजपा के जिलाध्यक्ष पद को लेकर आवेदन लिए गए। इस प्रक्रिया की शुरुआत के साथ ही कई दावेदारों के नाम की चर्चाएं तेज होती चली गई।

आठ जनवरी से जिलाध्यक्ष पद को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई। डॉ.एमपी सिंह आर्य पर्यवेक्षक और जिला चुनाव अधिकारी विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान बनाए गए थे। उनकी देखरेख में नामांकन प्रक्रिया हुई। जिसमें दावेदारों की लंबी फेहरिस्त सामने आई। कई वरिष्ठ भाजपा नेता और मौजूदा पदाधिकारियों समेत 28 प्रत्याशी भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए सामने आए। उस वक्त मुकाबला रोचक होता नजर आने लगा, लेकिन जब ये घोषणा अटकी और लंबा इंतजार चलता रहा तो सब गुम सा होता दिखा। जो दावेदार महीनों से इस पद पर खुद को काबिज कराने के लिए संगठन के वरिष्ठ नेताओं और दिग्गजों की शरण लिए हुए थे, लखनऊ ही नहीं दिल्ली में भी डेरा जमाए थे। उनके समर्थकों में भी मायूसी सी दिखी और फिर समय बढ़ने के साथ ही इसकी चर्चाएं भी बंद हो गई। अब साल के अंत में एक बार फिर शुरुआत जैसा माहौल बनता दिख रहा है। कुछ दिनों से पीलीभीत में भाजपा जिलाध्यक्ष की जल्द घोषणा होने का शोर मचने लगा है। इसी के साथ समर्थकों के बीच सोशल वार भी छिड़ी हुई है। हर कोई अपने-अपने नेता की ओर इशारा करते हुए पोस्ट भी कर रहा है और गली नुक्कड़ भी इसी चर्चा का मुद्दा छाया है। कई दावेदारों की ओर से फिर से जनप्रतिनिधियों और संगठन के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात के फोटो पोस्ट किए जाने पर इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

पीलीभीत भाजपा कार्यालय।

इन 28 नेताओं ने की है दावेदारी

भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए नामांकन कराने वालों में गुरभाग सिंह, लेखराज भारती, राजेंद्र प्रसाद कश्यप, रेखा सिंह परिहार, दीपक कुमार अग्रवाल, डालचंद्र वर्मा, आयुष मिश्रा, सुषमा देवी, अलंकार शर्मा, तुलाराम लोधी, कमलेश कुमार गंगवार, सतनाम सिंह, सोनू वाल्मीकि, रजनीश पांडेय, गोकुल प्रसाद मौर्य, दिनेश पटेल, अमित वाल्मीकि, मनोज कुमार गुप्ता, नागेंद्र प्रताप सिंह, धीरेंद्र मिश्रा, संजीव मोहन अग्रवाल, प्रफुल्ल मिश्रा, रेनू राज, हेमराज दिवाकर, संतराम राठौर, शरदपाल सिंह, महादेव गाइन, अमित अग्रवाल आदि हैं।

तीन माह से गैरहाजिर चल रहा सिंचाई विभाग का मेट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **अधिशासी अभियंता ने उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने को कहा**

अमृत विचार: शारदा सागर खंड में कार्यरत एक मेट तीन माह से गैरहाजिर चल रहा है। विभाग की ओर से मेट को दो बार नोटिस भी गया, मगर उसने नोटिस लेने से इंकार करते हुए वापस कर दिया। अब अधिशासी अभियंता की ओर से मेट को जारी नोटिस में कार्यालय में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं।

शारदा सागर खंड के अधिशासी अभियंता पीपी गौतम ने बताया कि खंड के चतुर्थ श्रेणी अधिष्ठान में कार्यरत मेट मोहम्मद सलीम अंसारी 12 सितंबर से निरंतर बिना सूचना दिए कार्यालय में अनुपस्थित चल रहे है। इस मामले में बी 18 सितंबर को मेट के पते पर पत्राचार किया गया, लेकिन संबंधित ने पत्र को वापस कर दिया। इसके बाद 29 सितंबर को भी मेट के पते पर पत्राचार किया गया। इस बार भी उक्त मेट ने पत्र को लेने से इंकार करते हुए वापस कर दिया। बार-बार पत्र वापस किया जाने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उक्त कर्मचारी द्वारा उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी के आचरण नियमावली-1956 का उल्लंघन किया जा रहा है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि अब मेट मोहम्मद सलीम अंसारी को तत्काल उपस्थित होकर खंडीय कार्यालय में अनुपस्थित के संबंध में अपना स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025
पीलीभीत

20 साल पुराने वाहन भी चलाएं मगर जेब करनी होगी ढीली

शासन ने जारी किए आदेश, साल दर साल तय हुआ वाहनों की फिटनेस रेट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : वाहनों की समय अवधि पूरी होने के बाद अब उनकी अवधि बढ़ाने के लिए दोगुना फीस देनी पड़ेगी। शासन की ओर से समय अवधि के बाद वाहनों के फिटनेस के लिए कैटगरी के हिसाब से फीस तय की गई है। इनमें भी साल दर साल का रेट तय किया गया है। वाहनों की फिटनेस का रेट दोगुना होने से सबसे अधिक परेशानी ट्रांसपोर्टरों को हो रही है। उन्हें वाहन की फिटनेस कराने के लिए अधिक फीस जमा करना पड़ेगी। इस नियम को लागू कर दिया गया है।

आंकड़ों की बात करें तो जिले में 255414 दोपहिया वाहन और 21536 कारें पंजीकृत हैं। इसके अलावा कमर्शियल वाहनों की संख्या भी करीब 20 हजार से अधिक हैं। वहीं इस समय कुल 192892 ड्राइविंग लाइसेंस धारक हैं, जिनमें 1,63,958 पुरुष और 28,934 महिलाएं शामिल हैं। अब सरकार ने पुराने वाहन मालिकों के लिए नया नियम लागू किया है। वाहन मलिक अपने पुराने वाहन का नवीनीकरण बढ़ी दर पर करा सकेंगे। अभी तक 15 साल पुरानी कार का नवीनीकरण कराने के लिए 600 रुपये फीस जमा होती थी। जिससे बढ़ाकर अब 800 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह 20 साल पुराने वाहनों के लिए एक हजार से अब 8500 रुपये फीस निर्धारित की गई है। वहीं 20 साल से अधिक वाली कार के लिए 17 हजार रुपये चुकाना होंगे। इसी तरह मध्यम भार वाहन में 10 वर्ष तक के लिए 800 रुपये थी। जिससे बढ़ाकर अब 1200 रुपये कर दिया है। इसी तरह 13 साल के लिए दो हजार, 15 साल के लिए छह हजार, 20 साल के लिए 11300 और 20 साल से अधिक होने पर 22600 रुपये फीस अदा करना होगी। इसी तरह भार वाहन वालों के लिए भी 1200 से 28 हजार रुपये अधिकतम फिटनेस की फीस निर्धारित की गई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 20 साल से पुराने मोटर वाहनों के नवीनीकरण शुल्क में दोगुनी वृद्धि की है। विभागीय अधिकारी इसके पीछे लोगों को अधिक पुराने वाहनों को रखने से हतोत्साहित किए जाने का तर्क दे रहे हैं। ताकि वह पुराने वाहनों को स्क्रैप करा सके। मगर, व्यवसाय वाले वाहन संचालकों के आगे परेशानी खड़ी हो गई। क्योंकि जिले में गन्ने, धान और गेंहू पर चलने वाले ट्रक 15 से 20 साल पुराने ही होते हैं। जिनकी फिटनेस होना अनिवार्य है। ऐसे में दोगुना फीस होने से संकट खड़ा हो गया है। जिले में अभी तक करीब 1500 से अधिक ऐसे वाहन पंजीकृत हैं। जिनका रिन्युवल होना बाकी है। लोगों का कहना है कि पुराने धुंआ फेंकते वाहनों के संचालन पर इस आदेश के बाद रोक लग सकेगी। इससे पहले अक्टूबर-2021 में भी वाहन पंजीकरण और नवीनीकरण शुल्क बढ़ाया गया था। नए आदेश आने के बाद परिवहन विभाग की ओर से नोटिस जारी करते हुए नए फीस के तहत फिटनेस कराई जा रही है।

शहर के जेपी रोड पर राहगीर। ● अमृत विचार

● एक्सपायरी होने पर वसूला जाएगा दोगुना चार्ज, ट्रांसपोर्टर परेशान

शासन ने अब अवधि पूर्ण कर चुके वाहनों को चलाने के लिए नए नियम लागू किए हैं। अगर वाहन ठीक हालत में है और वह उसे रोड पर चलाना चाहते हैं तो उन्हें फिटनेस कराना होगी। जिसकी फीस में बढ़ोत्तरी की गई है। इस बार फीस में साल दर साल के तहत रेट तय हुआ है। अब विभाग की ओर से वाहनों को नोटिस जारी कर फिटनेस करने के लिए कहा गया है।
-वीरेंद्र सिंह, एआरटीओ

एड्स दिवस पर निकाली जागरुकता रैली

जागरूकता रैली को रवाना कराते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता

पीलीभीत, अमृत विचार: विश्व एड्स दिवस को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह ने सोमवार को पर एड्स की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए कलेक्ट्रेट से जागरुकता रैल को हरी झंडी दिखाकर रवाना कराया।

विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। रैली के माध्यम से एड्स के प्रति लोगों को जागरूक किया। डीएम ने कहा कि विश्व एड्स दिवस प्रत्येक वर्ष एक दिसम्बर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के प्रसार की वजह से एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस मौके पर सीएमओ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

सभी मिलकर एसआईआर को सफल बनाएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर इन दिनों चुनाव आयोग के निर्देश पर पूरा प्रशासन प्रपत्र भरवाकर जमा कराने में जुटा है।

व्यापक स्तर पर मतदाताओं से घर-घर जाकर संपर्क किया जा रहा है। बड़ी संख्या में मतदाता सूची से नाम का विलोपन हो रहा है, तो नए नाम जोड़े भी जाएंगे। एसआईआर के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जागरुकता कार्यक्रम में हो रहे हैं। इसी बीच बाल विकास परियोजना अधिकारी मरौरी अनीता चौधरी ने अपना स्वरचित गीत खुद गाया है। एसआईआर को लेकर बनाया गया गीत सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। जिसमें वह कहती दिख रही हैं कि आओ एक शपथ उठाते हैं मिलकर फिर पर्व मनाते हैं। लोकतंत्र सशक्त बनाने को अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। आओ मिलकर एसआईआर को सफल बनाते हैं।

गीत गाती सीडीपीओ अनीता चौधरी।

● सीडीपीओ ने गीत गाकर बीएलओ का उत्साहवर्धन किया

चालकों को हेलमेट दिए

पीलीभीत, अमृत विचार : एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के दौरान सोमवार को चेकिंग की गई। नियमों का उल्लंघन कर दौड़ रहे वाहनों के चालान किए गए। लोगों को नियमों का पालन करने के लिए जागरुक किया गया। टनकपुर हाईवे पर मुख्य चौराहों पर की गई चेकिंग के दौरान 84 वाहनों का चालान किया गया। 22 डग्गामार वाहन पर भी कार्रवाई की गई। 96 हजार रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। इसके अलावा कई दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट भी वितरित किए गए।

शैक्षिक भ्रमण पर लखनऊ गए बच्चे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: नेशनल पब्लिक स्कूल के बच्चे शैक्षिक भ्रमण के लिए लखनऊ गए। बच्चों ने विज्ञान से जुड़ी जानकारी प्राप्त की और भ्रमण का आनंद लिया। पहले बच्चे लखनऊ स्थित आंचलिक विज्ञान नगरी देखने गए।

बच्चों ने विभिन्न विज्ञान से जुड़ी एक्टिविटी और नए-नए एक्सपेरिमेंट देखे। बच्चों ने विधानसभा, चिड़ियाघर, जनेश्वर मिश्र पार्क, भूल भुलैया, इमामबाड़ा, रूमी गेट, घंटाघर के अलावा कई स्थानों का भ्रमण किया। बच्चों ने खूब आनंद लिया। ट्रिप पर जाने वाले बच्चों में मानवी, खुशी, अविका, मन्नत, अयनशी, अनन्या, आन्या, कनक, अविका, हरमनप्रीत, मानवी, उन्नति, वंश, अभय, सागर, अंश, अमृतपाल, उत्कर्ष, पावनी, हरमनप्रीत, संदीप, राघव, रंजीत आदि थे।

भ्रमण के दौरान शिक्षक और विद्यार्थी। ● अमृत विचार

लोन की रकम और किसान सम्मान निधि की किस्त उड़ाई

संवाददाता, माधोटांडा

अमृत विचार: अशिक्षित ग्रामीण को गांव का ही एक युवक अपने साथ ले गया और उसके बिना बताए लोन करा किया। जालसाजी करते हुए खाते में अपना मोबाइल नंबर डलवा दिया। लोन की रकम के साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त भी हड़प ली। पुलिस से नामजद शिकायत की गई है।

थाना क्षेत्र के ग्राम रुद्रपुर के निवासी भगवानदास ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके चाचा रामपाल अशिक्षित हैं। उनको बहला फुसलाकर गांव का एक व्यक्ति पांच जून 2023 ले गया और उन्हें जानकारी दिए बिना लोन कराया। खाते में आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर लिखवा दिया और नॉमिनी भी फर्जी तरीके से एक महिला को बना दिया।

जबकि चाचा अविवाहित हैं और परिवार में उक्त नाम की कोई महिला ही नहीं है। लोन से निकाली गई 97700 रुपये धनराशि को भी जालसाजी कर हड़प लिया। इसके अलावा किसान सम्मान निधि की किश्तें भी हड़प ली। बताते हैं कि आरोपी ने तीन खाते खुलवाए और किसी की भी पासबुक तक नहीं दी है। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि शिकायत मिली है। जांच कराई जा रही है।

● पीड़ित के भतीजे ने दर्ज कराई आरोपी पर रिपोर्ट

निजी नर्सिंग होम में मरीज की जेब काटी, तहरीर दी

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खानकाह निवासी अली खान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 26 नवंबर को उसके पिता अकरम खां थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के छतरी चौराहे के समीप स्थित एक निजी नर्सिंग होम में दवा लेने गए थे। उसके पिता हॉस्पिटल में मेडिकल से दवा ले रहे थे। तभी उनके पीछे खड़े एक युवक ने उसके पिता की जेब में रखे नौ हजार रुपये चोरी कर लिए। जानकारी करने पर पता चला कि आरोपी का नाम इफ्तेखार है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

शिविर में 35 लोगों ने बिल जमा किया

दियोरियाकलां, अमृत विचार: बिजली बिल राहत योजना का पहला चरण शुरू हो गया है। ये 31 दिसंबर तक चलेगा। सोमवार को गांव पैनियां हिम्मत में शिविर आयोजित किया गया, जिसमें एसडीओ जगदीश सिंह, जेई लक्ष्मी चंद, कुलदीप समेत अन्य स्टाफ पहुंचा। शिविर में करीब 35 उपभोक्ताओं का बकाया बिल जमा किया गया। जिसमें करीब 90 हजार रुपये राजस्व जमा हुआ। एसडीओ ने बताया कि मंगलवार को बिलसंडा क्षेत्र के गांव सिसैया में राहत शिविर का आयोजन किया जाएगा। बिजली बिल बकाएदारों से राहत शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

सम्मानित किए गए फैजल और दिनेश

कार सवार की जान बचाने वाले युवकों को सम्मानित करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: टनकपुर हाईवे पर गौहनिया चौराहा के पास स्थित तालाब में फंसे कार सवार की जान बचाकर मानवता और साहस का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले भिकारीपुर गांव निवासी फैजल और कस्बा माधोटांडा के दिनेश कुशवाहा को विभिन्न संगठनों की ओर से सम्मानित किया जा रहा है। रविवार को वाल्टन क्लब परिसर में प्रेस क्लब पीलीभीत की ओर से उनको सम्मानित किया गया।

दोनों युवाओं ने तालाब में उतरी कार में फंसे युवक को बचाने के दौरान का वो मंजर बयां किया। ये भी कहा कि उस वक्त पब्लिक जमा थी और शोर बहुत था। ऐसे में अगर सूझबूझ से काम न लिया जाता तो शायद सफलता नहीं मिल पाती। इस मौके पर संरक्षक तारिक कुरैशी, अध्यक्ष डॉ.अभिताभ अग्निहोत्री, महामंत्री वैभव शुक्ला, संगठन मंत्री प्रियांशु सक्सेना, अजय गुप्ता, विकास दीक्षित, मीडिया प्रभारी शुभम मिश्रा, जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

किशोरी का कराया बाल विवाह

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: क्षेत्र की एक नाबालिग की शाहजहांपुर के युवक से शादी कर दी गई। वैवाहिक समारोह शाहजहांपुर के बरात घर में हुआ। इसकी सूचना मिलने पर टीम गांव पहुंची और लड़की के परिवार वालों से जानकारी की।

जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी को पूर्व में ही बाल विवाह हो जाने से जुड़ी सूचना मिली। इस पर उन्होंने महिला कल्याण विभाग की टीम को बीसलपुर क्षेत्र के एक गांव में भेजा। कोतवाली पुलिस भी साथ रही। टीम ने पहुंचकर जांच की। जिसमें सामने आया 14 वर्षीय किशोरी का बाल विवाह शाहजहांपुर के रहने वाले एक युवक के साथ नवंबर में किया जा चुका है। शादी समारोह शाहजहांपुर के एक बरात घर में हुआ। बालिका गांव के ही सरकारी स्कूल में अध्ययन कर रही थी। टीम द्वारा जानकारी लेने पर बालिका के परिजनों ने बताया कि बालिका वर्तमान में अपनी ससुराल में ही रह रही है। बालिका की आयु के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। अब विधिक कार्यवाही के लिए बालिका को बाल कल्याण समिति पीलीभीत के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। संयुक्त जांच टीम में संरक्षण अधिकारी मीनाक्षी पाठक, परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन निर्वान सिंह, मनोसामाजिक परामर्शदाता मृदुला शर्मा, एएचटी थाना प्रभारी गोविंद सिंह, कॉन्स्टेबल भानु प्रताप आदि शामिल थे।

कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के एक गांव में पहुंची टीम। ● अमृत विचार

दो घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर मिला सम्मान

शिक्षक को सम्मानित करते एएसपी।

पीलीभीत, अमृत विचार: 27 नवंबर को सड़क दुर्घटना में घायल हुए युवकों को अस्पताल पहुंचाने में मदद करने पर एसएन इंटर कॉलेज के शिक्षक इंतजार खान को गुड सेमेरिटन सम्मान दिया गया।

माह नवंबर अभियान के समापन के दौरान उन्हें पुलिस लाइन में एएसपी विक्रम दहिया ने स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। इस मौके पर सीओ ट्रैफिक विधि भूषण मौर्य, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, टीएसआई राघवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
● सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
● रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
● ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
● दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
● सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
● दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
● गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
● रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
● बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
● अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
● रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
● लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रात: 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव
प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

न्यूज ब्रीफ

सरिया चोरी करते युवक को पकडा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : शिव मंदिर कॉरिडोर के कार्यों में दर्जनों श्रमिक कार्य कर रहे हैं। एक व्यक्ति पौराणिक शिव मंदिर के उत्तर हो रहे कार्य में पड़ी सरिया को उठाकर लिये जा रहा था, तभी कार्य की देखरेख कर रहे रहे ठेकेदार की नजर पड़ी तो उसने पूछा सरिया कहां लिये जा रहे हो। उसने कहा हम यहां काम करते हैं। शक होने पर उसने अन्य श्रमिकों से पूछा तो बताया वह यहां काम नहीं करता है। तब उसने चोरी की बात कबूली। ठेकेदार ने कड़ी हिदायत देकर, फटकार लगाते हुए उसे दोबारा न आने की हिदायत देकर छोड़ दिया। जेई नितिन सिंह ने बताया की सभी श्रमिकों की ड्रेस आ गई हैं, कुछ की एक दो दिन में आ जाएगी, जिससे यहां काम करने वाले श्रमिकों की पहचान देर से हो जायेगी।

महिला से छेड़छाड़ तीन पर रिपोर्ट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि उसके गांव के ही राहुल, शोभित और विजय आए दिन उसके साथ अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ करते हैं। विरोध करने पर मारपीट कर जान से मार देने की धमकी देते हैं। सुबह करीब आठ बजे वह शौच करने के लिए गन्ना के खेत में गई थी, जहां राहुल ने उसे दबोच लिया और अश्लील हरकते करते हुए छेड़छाड़ करने लगा। जब उसने विरोध किया तो उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिन दहाड़े घर के बाहर से बाइक चोरी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला अर्जुन नगर कॉलोनी निवासी बृजेश कुमार ने बताया कि वह 30 नवंबर रविवार को शाम 3 .30 बजे कॉलोनी में ही रहने वाले सुभाष मिश्रा के यहां एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाइक से गए थे। उन्होंने अपनी बाइक उनके घर के बाहर खड़ी कर दी। कुछ देर बाद जब वह उनके घर से बाहर निकले तो बाइक वहां नहीं थी। उन्होंने बाइक की काफी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। उन्होंने बाइक चोरी की रिपोर्ट लिखे जाने की तहरीर पुलिस को दी है।

यातायात माह बीता, सड़कों पर नहीं दिखी जागरुकता

सड़कों पर नजर आते हैं बाइक पर कई सवार जाते, हेलमेट भी नहीं होता

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नवंबर माह के साथ ही यातायात माह का समापन हो गया, लेकिन यह पूरा महीना जिले में यातायात नियमों के प्रति उदासीनता का आईना साबित हुआ। पुलिस की ओर से जागरूकता अभियान चलाने और जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित करने के बावजूद लोगों में किसी तरह की संजीदगी नजर नहीं आई। एक तरफ पुलिस नियमों का पाठ पढ़ाने में जुटी रही, वहीं दूसरी ओर शहर से लेकर कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग खुले आम नियमों की धज्जियां उड़ाते रहे। पूरे माह बिना हेलमेट बाइक चलाना, ट्रिपल सवारी करना और तेज रफ्तार से गलियों एवं मुख्य सड़कों पर फर्राटा भरना आम बना रहा।

मूड़ा सवारान। शनिवार और रविवार को लखीमपुर-भीरा राजमार्ग पर तो कई ऐसे दृश्य सामने आए, जिनमें लोग तनिक भी भय या जिम्मेदारी के बिना ओवरलोड बाइकों पर सवार होकर गुजरते दिखे। स्थिति यह थी कि सड़क सुरक्षा केवल रैलियों, बैठकों और फोटोशूट तक सिमटकर रह गई, जबकि वास्तविक सड़कों पर सुरक्षा अनुशासन का अभाव स्पष्ट दिखाई दिया। सबसे चिंताजनक पहलू अभिभावकों की लापरवाही रही। प्रतिदिन बड़ी संख्या में अभिभावक अपने छोटे बच्चों को दोपहिया वाहनों की टंकी पर बैठा कर यात्रा करते देखे गए।

यह प्रवृत्ति न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी है। नियमों के अनुसार चार से नौ वर्ष तक के बच्चों को बाइक की टंकी पर बैठाना गैरकानूनी है, लेकिन इस नियम का पालन कहीं नजर नहीं आया। सरकार ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह प्रावधान लागू किया था, फिर भी जागरूकता का अभाव खलता रहा। यातायात माह का एकमात्र उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना है, लेकिन जब विशेष अभियान के दौरान ही नियमों की धज्जियां उड़ती रहें, तो बड़ा सवाल उठता है कि बाकी महीनों में हालात कैसे सुधरेंगे। जब तक लोग स्वयं यातायात नियमों को अपनी सुरक्षा से जुड़ा मानकर जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे, तब तक सड़क दुर्घटनाओं और अव्यवस्था में सुधार की उम्मीद करना कठिन है।

एक बाइक पर पांच सवारी और वह भी बिना हेलमेट। ● अमृत विचार

बाइकों पर बिना हेलमेट नियमों की अनदेखी करते सवार। ● अमृत विचार

पलिया चौराहा जाम से लोग बेहाल

पलिया कलां, अमृत विचार : मुख्य चौराहे पर ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। पुलिस की मौजूदगी के बावजूद 100 मीटर के दायरे में डग्गामार बसें, टैक्सियां और अन्य प्राइवेट यात्री वाहन खुलेआम खड़े रहते हैं, जिससे दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। दो होमगार्ड कर्मियों के सहारे चल रही ट्रैफिक व्यवस्था का कोई पालन करने वाला नहीं दिखता, जबकि चौकी व थाना पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। मुख्य चौराहा शहर का सबसे व्यस्त इलाका है, जहां चारों दिशाओं से गन्ना लोडेड ट्रक, ट्रांसपोर्ट वाहन और स्थानीय यातायात गुजरता है। बावजूद इसके प्राइवेट बसें सिनेमा चौराहा से खैरा ट्रांसपोर्ट तक, रेलवे क्रॉसिंग से लेकर संपूर्ण नगर रोड तथा रूपम होटल के बीच अवैध रूप से खड़ी रहती हैं, जिससे दिनभर भारी जाम लगता है और गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दूसरी ओर दुकानदारों का अतिक्रमण समस्या को और बढ़ाता है। बस यूनियन और ट्रक यूनियन के मजबूत सिंडिकेट के आगे पुलिस भी कार्रवाई से बचती दिख रही है। जबकि बीते वर्ष गन्ना सीजन में प्रशासन ने स्पष्ट आदेश दिया था कि कोई भी बस या ट्रक चौराहे से 100 मीटर के भीतर नहीं रुकेगा और सभी वाहन अपने अड्डे से ही संचालित होंगे। इन आदेशों की अनदेखी और पुलिस की निष्क्रियता के कारण किसी भी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है और प्रशासन की सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

अब 11 दिसंबर तक भरे जा सकेंगे एसआईआर फॉर्म

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अवधि में डीईओ, ईआरओ और एईआरओ जैसे संबंधित अधिकारियों के पद किसी भी स्थिति में रिक्त न रहें। साथ ही। इस अवधि के दौरान इन अधिकारियों का स्थानांतरण आयोग की पूर्व स्वीकृति के बिना नहीं किया जाएगा।

जिले के समस्त मतदाताओं से अपील की गई है कि वे अपने नाम की स्थिति की जांच अवश्य करें। संशोधित समय सारणी के अनुसार, अब 11 दिसंबर तक एसआईआर भरे जा सकेंगे। 12 से 15 नवंबर के मध्य ड्राफ्ट रोल तैयार किया जाएगा। 16 दिसंबर को निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि रहेगी। निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी 2026 को होगा।

दिन में तेज धूप, सुबह रात में ठिठुर रहे लोग

राजमार्ग पर कोहरे के बीच से गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

संवाददाता, लखीमपुर खीरी/मूड़ा सवारान

अमृत विचार। सोमवार को न्यूनतम पारा 8 डिग्री सेल्सियस रहने से सर्दी का अहसास बढ़ गया है। सुबह और शाम को सड़कों पर कोहरे की चादर रहने से वाहनों की रफ्तार सुस्त हो रही है।

लोग दोपहर में गुनगुनी धूप का लुफ्त लेने लगे हैं। सर्दी बढ़ने से बाजारों में गर्म कपड़ों की बहार आ गई है। नवंबर माह समाप्त होते ही मौसम में ठंडक आ गई है। सर्दी बढ़ने से अधिकतर लोग फूल स्वेटर और जैकेट पहन रहे हैं। लोगों को अलाव की भी आवश्यकता महसूस होने लगी है। सोमवार को कोहरे के कारण लोगों को ठंड का खूब एहसास हुआ। कोहरे की चादर में सूर्य देव के दर्शन सुबह 7 बजे के बाद हुए। कोहरे का असर रविवार की देर रात से ही दिखाई देने लगा था धीरे-धीरे कोहरा घना होता चला गया और सुबह होते-होते सड़कों को कोहरे की चादर ने अपनी आगोश में लपेट लिया।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: गांव सुयाताली मडैया निवासी राम किशोर का 21 वर्षीय बेटा लाकेश कुमार गोला में किराए पर कमरा लेकर रहता था। वह बांसगांव स्थित अपनी मौसी के घर आया था।

रविवार की देर शाम करीब सात बजे बाइक से गोला अपने कमरे पर वापस जा रहा था। मृतक के बहनोई रमाकांत ने बताया कि लाकेश लखीमपुर रोड स्थित कोटवारा फाटक के पास पहुंचा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

रोते-बिलखते परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

नेपाल के गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल पहुंचे गौरीफंटा बॉर्डर

संवाददाता, पलिया कलां

गौरीफंटा बॉर्डर का निरीक्षण के दौरान एसएसबी के अधिकारियों से वार्ता करते नेपाल के गृह मंत्री ओम प्रकाश अर्याल। ● अमृत विचार

- सीमा सुरक्षा का लिया जायजा, अधिकारियों से की बातचीत
- संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के दिए गए निर्देश

अमृत विचार। प्रदेश स्तरीय सुरक्षा समन्वय बैठक में शिरकत करने धनगढ़ी पहुंचे नेपाल के गृह मंत्री ओमप्रकाश अर्याल ने मंगलवार को भारत-नेपाल सीमा के गौरीफंटा बॉर्डर का निरीक्षण किया। उनके साथ सुरक्षा अधिकारियों का दल भी मौजूद रहा।

बॉर्डर पर पहुंचने के बाद गृह मंत्री ओमप्रकाश अर्याल का औपचारिक स्वागत किया गया। शिष्टाचार भेंट के बाद उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों से मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी मांगी।अधिकारियों ने उन्हें सीमा की मौजूदा तैनाती, आवागमन नियंत्रण प्रणाली, निगरानी तंत्र, सीसीटीवी मॉनिटरिंग और सुरक्षा चौकियों की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान गृह मंत्री ने एसएसबी इंस्पेक्टर विशन दास सहित अन्य अधिकारियों से आमने-सामने वार्ता की और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की रूपरेखा समझी।

गृह मंत्री ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, इसलिए सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ सामान्य नागरिकों और व्यापारिक गतिविधियों का सुगम आवागमन भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा और आपसी समन्वय की प्रक्रिया को और मजबूत करते हुए संवेदनशील स्थानों की निरंतर निगरानी की जाए। सीमा पार अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल और तेज होना चाहिए।

एसडीएम को नहीं जानकारी

उपजिलाधिकारी डॉ. अवनीश कुमार से जब गृह मंत्री के निरीक्षण को लेकर बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि हमें इस निरीक्षण की औपचारिक जानकारी नहीं है। संभवत: मौके पर एसएसबी के अधिकारी मौजूद रहे होंगे।

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए 128 विद्यालय प्रस्तावित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- चार सदस्यीय टीम ने विद्यालयों का निरीक्षण कर रिपोर्ट दी

अमृत विचार: यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में परीक्षा केंद्र निर्धारण प्रक्रिया तेज कर दी है। डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि केंद्र चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और नियमबद्ध बनाने के उद्देश्य से पहले विद्यालयों की उपलब्ध सुविधाओं एवं संसाधनों का सत्यापन कराया गया। इसके लिए चार सदस्यीय टीम गठित की गई थी, जिसने जिले भर के विद्यालयों का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट विभाग को उपलब्ध कराई।

जांच टीम से प्राप्त जानकारी और अपडेटेड आंकड़ों के आधार पर कंप्यूटराइज्ड ऑनलाइन 128 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र के रूप में प्रस्तावित किया है। इनमें 14 राजकीय विद्यालय, 44 अशासकीय विद्यालय एवं 70 वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। डीआईओएस ने बताया कि जिन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किया है। उनके प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य किसी प्रकार की शिकायत या आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं तो चार दिसंबर तक माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट यूपीएमएसपी डॉट ईडीयू डॉट इन पर ऑनलाइन करा सकते हैं। तय समय सीमा के बाद आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

शिकायतों एवं आपत्तियों के निस्तारण को केंद्र निर्धारण समिति बैठक करेगी। समिति सभी बिंदुओं की समीक्षा कर अंतिम निर्णय लेगी। इसके बाद 11 दिसंबर को परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची माध्यमिक शिक्षा परिषद की अधिकृत वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी।

एनएसएस की छात्राओं को एड्स के प्रति किया जागरूक

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: कृषक समाज इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता में एड्स दिवस का आयोजन कर विद्यार्थियों को जागरुक किया गया। प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता में हुये जागरुकता कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। कहा कि सही जानकारी ही इस बीमारी से लड़ने में हमारा सबसे बड़ा हथियार है। जीव विज्ञान प्रवक्ता डॉ अनिल कुमार एवं ओमप्रकाश के दिशा निर्देश पर एनएसएस के विद्यार्थियों ने लाल रिबन बांधकर कॉलेज में जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान एड्स से डरो नहीं, बचाव करो और हम सबका यही हो सपना, एड्स मुक्त हो भारत अपना आदि नारे लगाए गए।

188 दिव्यांगों को 229 उपकरण दिए गए

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

दिव्यांग बच्चों को उपकरण देते विधायक योगेश वर्मा और सीडीओ अभिषेक कुमार।

- सदर विधायक और सीडीओ ने किया क्रायक्रम का आरंभ
- कैंप में ट्राईसाइकिल से लेकर ब्रेल किट तक बांटी गईं

अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के तहत दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाने की दिशा में सोमवार का दिन खास रहा। समेकित शिक्षा के सहयोग से संविलियन विद्यालय महाराज नगर रिसोर्स सेंटर परिसर में दिव्यांग बच्चों के लिए भव्य उपकरण वितरण कैंप आयोजित हुआ। कैंप का आरंभ सदर विधायक योगेश वर्मा, सीडीओ अभिषेक कुमार और बीएसए प्रवीण तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

विधायक सदर योगेश वर्मा ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को उपकरण उपलब्ध कराना सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को नया आसमान देने का संकल्प है। ये बच्चे किसी से कम नहीं हैं, जरूरत बस सही सहयोग और अवसर की है। सरकार हर कदम पर इनके साथ खड़ी है। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि यह सिर्फ उपकरणों का वितरण नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों को नई दिशा देने का प्रयास है। कैंप में 188 दिव्यांग बच्चों को कुल 229 उपकरण प्रदान किए गए। जिनमें ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, सीपी चेयर, ब्रेल किट, स्मार्ट केन, टीएलएम किट, श्रवण यंत्र जैसे सहायक उपकरण शामिल रहे। इन संसाधनों ने बच्चों और अभिभावकों को नई उम्मीद दी है। कार्यक्रम में सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा, विशेष शिक्षक और फिजियोथैरेपिस्ट भी मौजूद रहे।

सड़कों पर आज उतरेंगे सिख समाज के लोग

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: गांव लुधौरी में गुरुद्वारे के दो सेवादारों की पगड़ी उछालकर और केस खींचकर बेरहमी से की गई पिटाई मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। आरोपियों का शांतिभंग में चालान करने और एसडीएम के जमानत देने से सिख समाज में भारी रोष है। सोमवार को निघासन गुरुद्वारे में जुटी सिख संगत ने बैठक कर आंदोलन की रणनीति बनाई। सिख समाज मंगलवार को एसडीएम के स्थानांतरण और आरोपियों को जेल भेजने की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन कर एसडीएम का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगा।

क्षेत्र के गोविंदपुर फार्म निवासी मनप्रीत सिंह व गुरविंदर सिंह गत शुक्रवार गांव बिरजा पुरवा में श्री अखंड पाठ की सेवा करके लौट रहे थे। इसी दौरान लुधौरी में डॉ. निसार अहमद के घर के पास अजय, विजय, अंकित, अखिलेश, अनुज, शिवम निवासी लुधौरी व सोनू और शुभम निवासी बिहारीपुरवा समेत करीब एक दर्जन लोगों ने उन्हें घेर लिया था। आरोपियों ने पहले दोनों सेवादारों की पगड़ी उतारी, जमीन पर फेंकी और लाठी-डंडों व बेल्ट से बेरहमी से पीटा। सूचना पर पुलिस पहुंची तो आरोपी फरार हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। पुलिस ने शनिवार को रिपोर्ट दर्ज कर पांच आरोपियों को हिरासत में लिया था और अगले दिन शांतिभंग की चालानी कार्रवाई कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया था, जहां से सभी आरोपियों को मुचलके पर जमानत मिल गई। इसकी जानकारी जब सिख समाज के लोगों को हुई तो उनमें भारी आक्रोश पनप गया। सोमवार को भी गुरुद्वारे में सिख समाज की बैठक हुई और आंदोलन की रणनीति बनाई गई। निर्णय लिया गया है कि एसडीएम के स्थानांतरण, गुंडों को जेल भेजने और पुलिस की लापरवाही को लेकर मंगलवार को सिख संगत घेराव कर प्रदर्शन करेगा। यह धरना-प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा।

जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती। इसके बाद सिख संगठन के पदाधिकारी ज्यादा से ज्यादा संख्या में निघासन में इकट्ठा होने के लिए घर घर जाकर समाज के लोगों से मिल रहे हैं। पदाधिकारियों ने बताया कि भारतीय सिक्ख संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसवीर सिंह विर्क भी कल निघासन पहुंच सकते हैं।

बजरंग दल ने खुद को विवाद से किया अलग

लखीमपुर खीरी। बजरंग दल के सीतापुर विभाग संयोजक अनुज तिवारी ने कहा कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दावा किया गया कि बजरंग दल आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि संगठन किसी भी आरोपी का संरक्षण नहीं कर रहा है। बजरंग दल सिख समाज के साथ सदैव था, है और रहेगा। उन्होंने कहा कि सिख समाज के सेवादार दो बच्चों के साथ हुई घटना अत्यंत निंदनीय है और किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। पगड़ी सिख समुदाय की पहचान और आस्था का प्रतीक है, और उसकी बेअदबी गंभीर अपराध है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि जिन व्यक्तियों ने बच्चों की पगड़ी उतारी, बाल खींचे और मारपीट की उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो सके। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बजरंग दल न्याय के पक्ष में खड़ा है और धार्मिक भावनाओं को आहत करने वालों का समर्थन करने का कोई सवाल ही नहीं है।

डूबने से हुई थी बाबूराम की मौत

निघासन, अमृत विचार: पानी भरे खेत में मिले मोहल्ला नानक नगर निवासी बाबूराम के शव का पोस्टमार्टम सोमवार को हुआ। रिपोर्ट में उसकी डूबने से मौत होने की बात कही है। परिजनों ने पुलिस की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

कस्बे के नानकनगर (छींटनपुरवा) निवासी बाबूराम भार्गव का शव रविवार को गांव के पानी भरे खेत में पड़ा मिला था। वह 25 नवंबर से लापता था। बाबूराम की पत्नी अनीता का कहना था कि उसके पति मजदूरी के बकाया 1900 रुपये लेने गोविंदपुरी निवासी ठेकेदार कमलेश गौतम के पास गए थे। उसके बाद वह घर नहीं लौटे। परिवार वालों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया था। पुलिस के आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद शव को उठाने दिया था।

बैठक में एसआईआर को गति देने को डीएम ने दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

बैठक में जानकारी देते अफसर। ● अमृत विचार

एसआईआर को लेकर बैठक करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

- बीएलओ के सहयोग में लगाया जाए अतिरिक्त स्टाफ, बढ़ाएं प्रगति
- बीएलओ को तनाव मुक्त रखने पर डीएम ने दिया विशेष जोर

अमृत विचार: जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को तेज़, संतुलित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सोमवार को अटल सभागार में खंड शिक्षा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। डीएम ने डिजिटाइजेशन की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया और उन मतदेय स्थलों पर विशेष रणनीति बनाने को कहा, जहां प्रगति 65 फ़ीसदी से कम रही।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मतदेय स्थलों की कार्ययोजना तत्काल तैयार की जाए और आज रात तक न्यूनतम 80 फ़ीसदी डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पुनः समीक्षा की जाएगी। बैठक के दौरान डीएम ने सभी बीईओ को निर्देशित किया कि वे अगले एक घंटे में अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ को 80 फ़ीसदी लक्ष्य आवंटित करें, और यह सुनिश्चित करें कि बीएलओ पर अनावश्यक दबाव न पड़े।

उन्होंने कहा कि बीएलओ इस अभियान की रीढ़ हैं, इसलिए उनकी सुविधा, सहयोग और स्ट्रेस में कमी प्रशासन की प्राथमिकता है। डीएम ने कहा कि जहां भी कार्यभार अधिक है, वहां तुरंत अतिरिक्त कार्मिकों की तैनाती की जाए, ताकि बीएलओ पर पड़ने वाला भार कम हो सके।उन्होंने निर्देशित किया कि बीईओ स्वयं फील्ड में सक्रिय रहकर बीएलओ की आवश्यकताओं की निगरानी करें और उन्हें हर संभव सहायता तत्काल उपलब्ध कराएं। कहा कि हर बीएलओ के कार्य की प्रगति की समीक्षा सिर्फ लक्ष्य संख्या से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी की जाए कि उन्हें कितना सहयोग मिला और वे बिना तनाव के कार्य कर पा रहे हैं या नहीं। बैठक का संचालन एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह व बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने किया।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार : थाना पलिया पुलिस ने सोमवार को बाइक से जा रहे पीलीभीत जिले के थाना हजारा के गांव राघवपुरी निवासी हरदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 21 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद होने का दावा किया है। एसओ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का चालान भेजा है।

बाइक चोरी की अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला बादल नगर निवासी अरुण कुमार यादव पुत्र हंसराम ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 22 नवंबर की रात वह मोहम्मदी रोड बाईपास पर बाइक से एक शादी समारोह में आया था। जब वह वापस आया तो देखा उसकी बाइक नहीं थी। उसने बहुत तलाश किया पर बाइक का कुछ पता नहीं चला। उसने अज्ञात के खिलाफ बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

भैंस चोरी की दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के चठिया मदनी गांव निवासी ब्रह्म सिंह ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 8 नवंबर की रात 12 बजे उनकी भैंस चोरी हो गई थी। उन्हें पता चला कि उनकी भैंस गांव निवासी पंकज सिंह और नकारा गांव निवासी मधुराम सिंह ने चोरी की है।

जान से मारने की धमकी व मारपीट का आरोप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव सिसावा खुर्द निवासी छोटे सिंह ने बताया कि 29 नवंबर की सुबह 10 .30 बजे वह खेत की सिंचाई कर रहा था, तभी गांव निवासी बाबू सिंह, करणपाल सिंह, विश्राम सिंह, श्याम पाल सिंह और विनोद ने उनके साथ गाली गलौज कर मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

लाखों ने सराही लघुकथा तीर

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : साहित्यकार सुरेश सौरभ की लघुकथा तीर को उनके फेसबुक पेज पर काफी लोगों ने सराहा। तीर लघुकथा में शिक्षा की नकल व्यवस्था पर कटाक्ष किया है। भीगे मन के द्वार, पापी, आर्द्रता, आदि इनकी लघुकथाएं चर्चित हो रही है। बेरंग, भीगते सावन, गुलाबी गलियां, पावन तट पर आदि पुस्तकें सौरभ की छप चुकीं है।

हाथियों के बाद जंगली सूअरों का कहर

गांव भगवंतापुर के किसान की एक बीघा सरसों की फसल को खोद कर बर्बाद कर डाला

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: वन रेंज क्षेत्र के किसानों की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। जंगल से निकलने वाले जानवर अब किसानों की मेहनत को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाथियों के बाद अब सूअरों ने गांव भगवंतापुर के किसान की एक बीघा सरसों की फसल को खोद कर बर्बाद कर डाला। किसानों का कहना है कि वन विभाग स्थिति पर ध्यान नहीं दे रहा, जिससे समस्या गंभीर होती जा रही है।

गांव भगवंतनगर निवासी बेचें लाल की एक बीघा सरसों की फसल रविवार देर रात जंगली सूअरों ने रौंद डाली। बेचें लाल ने बताया कि उन्होंने काफी मेहनत से एक बीघा में लाही (सरसों) बोई थी। सोमवार सुबह खेत देखने पहुंचे तो पूरी फसल उजड़ी पड़ी थी। खेत में कुछ जंगली सूअर भी मौजूद थे, जिन्हें गांव वालों की मदद से खदेड़ा गया। किसानों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले हाथियों के झुंड

जंगली जानवर द्वारा खोदी गई सरसों की फसल। ● अमृत विचार

● फसलें बनी वन्यजीवों का निशाना, किसान परेशान

ने करीब 50 एकड़ गन्ने की फसल बर्बाद कर दी थी। अब जंगली सूअरों की मौजूदगी किसानों की मुसीबत और बढ़ा रही है। किसानों ने बताया कि जंगल के किनारे बसे क्षेत्रों में खेती करना अब मुश्किल हो रहा है। फसलें तैयार होने के बाद वन्यजीवों फसल बर्बाद कर उनकी पूरी मेहनत बेकार हो जाती है। किसानों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि न तो उनसे कोई संपर्क किया जाता है और न ही फसल सुरक्षा के लिए कोई कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की ओर से न कोई अभियान चलाया जा रहा है और न ही वन्यजीवों को नियंत्रित करने की कोई कोशिश दिखाई दे रही है। किसान प्रशासन से राहत और मुआवजे की मांग भी लगातार कर रहे हैं, लेकिन वन विभाग इस दिशा में भी कोई कदम नहीं उठा रहा है। किसानों ने प्रशासन और वन विभाग से प्रभावी कदम उठाने, वन्यजीवों की निगरानी और फसल सुरक्षा की

किसानों में बढ़ी बेचैनी, खेतों में कट रही रातें

किसानों ने बताया कि पहले हाथियों के हमले से इलाके की कई एकड़ गन्ने की फस फसल तबाह हुई थी, और अब वही हाल जंगली सूअरों ने कर दिया है। वह फसल की रखवाली खेतों में मचान बनाकर कर रहे हैं, लेकिन बिगड़ैल जंगली हाथी मचानों पर हमला कर देते हैं और उसे गिरा देते हैं, जिससे किसानों को जान का खतरा भी बना रहता है। बीते दिनों हाथियों ने दुधवा नेशनल पार्क के किनारे की गई तार फ्रेसिंग को तोड़ दिया था और खेतों में आकर मचानों को भी गिरा दिया था। जान जोखिम में डालकर किसान पूरी रात खेतों पर पहरा देते हैं, लेकिन जानवरों के झुंड के सामने कुछ नहीं कर पाते।

व्यवस्था लागू करने की मांग की है। साथ ही कहा है कि जल्द राहत नहीं मिली, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

दुर्घटना में साले की मौत, बहनोई घायल

लखीमपुर खीरी/भानपुर, अमृत विचार: गांव भानपुर खुर्द निवासी आशीष कुमार (22) पुत्र बहादुर लाल अपनी बहन का रिश्ता देखने बाइक से रामापुर जा रहा था। भंसड़िया मोड़ के पास अचानक कुत्ते को बचाने की कोशिश की, तभी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में आशीष और उसके साथ बैठे बहनोई राम सिंह गंभीर घायल हो गए। ग्रामीणों ने दोनों को 108 एंबुलेंस की मदद से ओयल जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने आशीष को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया, लेकिन इसीबीच उसकी मौत हो गई। बहनोई राम सिंह की हालत गंभीर है, जिनका इलाज जारी है। परिवार के लिए यह दूसरा बड़ा सदमा है। कुछ ही महीने पहले आशीष के पिता बहादुर लाल की सांप के डसने से मौत हो गई थी। अब आशीष की असमय मौत ने परिवार को तोड़ दिया। गांव में शोक की लहर है। घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली जागरुकता रैली

विश्व एड्स दिवस पर पलिया में जनजागरूकता रैली निकालते चित्रांशु समाज कल्याण परिषद के कार्यकर्ता व छात्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : विश्व एड्स दिवस पर चित्रांशु समाज कल्याण परिषद ने शहर में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया। इस दौरान गोष्ठी भी हुई।

रैली का शुभारंभ सीएचसी अधीक्षक डॉ. भरत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। नगर की प्रमुख सड़कों पर निकाली गई रैली में एचआईवी के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद रैली की समाप्ति पर एक गोष्ठी हुई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक ने सभी को एड्स के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उसके बाद एचआईवी/ एड्स से जुड़े हुए कुछ सवाल गोष्ठी में मौजूद छात्रों से पूछे गए। जिनका सही जवाब बताने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सीएचसी के अंकित दीक्षित, परियोजना प्रबंधक जितेन्द्र सिंह, शालिनी मिश्रा, आकाश दीप शर्मा, डॉ. अंशुल शुक्ला, निधि, सचिन शर्मा, सागर नाग, अनामिका, लवकुश, लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

समिति ने वर्ष में कमाया 11.24 लाख का लाभ

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: कुंभी ब्लॉक की लन्दनपुर सहकारी समिति के वार्षिक अधिवेशन में 4.84 करोड़ का अधिकतम दायित्व पास किया गया। समिति के निरंतर लाभ और मिनी बैंक का संचालन होने से विधायक ने सचिव की प्रशंसा कर लोगों को जैविक उत्पादों का प्रयोग करने की सलाह दी।

समिति कार्यालय पर संचालक मंडल की अध्यक्ष कीर्ति वर्मा की अध्यक्षता में हुये वार्षिक अधिवेशन में समिति के सचिव मिथलेश कुमार सिंह ने आय व्यय का ब्योरा पेश करते हुए बताया कि समिति ने अपने सदस्यों को 5.18 करोड़ रुपया ऋण वितरण किया। सदस्यों से 5.04 करोड़ की वसूली हुई, वित्तीय वर्ष में समिति ने 95.73 लाख का खाद वितरण कर 11.24 लाख रुपया लाभ अर्जित किया। समिति में मिनी बैंक का संचालन होने से एक करोड़ 22 लाख जमा हुआ, मिनी बैंक का जिला सहकारी बैंक में 1.67 करोड़ रुपया जमा है। इससे मिनी बैंक को 44.98 लाख रुपया लाभ हो गया है।

बी पैक्स लन्दनपुर के वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक में बोलते विधायक अमन गिरि।

● लन्दनपुर सहकारी समिति की बैठक में 4.84 करोड़ का दायित्व पास

बैठक में आम सहमति से 4.84 करोड़ का अधिकतम दायित्व पास किया गया। वार्षिक अधिवेशन के मुख्य अतिथि विधायक अमन गिरि ने प्रगति रिपोर्ट सुनकर कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि न्याय पंचायत स्तर पर सहकारी समितियां ग्रामीणों के उत्थान में निरंतर कार्य कर रही हैं। समितियों से तीन प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण मिल रहा है, जबकि कोई बैंक इतने ब्याज पर ऋण नहीं देता हैं। क्षेत्र के लोगों को सहकारी समिति का सदस्य बनकर इनकी सेवाओं का लाभ लेना चाहिए। श्री गिरि ने कहा कि नत्रजन खादों के प्रयोग से खेत की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है। फसलों में खादों के अधिक प्रयोग करने से उपजे अन्न से बीमारियां बढ़ रही हैं। इसलिए नत्रजन खादों के स्थान पर जैविक उत्पादों का प्रयोग करें। सहकारिता विभाग ने हर फसल के लिए जैविक बनाए हैं।

वार्षिक अधिवेशन को विशिष्ट अतिथि कुंभी ब्लॉक प्रमुख विमल वर्मा और संचालकों ने संबोधित कर समिति में स्टाफ कम होने की जानकारी दी। सहायक विकास अधिकारी सहकारिता ऋषिकेश पटेल ने विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। अधिवेशन में उप सभापति वीरेश वर्मा सहित संचालक मंडल के पदाधिकारी और सिंघाड़ा सिंह, हरभजन सिंह, डॉ. रामसिंह वर्मा, प्रधान विपिन यादव, राधेश्याम वर्मा, आलोक जासवाल सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सीतापुर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर छात्र सम्मानित

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: आरएम ज्ञान दायिनी इंटर कॉलेज के प्रतिभाशाली छात्रों ने सीतापुर में आयोजित की गई मंडल स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

भारत को जानो प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में निखिल कुमार, गौरव और अमित कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का परचम फहरा दिया। वहीं जूनियर वर्ग में हर्षित वर्मा और प्रखर वर्मा ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में मिली इस महत्वपूर्ण सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

विद्यालय के प्रबंधक राकेश वर्मा एडवोकेट ने विजेता छात्रों को प्रशस्तिपत्र तथा ट्रॉफी प्रदान की और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान अंग्रेजी माध्यम के कोआर्डिनेटर आशीष सिंह मौजूद रहे।

150 फेंसीं लाइट्स से जगमग होगा शिव मंदिर कॉरिडोर परिक्षेत्र

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: शिव मंदिर कॉरिडोर परिक्षेत्र में भूमिगत बिजली लाइन डाली जा रही है, जिसके लिए बॉक्स बनाए जा रहे हैं। परियोजना के तहत पौराणिक शिव मंदिर कॉरिडोर परिक्षेत्र को आधुनिक प्रकाश व्यवस्था से रोशन किया जाएगा। इसके लिए परिक्षेत्र में 150 से अधिक आकर्षक, रंग बिरंगी कनड्यूड लाइट्स लगवाई जाएगी।

छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर का कार्य शुरू हुए एक वर्ष का समय हो गया है। दिसंबर 2024 में शुरू कराए गए कॉरिडोर सौंदर्यीकरण का कार्य अब धरातल पर दिखने लगा है। कार्यदाई संस्था के जेई नितिन सिंह ने बताया कि परिक्षेत्र की भव्यता और सुंदरता के लिए अंबेडकर तिराहे से लेकर वीआईपी गेट, मुख्य प्रवेश द्वार से गोकर्ण तीर्थ परिसर, पौराणिक शिव मंदिर के उत्तर, कानपुर और

गोला में पौराणिक शिव मंदिर के उत्तर भूमिगत बिजली लाइन डालने को बनाए गए बाक्स।

पीलीभीत धर्मशाला के सामने गली सहित पूरे कॉरिडोर परिक्षेत्र में डेढ़ सौ से अधिक आकर्षक कनड्यूट लाइट्स लगवाई जाएगी, जिससे परिक्षेत्र की सुंदरता में निखार आएगा और श्रद्धालुओं के लिए एक आध्यात्मिक और सुंदर वातावरण भी तैयार होगा।

पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मार्ग में बूढ़े बाबा मंदिर के सामने परिक्रमा पथ के पिलरो पर डाली गई स्लैप की शटरिंग सोमवार देर शाम तक हटाई जाती रही। अब पौराणिक शिव मंदिर के पूरब बने परिक्रमा पथ के स्तंभों पर छत डालने के लिए शटरिंग बिछाई जाएगी। गोकर्ण तीर्थ के दक्षिण बन रही तीन मंजिला यात्री विश्रामालय के लिए भी शटरिंग बिछाने का कार्य शुरू कराया गया है।

रासलीला के कलाकारों ने नारद मोह का किया मंचन

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार: वीरबाबा देवस्थान पर सोमवार दोपहर रामलीला कार्यक्रम में देवर्षि नारद मोह लीला का कलाकारों ने मंचन किया।

वृंदावन के कलाकारों द्वारा दिखाया गया कि देवर्षि नारद मुनि भयंकर तपस्या में लीन थे। सिंहासन छिनने के डर से देवराज इंद्र ने कामदेव व अप्सराओं को नारद मुनि की तपस्या भंग करने भेजा, असफल रहने पर इंद्र ने विष्णु जी से अपनी व्यथा बताई। वीरबाबा स्थान पर मूड़ा अर्जुन गांव के अलावा घुग्घुलपुर, मनवापुर, ढकवा, बसही सहित कई पड़ोसी गांव के लोगों रासलीला का आनन्द लिया। मंगलवार दिन में दोपहर 1 बजे रामजन्म की लीला का मंचन होगा, रात्रि 8 बजे में देवकी-वासुदेव विवाह का मंचन होगा।

नारद मोह का मंचन करते कलाकार।

पूर्व विधायक के बेटे की गिरफ्तारी होने पर सपा ने उठाए सवाल

संवाददाता पलिया कलां

अमृत विचार : दिवंगत पूर्व विधायक निर्वेंद्र कुमार मुन्ना के पुत्र संजीव मुन्ना की गिरफ्तारी को लेकर मामला राजनीतिक रूप से गर्मा गया है। परिवार ने जहां इस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि प्रशासन और जमीन माफियाओं की मिलीभगत से संजीव मुन्ना को टारगेट कर फंसाया गया है ,वहीं सोमवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला और पूरी घटना को राजनीतिक साजिश बताया।

प्रतिनिधि मंडल में समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके प्रीतेंद्र पाल सिंह कक्कू, भीरा नगर पंचायत अध्यक्ष पति व सपा नेता संजय शुक्ला तथा सपा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष

पीड़ित परिवार से मुलाकात करते सपा प्रतिनिधिमंडल के सदस्य। ● अमृत विचार

● सपा प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

जावेद अख्तर आदि शामिल रहे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मिलकर कहा कि वर्तमान सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए समाजवादी पार्टी के नेताओं पर अत्याचार व जुल्म कर रही है, यह लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक है।

गिरफ्तार किए गए संजीव कुमार मुन्ना की माता सहित पूरे परिवार ने इसकी उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि हमें सिर्फ न्याय चाहिए न कि किसी को बचाना या फंसाना। प्रशासन लगातार एकतरफा कार्रवाई कर रहा है, जिसकी जांच होनी जरूरी है।

सहायक प्रोफेसर को मिलीं दो पीएचडी की उपाधियां

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भौतिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार वर्मा ने दो पीएचडी उपाधियां प्राप्त कर संस्थान व जिले का नाम रोशन किया है।

महाविद्यालय परिवार ने बताया कि डॉ. वर्मा ने सीएसआईआर- नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी (एनपीएल), नई दिल्ली से भौतिकी में पीएचडी और आरएमआईटी यूनिवर्सिटी, मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) से इंजीनियरिंग में पीएचडी प्राप्त की है। उनका शोध क्षेत्र अत्याधुनिक मैटेरियल साइंस, ऊर्जा उत्पादन, थर्मोइलेक्ट्रिक तकनीक तथा अगली पीढ़ी के सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए द्विआयामी (टूडी) पदार्थों पर केंद्रित है। दोहरी डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त करने के बाद डॉ. वर्मा ने जर्मनी के कार्लसूहे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (केआईटी) में प्रतिष्ठित

पीएचडी उपाधियां दिखाते सहायक प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार वर्मा।

पोस्ट डॉक्टरल शोधकार्य पूरा किया, जो विश्व के अग्रणी तकनीकी एवं वैज्ञानिक शोध संस्थानों में से एक है। उन्होंने भारत के प्रमुख संस्थानों आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी भुवनेश्वर और जर्मनी, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी शोध समूहों के साथ मिलकर व्यापक शोध कार्य किया। प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) हेमंत पाल ने कहा है कि डॉ. अजय वर्मा की उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियां हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय हैं। दोहरी पीएचडी और विश्वस्तरीय शोध कार्य वास्तव में असाधारण उपलब्धि है।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
द्वारा IVF कैम्प
दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.
अब अधूरे सपने होंगे पूरे
निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क मुफ्त
दिन : 8 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार
समय : प्रातः 10:00 से 01 बजे तक
अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !
उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें सस्ती दरों पर
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) मार्केट रेट से 35% की छूट पर
★ लैब टेस्ट पर भारी छूट
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 150/- में
विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब
देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....
स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराह, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 6398018900, 8171925965

विश्व एड्स दिवस: छात्र-छात्राओं ने लोगों को किया जागरूक

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: विश्व एड्स दिवस पर शनिवार को शहर जागरूकता के रंग में रंगा नजर आया। स्वास्थ्य विभाग की पहल पर कलेक्ट्रेट परिसर में हस्ताक्षर अभियान और जागरुकता रैली का आयोजन हुआ। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता के साथ हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

कार्यक्रम के आरंभ पर डीएम ने हस्ताक्षर बैनर पर अपना संदेश दर्ज करते हुए कहा कि एड्स से जुड़ी भ्रांतियां समाज में सबसे बड़ा खतरा हैं। जागरुकता और सही जानकारी ही इससे बचाव का सर्वोत्तम उपाय है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित व्यवहार अपनाने और दूसरों को भी इसके प्रति प्रेरित करने की अपील की। इसके बाद कलेक्ट्रेट परिसर से रैली

● डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, स्काउट एंड गाइड, एनसीसी कैडेट्स, स्वास्थ्य विभाग के कार्मिक शामिल रहे।

रैली के दौरान छात्र हाथों में तख्तियां और बैनर लिए नारे लगाते चल रहे थे एड्स से न डरें, जानें और बचें, जागरूकता लाएं-एड्स मुक्त समाज बनाएं। रैली शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए आमजन को जागरूक करती रही। रास्ते भर छात्रों ने राहगीरों को जागरुकता पंपलेट वितरित किए। रैली सीएमओ कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई, जहां सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने एड्स जागरूकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं

एड्स दिवस पर जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखातीं डीएम। ● अमृत विचार

की जानकारी दी।

जिले में पूरे दिसंबर में जागरुकता गतिविधियों की शृंखला जारी रहेगी, जिसमें स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान एसीएमओ डॉ. एससी मिश्र, डॉ. रवि मोहन गुप्ता, डिप्टी डीटीओ डॉ. नवीन गुप्ता, डिप्टी सीएमओ डॉ. लाल जी पासी, डॉ. धनीराम, डीपीएम अनिल यादव, जिला डीपीएम को-ऑर्डीनेटर रणजीत कुमार, टीबी एचआईवी कोऑर्डीनेटर अनुदीप वर्मा मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

कलान में बिजली व्यवस्था लड़खड़ाई

कलान, अमृत विचार : क्षेत्र में बिजली व्यवस्था लड़खड़ाई हुई है, यहां विभाग के कर्मचारी मनमाना रवैया अपना रहे हैं। कलान टाउन की बिजली सुबह 4 के बाद चली गई, जो पांच घंटे बाद सुचारू हो सकी। बताया जाता है कि स्टेट हाईवे मुरादाबाद फर्रुखाबाद बिजली घर के पास ही एक चक्की के पास लाइन में फाल्ट हो गया। जिसको ठीक करने में बिजली कर्मियों कोपांच घंटे से ज्यादा का समय लगा। स्थानीय लोगों ने नगर में बिजली व्यवस्था सुचारू किए जाने की मांग की है।

हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजा घायल

तिलहर अमृत विचार : शादी समारोह में शामिल होकर बाइक से घर जा रहे हैं चाचा- भतीजा गन्ने से भरी ट्राली में टकरा गए। जिससे दोनों घायल हो गए। लोगों ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। फतेहगंज निवासी कमलेश कुमार एक शादी समारोह में शाहजहांपुर भतीजे राजेश के साथ रविवार को शामिल होने आए थे। सोमवार की सुबह वह घर वापस बाइक से जा रहे थे। तभी रास्ते में कपसेड़ा गांव से पहले हाईवे पर खड़ी गन्ने से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली में उनकी बाइक टकरा गई। जिससे दोनों लोग घायल हो गए। लोगों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया और परिवार को सूचना दी।

घायल की इलाज के दौरान मौत

रोजा/शाहजहांपुर, अमृत विचार : सड़क के किनारे एक युवक घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने उसे मेडिकल कालेज भेज दिया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। रामचंद्र मिशन पुलिस को सोमवार की शाम पांच बजे सूचना मिली कि दून इंटरनेशनल स्कूल के सामने सड़क के किनारे एक युवक घायल अवस्था में पड़ा है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से जानकारी की। और घायल को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज भेज दिया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भाटन टोला निवासी इमरान है। मृतक के परिवार वाले मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। परिवार वालों ने बताया कि इमरान चार भाइयों में तीसरे नंबर का था और शादी नहीं हुई थी। वह नशे का आदी था।

बहराइच से मनौना धाम जा रही बस पलटी, 37 यात्री घायल

मोहम्मदी-शाहजहांपुर मार्ग पर चालक को झपकी आने से हुआ हादसा, मची रही अफरा-तफरी

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में मोहम्मदी शाहजहांपुर मार्ग पर बहराइच से तीर्थयात्रियों को लेकर मनौना धाम जा रही बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे 37 तीर्थयात्री घायल हो गए। घायलों में 14 यात्रियों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। अन्य को हल्की चोटें आईं हैं। बस में कुल 57 यात्री व 5 बच्चे सवार थे। हादसा रविवार की रात में पसगवां कोतवाली क्षेत्र के गांव मछेछा के करीब हुआ।

तीर्थयात्रियों से भरी बस बहराइच से खाटूश्याम की नगरी मनौना धाम जा रही थी। बस जब पसगवां के मोहम्मदपुर ताजपुर चौकी क्षेत्र में मोहम्मदी शाहजहांपुर मार्ग पर गांव मछेछा के करीब पहुंची, तो इसी दौरान चालक को नींद आ जाने के कारण बस अनियंत्रित हो गई। कुछ दूर चलने के बाद बस सड़क के किनारे पलट गई। इससे यात्रियों में चीख पुकार मच गई। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग और बड़ी संख्या में राहगीर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे सीओ अरुण कुमार सिंह व थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।

हादसे में 35 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी मोहम्मदी भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 10 यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। 25 यात्रियों को हल्की चोटें आई थी। प्राथमिक उपचार के बाद सभी यात्री मोहम्मदी से बस बुक करके वापस अपने घर लौट गए। कुछ यात्री बहराइच में व कुछ यात्री नानपारा में अपना इलाज करा रहे है। हादसे के बाद चालक व परिचालक वाहन छोड़कर फरार हो गए। प्रभारी निरीक्षक पसगवां जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि चालक के नींद आने के कारण हादसा हुआ है। बस में यात्रियों की बुकिंग रामफल निवासी कटिघर कोतवाली रुपैडिहा जिला बहराइच के माध्यम से हुई थी। कुल 62 यात्री सवार थे जिनमें पांच बच्चे हैं।

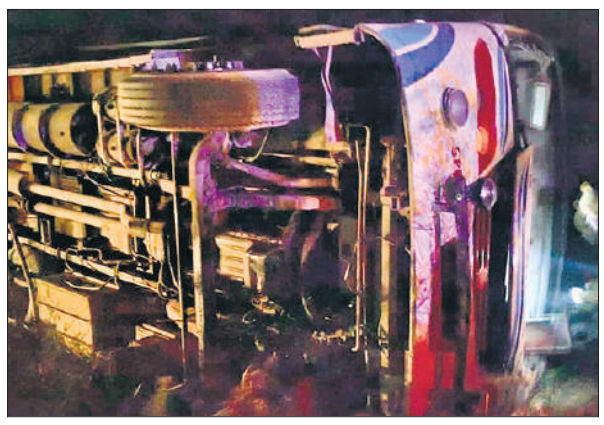

मछेछा के पास पलटी पड़ी तीर्थ यात्रियों की बस। ● अमृत विचार

घायलों को अस्पताल ले जाती एंबुलेंस।

रेफर किए गए गंभीर घायलों की सूची

- शुभ्रा (45)पत्नी बाबूलाल औरावा बहराइच
- राजेश (45) पुत्र गजधर औरावा बहराइच
- सुहाना (16) पुत्री महेश चिकनिया बहराइच
- नेतराम (60)पुत्र गिरधारी औरावा बहराइच
- जागरा देवी (46) पत्नी अयोध्या प्रसाद औरावा बहराइच
- हसीना (42) वर्ष पत्नी राजेश औरावा बहराइच
- रायवती (60)वर्ष पत्नी नेतराम औरावा बहराइच
- संयोगिता (60) वर्ष पत्नी बंशीधर रुपईडीहा बहराइच
- लालदेई (45) वर्ष पत्नी मटरु निवासी चिकनिया बहराइच
- उल्लहन (68) पत्नी रामदीन चिकनिया बहराइच
- गनेश कुमार (30) वर्ष पुत्र रामगोपाल चिकनिया बहराइच
- रामवचन पुत्र रामसनेही निवासी चिमनियां
- कलावती (60)पत्नी रामदीन चिकनिया बहराइच
- बाबूलाल (45) वर्ष पुत्र मोहन औरावा बहराइच
- मटरू पुत्र रामबाबू

कम चोटिल अन्य यात्री

- 65 वर्षीय कुल्लन पुत्र रामदीन निवासी नानपारा थाना
- 30 वर्षीय पूजा वर्मा पत्नी दीप नारायण निवासी ओहरावा रूप
- 34 वर्षीय दीप नारायण पुत्र चेतराम
- 60 वर्षीय शांति देवी पत्नी रामचंद्र निवासी अंटावा
- 40 वर्षीय तिवारी पुत्र खेलावन
- 22 वर्षीय दिनेश पुत्र तिवारी
- 55 वर्षीय जतिया पत्नी तिवारी
- 30 वर्षीय मीना पत्नी राजेश
- 30 वर्षीय जगदीश पुत्र चेतराम
- 60 वर्षीय फूलमती पत्नी हजारी
- 24 वर्षीय डब्लू पुत्र हंसराम
- 40 वर्षीय जानवती पत्नी बाबूलाल
- 35 वर्षीय जुगरी पत्नी अयोध्या प्रसाद
- 30 वर्षीय बाबूलाल पुत्र मुनेश्वर
- 35 वर्षीय सीता देवी पत्नी राजेश
- 40 वर्षीय राजेश पुत्र रामाधार
- 32 वर्षीय रामनयन पुत्र बाबू
- 35 वर्षीय रेशमा देवी पत्नी रामवचन
- 45 वर्षीय प्रेमा पत्नी तीर्थराम
- 30 वर्षीय मुन्ना लाल पुत्र जयनारायण निवासी बालापुर चौक
- 28 वर्षीय किरन पत्नी मुन्नालाल
- 16 वर्षीय सोना पुत्री महेश निवासी चिकनियां
- 60 वर्षीय पवन कुमार बहादुर

वैमनस्यता व अपमानित करने के मामले में आजम खान बरी

लखनऊ, अमृत विचार: सरकारी लेटर पैड एवं मोहर का गलत इस्तेमाल कर वैमनस्यता फैलाने और अपमानित करने के मामले में पूर्व मंत्री आज़म ख़ान को एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने बरी कर दिया।

विशेष अदालत ने अपने विस्तृत निर्णय में कहा कि घटना 2014 की बताई जाती है। परंतु वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा 2019 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 468 की व्याख्या करते हुए कहा है कि यह मामला काल बाधित भी हो चुका है। कोर्ट ने बचाव पक्ष के इस कथन को भी स्वीकार किया कि यह रिपोर्ट मौलाना कलवे जव्वाद की ओर से वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा लिखाई गई है परंतु अल्लामा अमीर नकवी न तो पीड़ित पक्ष है और न ही उन्हें रिपोर्ट दर्ज कराने का कोई विधिक अधिकार था। कोर्ट में वादी अल्लामा अमीर नकवी ने स्वीकार किया कि उसकी इस प्रकरण में कोई मानहानि नहीं हुई है। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 की व्याख्या करते हुए कहा है की प्रावधानों के अनुसार कोई पीड़ित व्यक्ति ही परिवाद दाखिल कर सकता है अन्यथा ऐसा परिवाद तभी दूसरा व्यक्ति दाखिल करेगा जब संबंधित व्यक्ति पागल हो अथवा उसकी आयु 18 वर्ष से कम हो।

डायमंड जुबली नेशनल जम्बूरी में चमके भीरा के स्काउट

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: लखनऊ में डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 23 से 29 नवंबर 2025 तक आयोजित 19वीं ग्रैंड फिनाले डायमंड जुबली नेशनल जम्बूरी में देश के सभी राज्यों के साथ एशिया के कई देशों के स्काउट्स ने प्रतिभाग कर युवा शक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। इस आयोजन में भीरा के छाजूराम केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज के स्काउट गाइडों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

भीरा के छाजू राम केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज भीरा के स्काउट मास्टर संजय सिंह अपने दल के साथ जम्बूरी में शामिल हुए। कॉलेज के स्काउट हिमांशु सिंह, देवांश सिंह, मोहम्मद अनस और शौर्य देवल ने विभिन्न एडवेंचर गतिविधियों में भाग लेकर जिले का नाम रोशन किया। कार्यक्रम स्थल पर बने एपीजे अब्दुल कलाम प्रदर्शनी क्षेत्र में सभी राज्यों ने अपनी कला, संस्कृति और विशेषताओं की झांकी प्रस्तुत की। भारतीय सेना और प्रोग्रेसिव यूपी स्मार्ट पुलिस की आधुनिक तकनीक आधारित प्रदर्शनी भी रही। पूरे सप्ताह छात्र कैंप में रहकर गतिविधियों, प्रशिक्षण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय दलों से संवाद के जरिए नया सीखते रहे। लौटने पर विद्यालय प्रबंधन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विद्यालय प्रबंधक अमित तिवारी, अध्यक्ष अभिनीत अग्रवाल और प्रधानाचार्य मुकुट बिहारी मिश्रा ने छात्रों और स्काउट मास्टर की प्रशंसा की। कहा कि यह अनुभव विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और अनुशासन निर्माण में अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

ग्रैंड फिनाले डायमंड जुबली नेशनल जम्बूरी से लौटे छात्रों के साथ विद्यालय प्रबंधतंत्र।

- **लखनऊ में डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर 7 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित**

खनन टीम पर हमले का पहला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, सिंगाही

- **नामजद कई आरोपी हाईकोर्ट का खटखटा रहे दरवाजा**
- **ताबड़तोड़ छापेमारी से खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप**

अमृत विचार: अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई करने गई खनन टीम पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने धरपकड़ तेज कर दी है। सोमवार को पुलिस ने पहली गिरफ्तारी कर ली। वहीं, कई नामजद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट के दरवाजे खटखटा रहे हैं।

थाना क्षेत्र के मोतीपुर स्थित जौराहा नदी पर लंबे समय से अवैध बालू खनन का खेल चल रहा था। शिकायतों के बावजूद न पुलिस और न ही राजस्व विभाग ने कार्रवाई की। 18 नवंबर की रात करीब 11 बजे खनन निरीक्षक आशीष सिंह ने मोतीपुर के भौका घाट पर छापा मारा था। यहां से बालू लदी दो ट्रैक्टर-ट्रालियां और दो खाली ट्रैक्टर-ट्रालियां पकड़ी गईं। इसी दौरान मौके पर पहुंचे खनन से जुड़े युवकों ने टीम पर हमला कर दिया था।

तमंचे के दम पर गनर की राइफल छीनने की कोशिश की और ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास भी किया गया।

घटना के बाद आरोपी दो ट्रैक्टर-ट्रालियां लेकर फरार हो गए थे।खनन निरीक्षक की तहरीर पर 19 नवंबर को मोतीपुर निवासी मुन्ना खान, कल्लूपुरवा निवासी हीरालाल, तकियापुरवा निवासी रविंद्र भार्गव, बंजरिया फार्म निवासी फतेह सिंह सहित पांच अज्ञात लोगों पर जानलेवा हमले की गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। उम्मीद थी कि पुलिस तत्काल सख्त कार्रवाई करेगी, लेकिन पहले एसओ की सुस्ती से आरोपी कोर्ट तक पहुंच गए। गिरफ्तारी में देरी को लेकर एसपी संकल्प शर्मा ने नाराजगी जताई और तत्कालीन एसओ अजीत कुमार को हटाकर चंदन चौकी भेज दिया था। उनकी जगह इंस्पेक्टर मनीष सिंह को सिंगाही थाने की जिम्मेदारी दी गई। नवागत इंस्पेक्टर ने मामले में कार्रवाई तेज कर दी है। लगातार ताबड़तोड़ दबिशों के बाद पुलिस ने सोमवार को ग्राम पंचायत मोतीपुर के गांव भौका निवासी रजनीश पुत्र नत्थाराम को गिरफ्तार किया है।

अमृत विचार में छपी खबर की पीडीएफ।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि कई आरोपी हाईकोर्ट में स्टे लेने पहुंचे हैं और सोमवार (1 दिसंबर) को मामले की सुनवाई थी। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और सरकारी टीम पर हमला किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपी का चालान कर दिया गया है।

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष ने गोशाला का किया निरीक्षण, गोवंश को फल खिलाए

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता मोहम्मदी ब्लॉक के स्मार्ट गांव दीनदयालपुरम पहुंचे, जहां उन्होंने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण व ग्रामीण विकास को जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया। इसके बाद पाल अभय कचनार स्थित स्वयंसेवी गोशाला माताजी गो धाम पहुंचे और गो पूजन किया, गोवंश को फल खिलाए।

उन्होंने गो धाम के संचालक अजय रस्तोगी के कार्यों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि भटकते हुए किसी भी गौवंश को तत्काल सुरक्षित आश्रय स्थल पर पहुंचाया जाए। उन्होंने किसानों से बातचीत में कहा कि रासायनिक खेती के दुष्परिणाम तेजी से बढ़ रहे हैं और मिट्टी का सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो रहा है, जिससे रोगों में वृद्धि हो रही है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को समाधान बताते हुए हा कि जहां गाय है, वहां समृद्धि है। समृद्धि का अर्थ केवल पैसा नहीं, बल्कि शुद्ध भोजन, शुद्ध पेय और शुद्ध जीवन है। इस दौरान रूरल हब के संयोजक गौरव गुप्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश त्रिवेदी, आरएसएस जिला संघ चालक अमित भसीन और पशु विभाग के डॉ. रजनीश कुमार मौजूद रहे।

मोहम्मदी में कार्यकर्ताओं के साथ गो सेवा आयोग अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता।

- **मोहम्मदी ब्लॉक के स्मार्ट गांव दीनदयालपुरम में किया पौधरोपण**

संदिग्ध हालात में मिला छह दिन से लापता अधेड़ का शव

संवाददाता, खमरिया

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई। जब छह दिन से लापता चल रहे एक अधेड़ का शव सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में जसवंत नगर मोड़ के पास गन्ने के खेत में पड़ा था। परिजनों का दावा है कि शव पर चोटों के निशान थे।

थाना खमरिया क्षेत्र के गांव दलईपुरवा निवासी 50 वर्षीय मुन्ना लाल बुधवार की शाम घर से कहीं चले गए थे। गुरुवार की शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। रिश्तेदारियों और आसपास के गांवों में भी काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। मृतक के बेटे रानू ने बताया कि शुक्रवार को उन्होंने थाने में गुमशुदगी की तहरीर पुलिस को दी थी, लेकिन पुलिस ने तहरीर तो ले ली, लेकिन उसके पिता को तलाश करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई।

सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने जसवंत नगर-मोहम्मदापुर रोड पर खेत में शव पड़े होने की सूचना दी। परिजनों का कहना है कि जब परिवार के लोग पहुंचे तो देखा कि शव गन्ने की पत्तियों से ढका हुआ था और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। उनका दावा है कि जिस जगह शव बरामद हुआ है। उस जगह पहले तलाशा जा चुका था। इसलिए शक है कि हत्या कहीं और कर शव रात में यहां फेंका गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

जेल भिजवाने की धमकी देकर मायके गई पत्नी

संवाददाता, मझगईं

- **80 हजार कैश व जेवर ले जाने का पति ने लगाया आरोप**

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष पर मारपीट व धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि पत्नी जेल भिजवाने की धमकी देकर चली गई। वह अपने साथ घर में रखे 80 हजार रुपये और जेवर ले गई है। पीड़ित पति ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

गांव नयापुरवा निवासी राजेश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी मनीषा देवी के नाम दो बीघा जमीन खरीदी थी। शादी के बाद से उसके ससुर जगतराम, सास छोटकन्नी देवी व साले भागीरथ, अक्षय कुमार और शिवा कुमार उसे भड़काते हैं और उसकी मजदूरी से कमाए रुपये छीन लेते हैं। राजेश का आरोप है कि उसकी पत्नी मनीषा उससे अक्सर झगड़ा करती है और किसी श्यामू निवासी महादेव थाना फूलबेहड़ से लगातार फोन पर बात करती है। वह विरोध करता है तो उसे झूठे केस में जेल भेजने की धमकी देती है। 28 फरवरी 2025 को मनीषा ने जहर खा लिया था, जिसका इलाज कराने में 25 हजार रुपये खर्च हुए थे। इसके बावजूद उसके व्यवहार में बदलाव नहीं आया। 28 नवंबर की शाम वह गन्ना छीलने के बाद घर आया और अपने बड़े भाई को दो बोझा अगौला दिया। इसी बात पर पत्नी नाराज होकर गाली-गलौज करने लगी और अपने पिता को फोन कर बुला लिया। इसके बाद मनीषा घर में रखे 80 हजार रुपये और जेवर लेकर पिता के साथ मायके चली गई। 5 साल और 3 साल के दो बच्चों को घर पर ही छोड़ गई। धमकी दी कि वह उसे जेल भिजवा देगी।

जब वह 30 नवंबर को पत्नी को लेने ससुराल गया तो वहां मौजूद लोगों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की कोशिश की और जान से मारने की धमकी देकर घर से धक्का देकर भगा दिया। पीड़ित ने पुलिस का तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

ट्रेन की चपेट में आकर महिला की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सद्भावना एक्सप्रेस रविवार की रात 9 बजकर 15 मिनट पर लखनऊ से शाहजहांपुर आ रही थी। पुलिस चौकी अशफाकनगर के पीछे रेलवे पुल के नीचे से एक महिला रेलवे लाइन पर करके तेल टंकी मोड़ की ओर जा रही थी। ट्रेन की चपेट में आकर महिला नीचे गिर गई और सिर में चोट लगने पर घायल हो गई। लोको पायलट ने ट्रेन को रोकर कंट्रोल और स्टेशन मास्टर को सूचना दी। स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को मेमो दिया। जीआरपी व आरपीएफ मौके पर पहुंची और घायल महिला को रेलवे ट्रैक से हटाया। जीआरपी घायल महिला को लेकर थाना आई। रेलवे अस्पताल की टीम ने महिला को देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। महिला की उम्र करीब 32 साल है और नीले रंग का सलवार व कुर्ता और काले रंग का बुर्खा पहने है। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि महिला के शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

नगर में जाम को लेकर विधायक ने अधिकारियों के साथ की बैठक

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर के सभी प्रमुख चौराहों, तिराहे पर आए दिन लग रही जाम को लेकर विधायक ने अधिकारियों संग बैठक कर मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों का दबाव कम करने और यातायात को सुगम बनाने का प्लान बनाया और बांकेगंज खुटार रोड से आने वाले भारी वाहनों के लिए तहसील के पीछे से रूट डायवर्ट किए जाने का निर्णय लिया।

चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू होते ही नगर में जाम की स्थिति बढ़ गई है। नगर के अंबेडकर तिराहा, शिवम चौराहे, अशोक चौराहे, विकास चौराहे सहित अन्य सभी प्रमुख जगहों पर जाम की स्थिति बन रही है। जाम खुलवाने में पुलिस और चीनी मिल के कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। बढ़ती समस्या को देखते हुए विधायक अमन गिरि ने शिवम कांप्लेक्स में सीओ रमेश कुमार तिवारी, तहसीलदार भीमचंद, चीनी मिल के जीएम अजीत तिवारी, गन्ना महाप्रबंधक पीएस चतुर्वेदी, कोतवाल अंबर सिंह, सिक्योरिटी हेड रामसिंह बघेल के साथ बैठक कर नगर में लग रही जाम के चलते राहगीरों, वाहन चालकों, व्यापारियों, स्कूली बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई। विधायक ने कहा कि नगर में जब तक रिंग रोड नहीं बन जाती तब तक कुछ परेशानियां हैं। उन्होंने अधिकारियों से इस समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

चीनी मिल प्रबंधन और प्रशासन ने विधायक को नगर में लग रही जाम से मुक्ति दिलाने का आश्वासन दिया। निर्णय लिया गया कि अब बांकेगंज और खुटार रोड से आने वाले गन्ना लदे ट्रक, ट्राला और भारी वाहन तहसील के पीछे से डायवर्ट किए जाएंगे, जिससे नगर के सभी प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव कम हो जाएगा और यातायात सुगम हो जाएगा। नगर की अलीगंज रोड और भूतनाथ रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन निकलने के समय फाटक बंद होने पर लंबी लाइन लगती है, जिसमें फंसकर राहगीर, स्कूली बच्चे,वाहन चालक आए दिन परेशान होते हैं। लखीमपुर रोड पर नानक पुलिस चौकी के निकट लगने वाली साप्ताहिक बाजार के चलते भी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती, बिगड़ती रहती है।

बैठक में अधिकारियों के साथ जाम से निजात पर चर्चा करते विधायक अमन गिरि।

मौत बनकर फर्राटा भर रहे गन्ने के ओवरहाइट ट्रक

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में ओवर हाइट, ओवरलोड गन्ना भरे वाहन बेखौफ मौत बनकर फर्राटा भर रहे हैं। भूतनाथ रेलवे क्रासिंग पर हाइटगेज लगा होने से ओवरहाइट गन्ना भरे ट्रक का गन्ना गिर गया, जिससे कुछ देर के लिये यातायात प्रभावित हुआ।

दो दिन पूर्व खुटार रोड विकास चौराहे पर ओवर हाइट, ओवरलोड गन्ना के ट्रक से फांदी गिरने से किशोरी घायल हो गई थी। समस्या पर संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारियों ने लगाम लगाने का प्रयास नहीं किया, जिससे सोमवार दोपहर भूतनाथ रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरहाइट और ओवरलोड ट्रक का गन्ना सड़क पर गिर गया। लोगों उसे उठाकर किनारे रखा तब आधा घंटे बाद यातायात सुचारू हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजाना इस तरह से ओवरहाइट वाहन निकलते हैं, लेकिन प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। बजाज शुगर फैक्ट्री में गन्ना ले जाने वाले इन वाहनों के कारण नगर में जाम की स्थिति बनी रहती है।

कुकरा। गन्ना भरे ओवर हाइट और ओवलोड वाहनों पर लगाम लगाने के दावों के बावजूद गोला बांकेगंज, पहाड़पुर, जटपुरा, संसारपुर, हैदराबाद, ममरी, बिलहरी आदि क्षेत्र में गन्ना भरे ओवरहाइट ट्रक धड़ल्ले से ग्रामीण क्षेत्रों से गुजर रहे हैं। जाम से जूझ रही जनता की परेशानी के संबंध में बजाज शुगर फैक्ट्री के अधिकारियों से बात करने का प्रयास किया, लेकिन सभी के मोबाइल स्विच ऑफ मिले। ओवरहाईट और ओवरलोड वाहनों के संबंध में एआरटीओ शांति भूषण पांडे ने बताया कि उन्होंने पलिया और निघासन क्षेत्र में कार्रवाई की है।

गोला की भूतनाथ रेलवे क्रॉसिंग पर निकलता ओवरहाइट ट्रक। ● अमृत विचार

- **भूतनाथ क्रॉसिंग पर ओवरहाइट ट्रक से गिरा गन्ना**

आवश्यकता है

दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की

संपर्क करें

कंपटीशन बुक हाउस कॉलेज बुक हाउस

5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

सूचना

मैंने अपने पुत्र अजर रजा खान एवं उसकी पत्नी कमरूनिशा को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **फरजाना पत्नी स्व. तफज्जाल निवासी ग्राम उड़ला जागीर, पो. पी.ए.सी., थाना बिथरी चैनपुर जिला बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार,2 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

पुवायां, अमृत विचार : पुलिस ने सोमवार रात गश्त के दौरान जेवा बाइपास हाईवे के पास से एक युवक को तमंचा -कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सौरभ मिश्रा निवासी मोहल्ला हरदयाल कूचा, कस्बा व थाना पुवायां के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि रात 1 बजे युवक को संदिग्ध हालत में रोककर चेक किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सड़क निर्माण का कार्य लगभग 60 प्रतिशत पूरा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत शहीद अहमद उल्ला शाह पार्क से तेल टंकी होते हुये लिबास टेलर्स तिराहे तक बन रही सड़क जिसकी लम्बाई 410 मीटर का कार्य लगभग 60 प्रतिशत, दाहिनी ओर फूटपाथ का कार्य, बाई ओर फुटपाथ कार्य, स्ट्राम वाटर, पावर डक्ट केबिल का कार्य पूर्ण हो चुका है। सीवर एवं पेयजल का कार्य जल निगम द्वारा कराया जा रहा है। नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र ने आज निरीक्षण के दौरान शेष बचे कार्य को संबंधित को जल्द कराने के निर्देश दिए।

ट्रेडिंग में मुनाफे का लालच देकर ठगी

बरेली, अमृत विचार : ट्रेडिंग में मुनाफे का लालच देकर बिहारीपुर निवासी युवक से 21 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। युवक ने कई माह तक दो बैंक खातों से साइबर ठग के खाते में रुपये डाले। जब उसे ठगी का अहसास हो गया तो आरोपी ने कॉल उठाना बंद कर दी। युवक की तहरीर पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुर कसगरान निवासी राजीव अग्रवाल ने बताया कि 18 जुलाई को उन्हें व्हाट्सएप पर एक मेसेज आया, ट्रेडिंग से संबंधी जानकारी देकर अधिक मुनाफे का लालच दिया। उसके बाद मेसेज करने वाले ने एक लिंक प्रोवाइड कराया और कई खातों में रुपये ट्रांसफर कराए गए। ऐसे में युवक के एक खाते से लाखों रुपये डलवाकर ठगी की।

पिता की मौत के बाद बहन मांगने लगी जमीन में हिस्सा तो भाई ने मार डाला

हत्या करने के बाद पत्नी और बच्चों को लेकर फरार हो गया हत्यारोपी भाई

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- मृतका मुरादाबाद के निजी अस्पताल में नर्स थी और एक युवक के साथ लिव-इन में रहती थी
- पिता की मौत के बाद गांव में आकर रहने लगी, जमीन को लेकर भाई से होता था विवाद

अमृत विचार: पिता के निधन के बाद जमीन में हिस्सा मांग रही बहन की भाई ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी भाई पत्नी व बच्चों के साथ फरार हो गया। पुलिस ने जांच पड़ताल की। एसपी ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। फारेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

मृतका संयोगता।

यह घटना थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के गांव नन्हेड़ा अल्यारपुर की है। यहां पर भगवान दास का परिवार रहता है। 16 अक्टूबर को भगवान दास का निधन हो गया था। वह सिंचाई विभाग में चपरासी रहे थे। उनकी गांव में जमीन है। परिवार में पत्नी हुकुम देवी के अलावा बेटा श्योराज, तीन बेटी शकुंतला, ममता और संयोगता हैं। शकुंतला और ममता की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी संयोगता मुरादाबाद के निजी अस्पताल में नर्स थी और वहीं पर एक युवक के साथ लिव-इन में रहती थी। पिता के निधन के बाद से वह गांव में आकर रहने लगी थी। वह अपने पिता की जमीन में बराबर का हिस्सा मांगती थी। अक्सर इसी बात को लेकर संयोगता और उसके भाई श्योराज के बीच विवाद रहता था।

सोमवार की सुबह संयोगता, श्योराज और माता हुकुम देवी घर पर थे। इस बीच संयोगता और श्योराज के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया। हुकुम देवी नहाने के लिए बाथरूम गईं तभी गुस्साये श्योराज ने चारपाई पर बैठी संयोगता के सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया। संयोगता की मौके पर ही मौत हो गई। हुकुम देवी ने बेटी को लहूलुहान पड़ा देखा तो उनकी चीख निकल गई। हत्या कर भाई श्योराज पत्नी व बच्चों के साथ भाग गया। मां की चीखें सुनकर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही देहात थानाध्यक्ष सनोज प्रताप सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और जांच-पड़ताल की। कुछ ही देर में सीओ सिटी अभिषेक यादव व डिडौली और नौगांवा सादात थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसपी अमित कुमार आनंद ने भी घटनास्थल का मुआयना कर पूछताछ की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए।

> भाई- बहन के बीच जमीन का विवाद था जिसके चलते भाई ने बहन की हत्या कर दी। मृतका की मां हुकुम देवी की तहरीर पर श्योराज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें में लगाई गई हैं। जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा।
> -अमित कुमार आनंद, एसपी अमरोहा

लोग यहां ईमान बेच देते हैं औने-पौने में...

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : प्रवाह साहित्य संस्थान की काव्य गोष्ठी का आयोजन कवि डॉ प्रशांत अग्निहोत्री के संयोजन में उनके मस्जिद गंज स्थित निवास पर किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि चंद्रशेखर दीक्षित ''चन्द्र'' ने कविता सुनाई- निगाहों का दरिया तभी खौलता है। जब अतिवाद होकर, मुखर बोलता है। कवि सुशील दीक्षित विचित्र ने नवगीत पढ़ा - सुनने वाले चले गए थे और सुनाने वाले भी, लेकिन इतना दर्द दबाए, बैठा रहा अकेला मैं। नवगीतकार डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने नवगीत सुनाये- मेरे मन में कोई गाता रहता है। भावों का एक गहरा दरिया बहता है। वरिष्ठ कवि कुलदीप दीपक ने ओज की कविता सुनाई- जाग गया राष्ट्र मेरा, चेते नौजवान यहां, अशफाक उल्ला खान की रूह को जगाएंगे। कवि डॉ राजीव सिंह ने गीत सुनाया- छत बेंची बेटी की खातिर तो इतना

प्रवाह साहित्य संस्थान की काव्य गोष्ठी में कविता सुनाते कवि सुशील विचित्र।

- प्रवाह साहित्य संस्थान ने किया काव्य गोष्ठी का आयोजन

हंगामा क्यों? लोग यहां ईमान बेच देते हैं औने-पौने में। कवि चंद्र मोहन पाठक ने मां शीर्षक से कविता सुनाकर प्रशंसा बटोरी - यदि पूरा विश्व घूम लो प्यारे, जन असंख्य मिलेंगे न्यारे न्यारे। लेकिन मां के जैसा एक नहीं, जी हां उसके जैसा नेक नहीं। कवि पीयूष शर्मा ने ओज की कविता कलयुग की गति से भी बढ़कर मैली हुई धारा सारी सुनाकर वाहवाही लूटी।

शुभ त्रिवेदी और पूर्वी अग्निहोत्री ने भी काव्य पाठ किया

इससे पहले कवियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन के साथ गोष्ठी का प्रारंभ किया। काव्य गोष्ठी में वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र गुप्ता, सचिव त्रिवेदी, अग्निज उपमन्यु, वैष्णवी अग्निहोत्री आदि उपस्थिति रहे। संचालन सुशील विचित्र ने तथा आभार संयोजक डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने व्यक्त किया।

थक गए मुफ्त के राशन पे गुजारा करके

संवाददाता, तिलहर

- मुरादाबाद से आए शायर राशिद राहत के सम्मान में महफिल ए मुशायरा

अमृत विचार : बीती रात सुखन तराश फाउंडेशन की ओर से ग्लोब पब्लिक स्कूल चौहटिया बाजार में कुंदरकी मुरादाबाद से आये मेहमान शायर राशिद राहत के सम्मान में महफिल ए मुशायरे का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता असगर यासिर शाहजहाँपुरी ने की। मुशायरे का आगाज मसूद हसन ख़ां ने नात ए पाक से किया। असगर यासिर ने सुनाया - खुलूस यारों में कितना है आजमाऊंगा, मैं घर की राह में कुछ कैक्टस लगाऊंगा। हमीद ख़िज़र गुनगुनाया - बलाएं जान गई हैं पता मेरे घर का, ये बोझ आके उतारो कभी मेरे सर का। अतिथि शायर राशिद राहत ने कुछ यूं सुनाया - अब तो ख्वाहिश है हमारी कि कोई काम मिले, थक गए मुफ्त के राशन पे गुजारा करके। गुलिस्तां खान ने कहा - हवा ने मोड़ दी कश्ती ये किस इशारे पर, पहुंचने वाले थे हम लोग बस किनारे पर। शमशाद आतिफ ने कहा - तू जितना जुल्म चाहे करे तेरे बस में हूं, है वक्त आज तेरा तो मेरा भी आयेगा। उवैस खां शिफा तिलहरी ने सुनाया - हालांकि उससे कोई भी रिश्ता नहीं रहा, लेकिन वो मेरे ज़हन में जिंदा है आज भी। साजिद सफ़दर ने कहा - तेरा किरदार क्या ऊंचा तेरा मेयार हो जाए, अगर तू ख़ाकसारी के लिए तैयार हो जाए। इनके अलावा रेहान ताबिश, अकरम सिफत, हसन तिलहरी, शरीफ आलम कटरावी, फरीद तिलहरी, फ़ैजान तिलहरी ने भी गजलें सुनाकर तारीफ बंटोरी। संचालन मास्टर शाहिद अली ने किया। इस दौरान मेहमान शायर को शमशाद आतिफ ने उन्हें अपना गजल संग्रह भी भेंट किया। इस अवसर पर रईस मन, फैसल, अजीम, फरीद, रफीक, तौफीक आदि मौजूद रहे।

स्वामी दयानंद की शिक्षाओं पर चलने का किया आह्वान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: आर्य समाज एवं आर्य स्त्री समाज कटिया टोला का तीन दिवसीय 129वां वार्षिकोत्सव यज्ञशाला परिसर में वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न हुआ। गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार से आए सोहित शर्मा और जतिन सनातनी के नेतृत्व में तृतीय दिवस का वैदिक यज्ञ आरंभ हुआ। मुख्य यजमान के रूप में राजीव शुक्ला, राम औतार त्रिपाठी, आशीष दीक्षित और देवेंद्र मिड्ढा दंपत्ति शामिल हुए।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि आर्य समाज ने सदैव समाज में फैली कुरीतियों के विरुद्ध कार्य किया है। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा स्त्री शिक्षा का बोया गया बीज आज वट–वृक्ष के रूप में खड़ा है और आर्य महिला इंटर कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज की छात्राएं शिक्षा, राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक गतिविधियों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रतिभाशाली छात्राओं को संगीत एवं रंगोली प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया। गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार के स्वामी मोक्षानंद सरस्वती ने गायत्री मंत्र के पाठ से अपने संबोधन का शुभारंभ किया। उन्होंने जीवन के सिद्धांतों और नियमों पर प्रकाश डालते हुए मन की शुद्धता और ईश्वर के निराकार स्वरूप को समझने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जैसे दूध के प्रत्येक कण में माखन विद्यमान है, उसी प्रकार समस्त ब्रह्मांड में परमात्मा व्याप्त है और हम सभी उसी के अंश हैं।

आर्य समाज कटिया टोला के 129वें वार्षिकोत्सव में छात्रा को सम्मानित करते वित्तमंत्री।

आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के प्रधान देवेंद्र पाल वर्मा ने कहा कि आर्य समाज एवं आर्य स्त्री समाज द्वारा आयोजित अथर्ववेद परायण यज्ञ अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि आर्य महिला इंटर कॉलेज और आर्य महिला डिग्री कॉलेज का प्रबंध तंत्र छात्राओं के हित में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने छात्राओं से नशे से दूर रहने और स्वामी दयानंद की स्त्री–शिक्षा संबंधी विचारधारा को आत्मसात कर राष्ट्र–उन्नति में योगदान देने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी ब्रज क्षेत्र के महामंत्री राकेश मिश्रा अनावा ने कहा कि आर्य समाज के शिक्षण संस्थान जनपद की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में निरंतर अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक आर्य समाज सांस्कृतिक और शैक्षणिक उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। कार्यक्रम में इस वर्ष भी आर्य भूषण उपाधि अखिलेश तिवारी और उनकी पत्नी को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर प्रदान की गई। इसके साथ ही आर्य महिला इंटर कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज के प्रबंधक डॉ अमितेश अमित को वार्षिकोत्सव में सहयोग देने के लिए सम्मानित किया गया। आर्य स्त्री समाज ने दोनों शिक्षण संस्थानों के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी उनकी सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया।

- आर्य समाज कटिया टोला के 129वें वार्षिकोत्सव में वैदिक यज्ञ और प्रेरक संबोधन

वार्षिकोत्सव के संचालन की जिम्मेदारी डॉ ज्योति गुप्ता ने निभाई और आभार आर्य समाज के उप प्रधान हर प्रसाद पांडेय ने व्यक्त किया।

समारोह में संतोष कुमार दीक्षित, हर प्रसाद पांडेय, राजेश शुक्ला, सत्यप्रकाश तिवारी, गायत्री दीक्षित, कमलेश गुप्ता, डॉ अमितेश अमित, रामनरेश वाजपेयी, अरविंद मिश्रा, प्रो रुपांशु माला, पूनम रानी, प्रो दुर्गावती, डॉ सारिका अग्रवाल, डॉ रानू दुबे, डॉ आशीष गोयल, डॉ एम.पी.एस. चैहान, डॉ गुलशन रस्तोगी, डॉ अरुणकांत पांडेय, डॉ उपासना श्रीवास्तव, डॉ संजीता अग्रवाल, डॉ उमेश भारती, डॉ मृदुल शुक्ला, नम्रतालता, अर्पणा त्रिपाठी, रंजीता, नीरू त्रिपाठी, सुमन मिश्रा, भावना सक्सेना, शिखा पांडेय, कृष्णचंद्र मिश्रा, डॉ चंद्र रेखा, अनीता वाजपेयी, पल्लवी सक्सेना, नीरज, नीरूदेवी, मनीष मिश्र, राधारमण मिश्र एवं शिक्षकों–छात्राओं सहित बड़ी संख्या में आर्यजन उपस्थित रहे।

IS15700:2018

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की राजेन्द्र नगर योजना सं0-2, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-ए-1187 आवास विकास परिषद द्वारा श्री हरी मुरारी अग्रवाल को आवंटित किया गया था। श्री हरी मुरारी अग्रवाल द्वारा अपना मुख्त्यारेआम श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी श्री चरनजीत भाईखेल को नियुक्त कर दिया श्रीमती सुदेश कुमारी द्वारा मुख्त्यारेआम के आधार पर भूखण्ड का विक्रय श्री चरनजीत भाईखेल पुत्र स्व0 श्री आयाराम को कर दिया गया। श्री चरनजीत भाईखेल पुत्र स्व0 श्री आयाराम द्वारा पंजीकृत वसीयत श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में कर दी थी। अब श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल द्वारा अवगत कराया गया है कि श्री चरनजीत भाईखेल की मृत्यु दिनांक 17.6.2023 को हो चुकी है तथा उनकी मृत्यु उपरान्त वसीयत के आधार पर भूखण्ड का अन्तरण अपने पक्ष में कराने हेतु परिषद नियमानुसार निम्न प्रपत्र ऑनलाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं।

अतः एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है राजेन्द्र नगर यो0सं0.2, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-ए-1187 का अन्तरण श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में किया जाना है। भूखण्ड सं0-ए-1187 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री दीपक कुमार भाईखेल पुत्र स्व0 श्री चरनजीत भाईखेल के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से
सम्पत्ति प्रबन्धक

नई व्यवस्था से 92 हजार परीक्षार्थियों को गुजरना होगा

बरेली, अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने के लिए कई बदलाव किए जा रहे हैं। पूर्व में परीक्षा के दौरान छात्र की दूसरे छात्र के परीक्षा देने के मामले सामने आए हैं। इससे बचने के लिए छात्रों के परीक्षा फार्म को आधार से लिंक कर दिया गया है। इससे प्रवेश पत्र पर दर्ज जानकारी और केंद्र पर मौजूद परीक्षार्थी की पहचान का मिलान आसान हो जाएगा। केंद्र व्यवस्थापक और स्टेटिक मजिस्ट्रेट को भी ऐसे मामलों पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में इस वर्ष लगभग 92 हजार परीक्षार्थी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में पंजीकृत हैं, जिन्हें इस नई व्यवस्था से गुजरना होगा। परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षकों को नई व्यवस्था से परीक्षार्थियों की पहचान जांचने में तकनीकी मदद मिलेगी। प्रवेश पत्र पर मौजूद आधार आधारित फोटो और विवरण को मिलान कर संदिग्ध परीक्षार्थियों की पहचान तुरंत की जा सकेगी। डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार का कहना है कि परीक्षाएं फरवरी में प्रस्तावित हैं। परीक्षा में अब ज्यादा सतर्कता और अनुशासन लागू करने के लिए जिला प्रशासन से लेकर शिक्षा विभाग तक तैयारी में जुट गया है।

भक्तों को भागवत गीता के उपदेश बताए

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : आज गीता जयंती के उपलक्ष्य में श्री द्वारिकाधीश मठिया आश्रम बिसरात दीवान जोगराज में श्रीमद भगवत गीता पर पुष्पांजलि अर्पित कर गीता उपदेश के साथ भक्त भाव विभोर हुए। कार्यक्रम के आयोजक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने की।

कार्यक्रम में महाराज रामसरन दास ने भागवत गीता के उपदेश बताए। महाराज ने कहा कि मोक्षदा एकादशी को गीता जयंती के रूप में मनाया जाता है। जयंती उस ग्रंथ की मनाई जाती है जो संपूर्ण विश्व के ऋषि मुनियों विद्वानों चिंतकों के केंद्र में रही है। जब किसी का उत्कर्ष उद्घोषित करना होता है तब उसकी जयंती मनाई जाती है। गीता ग्रंथ ज्ञान का भंडार है। अर्जुन को भी भगवान विराट रूप में दर्शन के पूर्व दिव्य दृष्टि प्रदान करते हैं। अर्थात अर्जुन ज्ञान रूपी नेत्रों से ही भगवान के दिव्य दर्शन कर पाता है। गीता के 18 अध्याय के श्लोक 67 से 71 तक भगवान इसे अपात्रों को नहीं सुनाने के बारे में बताते हैं। गीता के ज्ञान से अर्जुन का मोह नष्ट हो जाता है उसकी एकत्व रूपी स्मृति लौट आई है। कार्यक्रम आयोजक वीरेंद्र पाल सिंह यादव ने महाराज रामसरन दास का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर यादव महासभा के अध्यक्ष रामसागर यादव, राम नरेश यादव, पार्षद विपिन यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव, लल्ला सिंह यादव, सुभाष यादव, अजय कुमार, मनोज यादव, यदुवीर यादव, विपिन यादव मुकरमपुर, रामकुमार यादव, हरिओम यादव, लल्लन सिंह यादव, राम निवास यादव, नरेंद्र यादव, संजय कुमार आदि मौजूद रहे।

गीता जयंती के उपलक्ष्य में श्री द्वारिकाधीश मठिया आश्रम बिसरात दीवान जोगराज में महाराज से आशीर्वाद लेते पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव।

फौजी बोला-मुजफ्फरपुर कैसे पहुंचे, जानकारी नहीं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मुरादाबाद में पानी बोतल लेने उतरा था, फौजी का डॉक्टरी परीक्षण कराया जाएगा

अमृत विचार: चंदौली जिले के थाना बुद्धपुर के गांव धानापुर निवासी माधव सिंह दिल्ली में आर्मी इंजीनियर कोर में तैनात है। सात नंवबर को फौजी अमृतसर-जयनगर स्पेशल ट्रेन से एसी कोच में लखनऊ के लिए चला था। वह अगले दिन लखनऊ पहुंचे तो परिवार वालों को चिंता हुई। परिवार वालों ने फौजी का मोबाइल नंबर मिलाया तो स्वीच आफ था। फौजी के बहनोई गौरव सिंह ने लखनऊ जीआरपी थाना में गुमशुदगी दर्ज करायी थी। लखनऊ जीआरपी से शाहजहांपुर गुमशुदगी स्थानातंरित होकर आ गयी। विवेचना अधिकारी अपनी जांच शुरु की। जीआरपी ने साइबर सेल से मोबाइल की लोकेशन निकाली तो तिलहर स्टेशन की निकली। उस दिन ट्रेन तिलहर रेलवे स्टेशन पर करीब 15 मिनट रुकी थी। फौजी की शादी 22 नवंबर को थी। उसकी शादी भी स्थगित हो गयी है। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि 28 नवंबर को फौजी बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर बस स्टैंड पर मिले थे। परिवार वाले फौजी को आज यहां जीआरपी थाना पर लेकर आए। थाना प्रभारी ने फौजी से पूछताछ की तो बताया मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर पानी बोतल लेने के लिए उतरे थे और बोतल लेने के बाद कोच में चढ़ गए थे। उसके बाद से उसे कुछ नहीं जानकारी है। फौजी कह रहा है कि मुजफ्फरपुर जिले के कैसे पहुंचे, उसे नहीं पता है। पुलिस फौजी का डाक्टरी परीक्षण कराएगी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच चल रही है।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 1521/30-1/नि०नि० 2025-2026/ दिनांक: 01 दिसम्बर, 2025

कोटेशन सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम अल्मोड़ा क्षेत्रान्तर्गत बन्ध्याकरण हेतु बंदरों को पकड़कर वन विभाग के रेस्क्यू सेन्टर तक पहुंचाये जाने हेतु इच्छुक फर्मों/व्यक्तियों के कोटेशन आमन्त्रित किये जाते हैं। कोटेशन की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी दिनांक 02.12.2025 से 17.12.2025 तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा के वन अनुभाग से तक प्राप्त की जा सकती है। कोटेशनदाताओं द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित कोटेशन दिनांक 18.12.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निर्धारित तिथि व समय के उपरान्त प्राप्त होने वाले कोटेशनों पर विचार नही किया जायेगा। प्राप्त कोटेशन तद्दिनांक को अपराह्न 2:00 बजे उपस्थित कोटेशनदाताओं व नगर आयुक्त नगर निगम अल्मोड़ा तथा मा० महापौर नगर निगम अल्मोड़ा द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों के समक्ष के सम्मुख खोले जायेंगे। कोटेशन स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को निहित होगा।

नगर आयुक्त — महापौर
नगर निगम, अल्मोड़ा — नगर निगम, अल्मोड़ा

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)
National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)
इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार | Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Govt. of India
NIELIT Extn. Centre, Pilibhit, Uttar Pradesh-262001 | विस्तार केंद्र, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश-262001, Phone/दूरभाष- 05882-299295

सीनियर रिसोर्स पर्सन (एस एण्ड टी) (सीएस/आईटी), सीनियर रिसोर्स पर्सन (एस एण्ड टी) (इलेक्ट्रॉनिक्स), फ्रन्ट ऑफिस काउन्सलर (एफ ओ सी) एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर के पदों हेतु वॉक–इन–इंटरव्यू पूर्णत: अनुबंध आधार पर

पात्र उम्मीदवार उपर्युक्त पदों के लिए 05 दिसम्बर 2025 (शुक्रवार) को प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे (रिपोर्टिंग समय) तक, एनआईईएलआईटी एक्सटेंशन सेंटर पीलीभीत, ड्रमंड गवर्नमेंट इंटर कॉलेज कैम्पस, निकट गौहनिया चौराहा, पीलीभीत–262001 (उ.प्र.) पर वॉक–इन–इंटरव्यू के लिए उपस्थित हो सकते हैं। पद पूर्णत: संविदा के आधार पर हैं जोकि प्रारम्भ में 01 (एक) वर्ष की अवधि के लिए तथा आगे का अवधि विस्तार सक्षम प्राधिकारी की आवश्यकता, प्रदर्शन एवं विवेकानुसार है। पद का नाम, पदों की संख्या, पात्रता, आयु सीमा तथा मासिक परिलब्धियाँ आदि के विवरण हेतु https://www.nielit.gov.in/gorakhpur/recruitments अथवा https://www.nielit.gov.in/lucknow/recruitments देखें। उम्मीदवारों को 05 दिसम्बर 2025 (शुक्रवार) को वॉक–इन–इंटरव्यू के लिए उपस्थित होने से पहले पात्रता मानदंड एवं नियम और शर्तों की सावधानीपूर्वक समीक्षा कर लेनी चाहिए।

विज्ञापन सं- NHQ-12/23/2024-NIELIT (3149791) — निदेशक

कल्कि महोत्सव | **कल्कि महोत्सव में प्रवचन करने पहुंचे जगदगुरु ने आर्थिक आधार पर आरक्षण का किया समर्थन**

जगदगुरु रामभद्राचार्य बोले– भारत जल्द बनेगा हिंदू राष्ट्र

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल के ऐंचोड़ा कंबोह में आयोजित कल्कि महोत्सव में श्री कल्कि कथा वाचन के लिए पहुंचे जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि बहुत जल्द भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, इसके लिए संसद में 370 रामभक्तों की आवश्यकता है। उन्होंने जातीय आधार पर दिए जा रहे आरक्षण को समाप्त कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने का समर्थन किया।

कल्कि धाम में पत्रकारों से बातचीत में जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने राममंदिर के ध्वजारोहण के मुहूर्त को पूर्णत: सही बताया और नरेंद्र मोदी के दोबारा सत्ता में आने की भविष्यवाणी की। धर्माचार्यों को संस्कृत का ज्ञान अनिवार्य बताया। संभल के भविष्य को लेकर दावा किया कि संभल में भगवान कल्कि का अवतार होना है। संभल का महत्व आने वाले समय में अयोध्या, मथुरा और चित्रकूट जैसा होगा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के मस्जिदों में मंदिर खोजे जाने के बयान पर उन्होंने कहा कि धर्माचार्यों की बातों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हमारे एक करोड़ मंदिर तोड़े गए और जब तक वे वापस नहीं मिल जाते, हम विश्राम नहीं करेंगे।

सनातन धर्म को एकजुट करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बहुत जल्द सनातन समाज एकजुट होगा। आज देश सही राह पर आगे बढ़ रहा है। भारत देश हिंदू राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि इसके लिए समाज को सहयोग देना होगा। पश्चिमी यूपी में जनसांख्यिकीय बदलाव और हिंदुओं के पलायन के सवाल पर रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि हालात सभी के सामने हैं। संभल में हम कितने प्रतिशत हैं, यह आप स्वयं जानते हैं।

आरती करते कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह, डीएम राजेंद्र पैंसिया व अन्य।

- स्वामी रामभद्राचार्य ने मोदी के फिर प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी की
- पश्चिमी यूपी में जनसांख्यिकीय बदलाव पर भी गंभीर चिंता जताई

वाइफ वाली संस्कृति में महिलाओं का अपमान,हमारी संस्कृति में सम्मान

रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि मैं जगतगुरु भी ही हूं एक धर्माचार्य हूं। मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो ऋग्वेद से लेकर हनुमान चालीसा पर यंत्र सम्पूर्ण वांग्मय पर आधिकारिक वक्तव्य देने में समर्थ है। वाइफ कहकर मैंने निंदा नहीं की थी केवल यह बताया था कि विदेशी संस्कृति में महिलाओं की निंदा है और हमारी संस्कृति महिलाओं का सम्मान है। विदेशी संस्कृति में कहीं बेबी है, कहीं बीवी है केवल भारतीय संस्कृति में महिला न बेबी है न बीबी है वह केवल देवी है तो मैं क्या अनुचित किया था। केवल मेरी प्रतिभा को धूमिल करने के लिए कतिपय भारत में अभी भी जयचंद के अंश अवतार मेरी निंदा करते हैं उन्हें करने दीजिए।

कुमार के समोसे : 2 पैसे से लेकर 10 रुपये तक का सफर

सिनेमा प्रेमियों को शायद अब भी याद होगा... एक समय था जब शहर के तमाम सिनेमा हालों में इंटरवल के समय आवाज लगा करती थी-कुमार के समोसे, ले लो भाई कुमार के समोसे....आज वक्त बदल गया, सिनेमा हाल खामोश हैं, एक-एक कर लगभग सभी हाल बंद हो चुके हैं और वहां नए-नए व्यवसाय खुल गए हैं या खुलने की तैयारी में हैं। लेकिन कुमार के समोसे आज भी मौजूद हैं और जो इसके मुरीद हैं वह आज भी कुतुबखाना आते हैं तो समोसे खाए बिना नहीं रहते।

इन समोसों की यात्रा भी कम रोचक नहीं है। जगह वही, भट्टी वही और मसाले वही, लेकिन समोसों की यात्रा अभी भी अनवरत जारी है। इसके प्रेमी आज भी हैं। आज इस दुकान को तीसरी पीढ़ी के दीपक गुप्ता संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज से लगभग 70 साल पहले नंदूलाल गुप्ता ने तख्त और एक छोटी सी भट्टी के साथ दुकान खोली थी। 2 पैसे में एक समोसे के साथ यह लोगों की पसंद बना और आज 10 रुपये में एक समोसा हाथों-हाथ बिक रहा है। इस समोसे की खासियत यह है कि इसमें तीन तरह के मसाले इस्तेमाल होते हैं जिन्हें घर पर ही तैयार किया जाता है। आम नमक की जगह काले नमक का इस्तेमाल होता है जो इसे नया लुक देता है। इन मसालों का राज दीपक गुप्ता ने नहीं बताया लेकिन मसालों की शुद्धता की गारंटी जरूर दी।

सुबह करीब 11.30 से रात 8.30 तक आप यहां आकर समोसों का आनंद ले सकते हैं। दुकान आज भी कुमार सिनेमा परिसर में ही है और नंदूलाल गुप्ता के सपनों को उनकी यह पीढ़ी बखूबी संभाल रही है। यहां यह बताना जरूरी है कि एक समय दुकान पर इतनी भीड़ रहती थी कि लोगों को समोसों के लिए लाइन लगानी पड़ती थी। तंग गलियों में मौजूद जगत सिनेमा और हिंद सिनेमा तक कुमार के समोसे बेचे जाते थे। लोग इंटरवल के समय कुमार के समोसों का इंतजार करते थे। बड़ी सी भट्टी पर बढ़ी सी कढ़ाई चढ़ी रहती थी और समोसे लगातार सिकते रहते थे। भट्टी आज भी वही है और समोसे आज भी लगातार सिकते रहते हैं। समय का चक्र बदला लेकिन आज भी लोग कुमार के समोसों के मुरीद हैं और थैलियां भर-भर कर घर भी ले जाते हैं। अगर आप भी इन समोसों का आनंद लेना चाहते हैं तो आपको भी कोतवाली के पास कुमार सिनेमा तक आना होगा।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अजंता स्वीट्स:1986 से अब तक एक ही स्वाद

बरेली शहर अपने पारंपरिक व्यंजनों की समृद्ध विरासत को संजोए हुए है, साथ ही आधुनिक खान-पान के तौर-तरीकों को भी खुले हाथों अपना रहा है। बरेली की गलियों में आज भी वही पुरानी खुशबू मिलती हैं, जो पीढ़ियों से लोगों को अपनी ओर खींचती रही हैं। बड़ा बाज़ार और श्यामगंज की गलियों में मिलने वाली चटपटी चाट, आलू टिक्की और पानी-पूरी का मज़ा लेने के लिए शाम होते ही भीड़ उमड़ पड़ती है। परंपरा की बात आती है तो यहाँ के कबाब सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि मुगलई और अवधी व्यंजनों की सदियों पुरानी विरासत का हिस्सा हैं। बरेली के पारंपरिक कबाब अपनी अनूठी खुशबू, मसालों के संतुलन के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ साथ युवा वर्ग की पसंद ने अपनी अलग पहचान बनायी है। युवाओं को लुभाने के लिए बरेली में कई नए और ट्रेंडी रेस्तरां और कैफे खुल गए हैं। डोमिनोज, पिज्जा हट और केएफसी जैसे बड़े फास्ट-फूड चेन ने शहर में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। पाम बिस्ट्रो, क्वालिटी रेस्टोरेंट, पिंड बलूची, कासा डिवाइन, कार्विंग 24X 7 जैसे नए रेस्टोरेंट युवा वर्ग की पसंद बन रहे हैं।

अजंता स्वीट्स, बस नाम ही काफी है। 1986 में राम अवतार आहूजा ने एक बड़ा सपना लेकर शहामतगंज के कालीबाड़ी रोड पर पुलिस चौकी के सामने छोटी सी दुकान खोली थी। उस वक्त उन्हें भी इसका अंदाजा नहीं रहा होगा कि आगे चलकर इसकी जड़ें इतनी गहरी हो जायेंगी कि मिठाइयों की दुनिया में इसकी ख्याति चारों ओर फैल जायेगी। आज यह शहर ही नहीं बल्कि देशभर में एक जाना पहचाना नाम है। शुरु में यह बेकिंग उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। आज यह दुकान अपनी स्वादिष्ट मिठाइयों और बेकरी उत्पादों के लिए जानी जाती है। राम अवतार आहूजा के बेटे अमित आहूजा से आज विकास भवन के सामने रामपुर गार्डन में उनकी आलीशान दुकान में मुलाकात हुई। उन्होंने बताया कि छोटे स्तर से काम शुरु करते वक्त उनके पिता को कई साल तक संघर्ष करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आज इसी का फल है जो अजंता स्वीट्स लोगों में अपनी पहचान बना चुका है। उनका कहना है कि अगर लक्ष्य साफ हो और उसमें मजबूत इच्छा शक्ति हो तो राह आसान होती चली जाती है। इसी का नतीजा है जो आज यह करोड़ों के सालाना टर्नओवर के साथ अजंता स्वीट्स से इंड्स अजंता प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन चुकी है।

अमित ने बताया कि अजंता स्वीट्स के आउटलेट लखनऊ और रामपुर में भी हैं। इसके अलावा पीलीभीत व पूरनपुर में फ्रेंचाइजी के साथ ही बरेली में 15 विभिन्न जगहों पर आमजन की पहुंच अजंता स्वीट्स तक है। इसकी मदर यूनिट आज भी शहामतगंज वाली ही है। रामपुर और लखनऊ के अलावा बरेली में इसके तीन आउटलेट हैं। उन्होंने बताया कि हम गुणवत्ता और शुद्धता का पूरा ध्यान रखते हैं। शहर में मिठाइयों आदि की आपूर्ति के लिए हमने एक बेस किचन डोहरा रोड पर स्थापित किया है। यहीं से सभी जगह मिठाइयां और नमकीन की आपूर्ति की जाती है।

अमित आहूजा ने जब से कंपनी की बागडोर संभाली है वह इसे नई उंचाइयों की ओर ले जाने को नित नई सोच के साथ प्रयास करते रहते हैं। अजंता की सबसे प्रसिद्ध मिठाइयों में देसी घी की सोन पापड़ी और बेसन की बनी पतीसा सोन पापड़ी है। इसकी काफी डिमांड रहती है। नमकीन में हींग वाली देसी घी से बनी काजू दालमोंठ भी लोगों की पसंद बन चुकी है। स्थानीय स्तर पर जमेटो से आप इन्हें घर पर भी मंगा सकते हैं। आनलाइन मंगाने के लिए कंपनी ने अमेजन से टाईअप किया है। अजंता के दो लोकप्रिय आइटम और हैं इनमें से एक जूली नाम की बंगाली मिठाई तो दूसरी गुजराती डिस ढोकला है। बेकरी और कन्फेक्शनरी में भी अजंता के पास ढेरों उत्पाद हैं। अब तो अजंता ने कई जगह चाट कार्नर भी खोल लिए हैं।

अजंता स्वीट्स की दुकान में सबसे कम रेट वाली मिठाई पेठा है जो 340 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। यहां की सबसे महंगी मिठाई पिस्ते वाली लौज है जो 4500 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। इसका स्वाद लाजवाब है। नार्मल मिठाई मिक्स में 640 रुपये प्रति किलो आप खरीद सकते हैं। दुकान पर कई प्लेवर की आइसक्रीम का भी आप आनंद ले सकते हैं। गिफ्ट पैक भी यहां उपलब्ध हैं। अजंता स्वीट्स पर अभिनेता विक्रम कोचर, आयुष्मान खुराना के भाई अपार शक्ति खुराना और कुमुद मिश्रा भी आ चुकी हैं। कुल मिलाकर अजंता स्वीट्स का सफर अभी जारी है और इनके मौजूदा के डायरेक्टर अमित आहूजा इसकी पहचान पूरे देश और विदेश में भी पहुंचाने की मंशा के साथ काम कर रहे हैं।

दीनानाथ की कुल्हड़ वाली लस्सी

दूध-दही नहीं, सीधे लस्सी और वह भी दीनानाथ की। आप नावल्टी आएं और दीनानाथ की लस्सी का स्वाद न लें यह तो हो नहीं सकता। 1962 में स्थापित यह ठिकाना नॉवल्टी चौराहा, सिविल लाइंस में पुराने बस अड्डे के पास है और अपनी पारंपरिक लस्सी के लिए जाना जाता है। दुकान में कई प्रकार की लस्सी हमेशा उपलब्ध रहती है। इसमें सादा और स्पेशल लस्सी तक शामिल हैं। अब तो यहां शुगर-फ्री लस्सी तक उपलब्ध है। इसकी शुरुआत 1962 में दीनानाथ जायसवाल ने की थी और अब यह तीसरी पीढ़ी द्वारा चलाया जा रहा है। लाजवाब लस्सी को दूध से दही जमाकर, चीनी और चिरौंजी के साथ फेंटकर और फिर ड्राई फ्रूट्स के साथ कुल्हड़ में परोसा जाता है।

बरेली के अलावा, आसपास के शहरों और यहां तक कि उत्तराखंड से भी लोग भी जब भी बरेली आते हैं इस दुकान पर इसकी लस्सी पीने आते हैं। आप यहां सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक लस्सी का आनंद ले सकते हैं। यहां तीन वैरायटी की लस्सी मिलती है, जिसमें साधारण लस्सी 50 की, नमकीन लस्सी 60 और स्पेशल लस्सी 70 रुपये की मिलती है, जिसे लोग काफी पसंद करते हैं

ये दुकान लगभग 63 साल पुरानी है। वर्तमान में दुकान के मालिक तीसरी पीढ़ी के निशांत जायसवाल ने बताया कि उनसे पहले उनके पिताजी और दादा दुकान संचालित करते थे। लगातार तीन पीढ़ियों से दीनानाथ की मशहूर लस्सी अपने ग्राहकों को लुभा रही है। निशांत का कहना है कि लस्सी को बनाते समय दूध से लेकर ड्राई फ्रूट तक सभी चीजें अच्छी क्वालिटी की इस्तेमाल होती हैं। इस दुकान को चलाने में निशांत जायसवाल के साथ ही इनके ताऊ के बेटे आशु और चाचा का बेटा प्रियांशु जायसवाल भी पूरे मनोयोग से जुटे रहते हैं। निशांत के दादा ने जब यह दुकान खोली थी तो उस समय यह पांच रुपये में उपलब्ध रहती थी।

चटपटी चाट का ठिकाना चमन चाट भंडार

अगर आप चटपटी चाट के शौकीन हैं और तरह-तरह की चाट का मजा लेना चाहते हैं तो पहुंच जाएं चमन चाट भंडार पर। सिविल लाइंस में हनुमान मंदिर के सामने यह वही जगह है जो आज भी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की पसंदीदा चाट की दुकान बनी हुई है। प्रियंका जब कभी भी बरेली आती हैं तो यहां चाट का मजा लेने जरूर आती हैं। यह दुकान कई तरह की स्वादिष्ट चाट के लिए मशहूर है, जो घर के बने मसालों से तैयार की जाती हैं। आज यह सिर्फ एक ठेला नहीं, बल्कि सुरमे और झुमके की तरह बरेली की पहचान बन चुका है। इसे जमैटो पर ऑनलाइन ऑर्डर कर भी मंगाया जा सकता है। रोजाना करीब 3 बजे से लेकर रात 11 बजे तक यह काउंटर खुला रहता है।

चमन चाट भंडार सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। शाम के समय यहां अपनी बारी के लिए चाट के शौकीनों को लंबी कतारें लगानी पड़ी है। इस दुकान पर चाट के अलावा आलू की टिक्की, पापड़ी चाट, भल्ला पापड़ी, चाउमीन, बर्गर, पाव भाजी, दही भल्ला, भल्ला पपड़ी और आटे व सूजी के गोलगप्पे जैसी कई प्रकार की चाट मिलती हैं। चाइनीज़ फ्यूजन जैसे आलू बर्गर और चाऊमीन भी आकर्षण का केंद्र है।

वर्तमान में जितेन्द्र तलवाड़ और विशाल तलवाड़ की पिता-पुत्र की जोड़ी चमन चाट भंडार के कर्ता-धर्ता हैं। जितेन्द्र तलवाड़ ने बताया कि उनके पिता चमन लाल तलवाड़ ने 1960 में एक छोटे से ठेले पर इसकी शुरुआत की थी। उस वक्त उन्हें अंदाजा नहीं था कि आज उनकी यह छोटी सी ठेली शहर ही नहीं बल्कि बाहर से आने वाले लोगों के जुबान पर चढ़कर बोलने लगेगी। शुरू में वह कुमार सिनेमा के पास ठेला लगाते थे। समय बदला और शहर में भीड़ बढने के साथ ही चाट के शौकीन भी बढ़ने लगे तो 1970 में उन्होंने हनुमान मंदिर के सामने नया ठिकाना बना लिया। इसके साथ ही चाट की वैरायटी भी बढ़ने लगी। आज हालत यह है कि चाहे कितनी भीड़ हो चमन चाट भंडार से कोई ग्राहक खाली नहीं लौट सकता। यहां 20 रुपये से लेकर 80 रुपये तक की चाट का स्वाद आप ले सकते हैं।

चौरसिया पान भंडार

अगर आप बरेली में रहते हैं और कुतुबखाना जाते वक्त सिविल लाइंस में चौरसिया पान भंडार से पान का स्वाद नहीं लेते हैं तो आप भूल कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण सामग्री और स्वादिष्ट स्वाद के लिए प्रतिबद्ध यह ठिकाना पान के शौकीनों के लिए एक ऐसी जगह है जहां दिल को एक ठंडक सी मिलती है। यह स्थान सिविल लाइंस में स्थित एक प्रसिद्ध और 55 साल पुराना पान भंडार है, जो अपने अनोखे स्वाद वाले पान और वर्तमान में स्ट्रीट फूड के लिए भी जाना जाता है। यह अपनी पारंपरिक सामग्री, स्वादिष्ट स्वाद और ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई प्रकार के पान मिलते हैं, जिनमें चॉकलेट पान, बटरस्कॉच पान, मीठा पान, तम्बाकू पान और फायर पान जैसी कई वैरायटी उपलब्ध हैं। यहां आप दोपहर 12 बजे से लेकर रात एक बजे तक पान का आनंद ले सकते हैं।

वर्तमान में इस पान भंडार को चला रहे राकेश चौरसिया उर्फ गुड्डे भाई ने बताया कि आज से करीब 55 वर्ष पहले उनके पिता मुन्ना लाल चौरसिया ने 1971 में इसकी नींव रखी थी। शुरुआत में यहां 25 से लेकर 50 पैसे तक में लोग पान का आनंद लेते थे।

तोलाराम की मशहूर मटका कुल्फी

कभी बांस बरेली के नाम से मशहूर अपना बरेली आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। झुमका और सुरमा वाली बरेली आज की तारीख में देश के बड़े-बड़े शहरों की कतार में खड़ी है। कुल 4120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले बरेली की अपनी अलग पहचान है। चाहें कोई भी क्षेत्र हो बरेली के लोगों ने अपनी अलग छाप छोड़ी है। यहां का रहन-सहन और खान-पान भी किसी से कम नहीं है। पुराने और नए खान-पान को लेकर बरेली ने लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है। बरेली के किसी न किसी कोने में सुबह से लेकर रात तक आप खान-पान की विशेष चोजों का आनंद ले सकते हैं।

बात शहर की हो तो कोतवाली के सामने ही तोलाराम की मटका कुल्फी के स्वाद को तो हजारों ही नहीं लाखों लोग जानते ही होंगे। तोलाराम की फालूदा कुल्फी का तो कोई जवाब नहीं है। सिविल लाइंस कोतवाली के सामने स्थित तोलाराम कुल्फी की दुकान वर्ष 1950 में, वर्तमान में इसे संचालित कर रहे तीसरी पीढ़ी के जवाहर लाल तनेजा के दादा तोलाराम जी ने भविष्य के बड़े सपनों के साथ खोली थी। उन्होंने अपनी देखरेख में दूध, मेवा और चीनी को मिलाकर शुद्ध मटका कुल्फी बनाना शुरू किया था।

पहचान बन चुकी अंग्रेजों के समय की फर्न्स बेकरी

सिविल लाइन्स इलाके में बलवंत सिंह मोटर मार्ग पर अंग्रेजों के जमाने की फर्न्स बेकरी किसी पहचान की मोहताज नहीं है। बेकरी की शुरुआत आजादी से पहले एक अंग्रेज फर्नान्डीज ने अपनी बेटी फर्न्स फर्नान्डीज के नाम से की थी। बताया गया कि 90 साल की हो चुकीं फर्न्स आज भी जीवित हैं और लंदन में कहीं रह रही हैं। 1950 तक कोई ईसाई फैमली इस बेकरी को चला रही थी। बाद में केयरटेकर को सौंप यह फैमली भी लंदन चली गई। समय गुजरा और अब खां फैमली के हाथों यह बेकरी है।

मौजूदा समय में चार भाई जाहिद अली खां, मुशाहिद उर्फ दिलशाद, शाहबाज और फरात इस बेकरी के कर्ताधर्ता हैं। बड़े भाई जाहिद अली ने बताया कि उनके पिता मुबारक अली खां और ताऊ मोहम्मद अली ने 1972 में इस बेकरी को खरीद एक नई शुरुआत की और बेकरी नाम फर्न्स बेकरी ही रखा। फर्न्स बेकरी में आज आप कई वैरायटी की पेस्टी और पेटीज का आनंद ले सकते हैं। पेस्टी में चाकलेट-बटर पेस्टी काफी लोकप्रिय है जो 30 रुपये प्रति पीस में उपलब्ध है। पाइन एप्पल और ब्लैक फारेस्ट पेस्टी के ग्राहक भी बहुत हैं। इसके अलावा चिकन, वेज और पनीर से भरी पेस्टी की भी काफी डिमांड रहती है। आलू भरी पेटीज 20 रुपये प्रति पीस में आप ले सकते हैं। जाहिद अली का कहना है कि उनके यहां बनने वाले सारे आइटम फ्रेस क्रीम से ही बनते हैं।

किप्स स्वीट्स: तख्त से आलीशान दुकान तक

किप्स ऑन द लिप्स

लोकप्रिय मिठाइयां

बरेली की बर्फी, मूंग की दाल और घी से बनी रसभरी, ड्राईफ्रूट्स वाले लड्डू खोये से बने और चाशनी में डूबे गुलाब जामुन, मोतीचूर लड्डू, सोहन पापड़ी और विभिन्न प्रकार के खोया और छेना से बनी मिठाइयां। इनके अलावा, किप्स कई अन्य प्रकार की मिठाइयां भी बेचता है जैसे बालूशाही, डोडा बर्फी, खीर कदम, और बेसन लड्डू। किप्स की मिठाइयों की लोकप्रियता इतनी है कि विदेशों तक से लोग आनलाइन आर्डर करके मंगाते हैं।

एक तख्त से शुरु हुआ किप्स स्वीट्स का सफर किसी परीकथा से कम नहीं है। आज के संदर्भ में देखें तो इनका स्लोगन-किप्स आन द लिप्स अपने नाम को सार्थक करते हुए देश-विदेश में एक पहचान बना चुका है। आज किप्स की मिठाई बरेली में एक पहचान है जो अपनी पारंपरिक मिठाइयों के लिए जाना जाता है। इनकी सबसे प्रसिद्ध मिठाई बरेली की बर्फी है जो मुलायम बनावट और भरपूर स्वाद के लिए जानी जाती है। इनके अन्य लोकप्रिय उत्पादों में काजू बर्फी, रसभरी, ड्राई फ्रूट लड्डू, और सोहन पापड़ी आदि शामिल हैं। मक्खन समोसा तो इनका इतना लाजवाब है कि देखते ही मन खाने को ललचा जाए। बेहतर स्वाद और शुद्धता वाला काजू दालमोठ का पैकेट तो इनका खास है जिसके लोग दीवाने हैं।

सुरमे और झुमके की तरह ही किप्स की मिठाई भी आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। 1972 में तख्त पर एक छोटी सी दुकान से इसकी शुरुआत देवेन्द्र खंडेलवाल ने की थी। यह अब बरेली ही नहीं देशभर में एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान के रूप में विकसित हो गई है। विदेशों में भी जो लोग यहां से जाकर बस गए हैं वह भी यदा-कदा मिठाइयां मंगाते रहते हैं या फिर कभी बरेली आते हैं तो ढेर सारी मिठाइयां ले जाते हैं। किप्स के आउटलेट माडल टाउन और राजेन्द्रनगर में भी हैं। वर्तमान में सिर्फ बरेली की जनता के लिए ही नहीं बल्कि बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, परिणीति चोपड़ा, दिशा पाटनी समेत कई बड़े-बड़े कलाकार और राजनेताओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां के स्पेशल ड्राईफ्रूट्स लड्डू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी काफी पसंद हैं। उनके लिए हर माह या विशेष अवसरों पर ड्राईफ्रूट्स लड्डू भेजे जाते हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी भी किप्स की मिठाइयों के मुरीद रहे हैं। वर्तमान में प्रसाद सिनेमा के सामने स्थित किप्स स्वीट शॉप के संचालक राहुल खंडेलवाल के अनुसार यहां प्रत्येक दिन सभी मिठाइयां ताजी मिलती हैं। इन मिठाइयों को बनाने के लिए बेहतर क्वालिटी का सामान प्रयोग किया जाता है। अपने ग्राहकों को वह शुद्ध उत्पाद देने में विश्वास करते हैं, जिससे उनका भरोसा हम पर इसी प्रकार बना आ रहा है। राहुल खंडेलवाल ने बताया कि अभी दिसंबर में पूर्व कंट्रीय मंत्री और वर्तमान में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के बेटे की शादी होनी है लेकिन मिठाइयों के आर्डर अभी से मिलने लगे हैं।

कुछ खास है त्यागी रेस्टोरेंट की कचौड़ी वाली थाली

अगर आप कचौड़ी खाने के शौकीन हैं और कुतुबखाना पहुंचकर नावल्टी चौराहा के पास पुराने बस अड्डे की तरफ मुड़ते हैं तो अचानक कचौड़ी की खुशबू आपको अनायस त्यागी रेस्टोरेंट में जाने के लिए मजबूर कर सकती है। यह दुकान करीब 61वर्षों से संचालित हो रही है। इसकी शुरुआत 1964 में वीके शर्मा ने की थी। उनके बाद वीके त्यागी ने इसकी कमान संभाली। वर्तमान में त्यागी परिवार के एक करीबी रिश्तेदार इसे चला रहे हैं। त्यागी रेस्टोरेंट में चार कचौड़ी, कद्दू की सब्जी, छोले की सब्जी, आलू टमाटर की सब्जी और अचार के साथ आप भरपेट भोजन का आनंद ले सकते हैं। आप घर बैठे स्विगी के माध्यम से भी आर्डर कर खाद्य सामग्री मंगा सकते हैं।

इसका मैन्यू पुराना है जो आज तक चला आ रहा है। आलू की सब्जी जरूर चटपटी है लेकिन कद्दू की सब्जी मीठी मिलेगी जिसे यहां बड़े चाव से खाया जाता है। सब कुछ गरमा-गरम और ताजा मिलेगा। वर्तमान में अब इस रेस्टोरेंट के बगल में छोले-भटूरे और छोले समोसे का भी आनंद लिया जा सकता है। पूरा त्यागी परिवार इन दोनों सिस्टम को चला रहा है. उनका कहना है कि 12 महीने हमारा स्वाद आपको एक जैसा ही मिलेगा।

प्रस्तुति-एल.एस. भंडारी, अनिल पटेल

ज्ञान वह हथियार है जो हारने वाले को विजेता बनाता है। एक व्यक्ति को जीवन भर कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए।

–चाणक्य, राजनीतिज्ञ

चाहिए समग्र समाधान

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सीमा को निर्वाचन आयोग द्वारा एक सप्ताह बढ़ा दिया जाना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस दबाव की स्वीकारोक्ति भी है, जो इस अत्यंत विस्तृत प्रक्रिया पर शुरू से ही साफ दिख रहा था। मतदाता सूची पुनरीक्षण अपने आप में एक विशाल अभियान है। हर घर जा कर सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का विलोपन और त्रुटियों का सुधार, जिसके लिए समय और संसाधनों की पर्याप्त आवश्यकता होती है। ऐसे में समय वृद्धि का यह निर्णय पूरे अभियान की गति, विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला है। निर्वाचन आयोग की यह स्वीकारोक्ति कि कम समय सीमा जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं, बीएलओ और अधिकारियों के लिए भारी समस्या पैदा कर रही थी, अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह बात समझना कठिन नहीं कि उत्तर प्रदेश जैसा जनसंख्या और भौगोलिक विस्तार वाला राज्य किसी भी राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए एक अलग कार्ययोजना और अपेक्षाकृत अधिक समय की मांग करता है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आयोग को यह पूर्वानुमान पहले क्यों नहीं था? क्या यह अदूरदर्शिता नहीं कही जाएगी कि इतनी बड़ी प्रक्रिया को शुरू से ही सीमित समय में बांधा गया और फिर दबाव बढ़ने पर पुनः संशोधन की जरूरत पड़ गई? समय वृद्धि का सबसे बड़ा लाभ निःसंदेह बीएलओ और आम मतदाताओं को मिलेगा। बीएलओ पर वर्षों से काम का अतिरिक्त बोझ, अपर्याप्त प्रशिक्षण तथा जटिल एसआईआर रिपोर्टिंग की बाध्यता लगातार मानसिक और शारीरिक तनाव बढ़ाती रही है। मुरादाबाद में एक बीएलओ की दुखद मृत्यु और विपक्ष के इस आरोप कि भारी दबाव के चलते 20 बीएलओ अब तक आत्महत्या कर चुके हैं, एक गंभीर चेतावनी है। इस स्थिति में निर्वाचन आयोग को केवल खंडन या औपचारिक बयान भर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कठोर सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। कार्यभार का संतुलित बंटवारा, तर्क संगत डेडलाइन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां तथा मनोवैज्ञानिक सहायता जैसे कदम अत्यंत आवश्यक हैं।

आज भी मतदाता सूची में संशोधन अथवा नए मतदाता के रूप में पंजीकरण करना, कागजी फॉर्म हो या ऑनलाइन प्रक्रिया- आम लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण है। देश में आधार, पैन, पासपोर्ट और बैंकिंग जैसी सेवाओं का व्यापक डिजिटलीकरण हो चुकने के बाद निर्वाचन आयोग अगर इन नियामक संस्थाओं के डाटा का प्रामाणिक उपयोग कर एक सरल, एकीकृत सत्यापन प्रणाली विकसित करता, तो मतदाता पंजीकरण न केवल सहज होता, बल्कि पुनरीक्षण प्रक्रिया भी अधिक कुशल और लगभग त्रुटिरहित बन सकती थी। फिलहाल केवल एक सप्ताह की समयवृद्धि से यह उम्मीद कि यह प्रक्रिया पूरी तरह सटीक और त्रुटिरहित हो जाएगी, व्यावहारिक नहीं। इससे इतना भर होगा कि कार्यकर्ताओं पर तात्कालिक दबाव घटेगा और कुछ हद तक गुणवत्ता में सुधार संभव है। बीएलओ की आत्महत्याओं पर रोक के लिए केवल समय बढ़ाना पर्याप्त नहीं, कार्यप्रणाली की समग्र समीक्षा और मानवीय दृष्टिकोण से बदलाव आवश्यक है।

प्रसंगवश

मौसम का पूर्वाकलन व नैतिकता का सवाल

इस बार बहुत ज्यादा सर्दी पड़ने वाली है, ऐसी खबरें मीडिया-सोशल मीडिया पर तैर रही हैं। गलत सूचनाओं से न सिर्फ लोगों का जीवन बल्कि इससे बाजार भी प्रभावित होता है। आने वाला मौसम कैसा होगा, इसकी सटीक भविष्यवाणी कर पाना इतना आसान नहीं है। ला-नीना फिनॉमीना का विगत का प्रीडिक्शन चार्ट और इसके बाद का घटनाक्रम देखने से मालूम होता है कि इसमें भविष्याकलन के बाद असली प्रभाव तीन-चौथाई या मिश्रित रहा है, जिसमें इलाका अथवा प्रभावित क्षेत्र बदल गया। प्रीडिक्शन के बारे में बताने के लिए एथिकल गाइडलाइन्स का ध्यान रखना जरूरी है। इसके पश्चात-प्रभावों पर किसी की नज़र नहीं पड़ती।

इस बार भीषण शीत रहेगी या नहीं रहेगी, यह जो जनवरी महीना

रनबीर सिंह

विज्ञान लेखक

बताएगा, जिसमें अभी एक महीने बाद का समय है। जो होगा वह 15 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच मालूम हो जाएगा। हिमालय और इससे परे सुदूर उत्तर में रूस और चीन के इलाकों, हिमालय के हिमाच्छादित क्षेत्रों और भारत के मैदानी इलाकों के मौसम संबंधी असली आंकड़े देखने के बाद भारत में ला-नीना के असर के प्रकट होने के बाद ही इस बारे में कुछ कहना उचित होगा।

अभी से कह देना कि इस बार बहुत सर्दी पड़ेगी, उचित नहीं है। इस बार की सर्दी की ऋतु में कड़ाके की ठंढ होने या असल में हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ने और नॉर्दन मोस्ट लैटिट्युड्स में इसके असर के बारे में ताज़ा वेदर रिपोर्ट्स का इंतजार करना नैतिकता का तकाज़ा है। मौसम के अल्पकालीन मिजाज़ के बारे में एक आकलन के बारे में कह देना काफी नहीं है, बल्कि वह एकदम से सत्य जैसा नहीं दिखना चाहिए बल्कि संभावना जैसा होना चाहिए। मास-मीडिया में सामान्य संभावना को बढ़ा-चढ़ा कर, अलंकारयुक्त शब्दों का प्रयोग करते हुए भय और रोमांच पैदा करना एक खबरनुमा टेक्स्ट को कथा-कहानी बना देता है। ब्लो-अप करने के प्रयास की इकॉनोमिक और सोशल कॉस्ट बहुत होती है। एथिक्स का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

मौसम के बारे में विदेश से आई सूचना को आधार बना कर वस्तुस्थिति को जस का तस भारतीय मीडिया में चस्पा करना उचित नहीं है, बल्कि लोकल एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स से जान लेना जरूरी होता है। खेद है कि ऐसी ख़बरों के बारे में भारत का मौसम विज्ञान विभाग कोई टिप्पणी डिफेमेशन से बचने के लिए नहीं करता। उनकी अपनी वेबसाइट पर भी विदेशी जानकारी चस्पा रहती है, जिस पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं होती।

ला-नीना के बारे में जानकारी को कुछ-कुछ देर बाद अप-डेट किया जाता है, जिससे मध्य और पश्चिमी प्रशांत महासागर और तापमान और इसके ऊपर के मौसम के मिजाज़ पर 24X7 निगरानी की जा रही है। सतत् निगरानी से ही मालूम होता है कि हालात बुरे या सामान्य हो सकते हैं। विदेश की खबर में, जिसे अनेक भारतीय चैनल्स ने उठाया है कि ऊपर की हवा मे 'रिवर्स गीयर' लग गया है, वह पहले भी अनेक बार लग चुका है। पृथ्वी की सतह से ऊपर होने वाली एक विशाल मशीनरी का यह नियमित व्यवहार है, जिसमें पोलर एयर करेंन्ट्स के भूमध्य रेखा के ऊपर उमड़ना-घुमड़ना एक सामान्य चर्या होती है। अमेरिका संचालित नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, जिसे भारत मौसम विभाग का अनुमोदन भी प्राप्त है, हवाएं पश्चिमी से पूर्वी दिशा में तेजी से उलट रही हैं, जो सामान्य से दो-तीन महीना पहले हो रहा है। खासतौर से इसकी वजह से ला-नीना भी प्रभावित होगा।

खर्चीली शादियां दिखावे की आखिर इंतेहा क्या है!

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

समय के साथ सामाजिक परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। जो कल था वह अतीत। जो आज है वह समयानुकूल और संभावित कल ही भविष्य। परिवार, कुनबा, समुदाय व समाज की सोच में समयानुरूप बदलाव समीचीन भी। समुचित आय व धन प्रवाह ने बाजार की रूपरेखा भी परिवर्तित कर दी है, लेकिन भारतीय बाजार का अवलंब की मान्यता वाला मध्यम वर्ग जीवन के कुछ उद्देश्यों से कदाचित भटक सा गया है। नई पीढ़ी जिसने दिखावे को अपना 'जीवन दर्शन' मान लिया है। विशेषतया खर्चीली शादियों को, जो 'अंतहीन होड़' की ओर चल पड़ी है।

विवाह हमारी संस्कृति का अतिआवश्यक संस्कार माना जाता है, लेकिन वर्तमान में होने वाले शादी-विवाह एक संस्कार न होकर 'सेलिब्रेशन व फैशन' की भेंट चढ़ता दिख रहा है। वैवाहिक आयोजन आज पूर्णतया बाजारवाद की गिरफ्त में आ चुका है। टीवी सीरियल और सोशल माडिया के 'रील्स' में दिखाए जाने वाले वैवाहिक 'चोंचलेबाजी' आज अधिकांश घरों में देखने को मिल रही है। विवाह की रस्मों अर्थात हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला, सप्तपदी, फेरे व सिंदूर-दान आधुनिक दिखावे की भेंट चढ़ चुके हैं। ऐसे नितांत पारिवारिक आयोजनों को बाजार ने एक बड़ा इवेंट बना दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के पूर्व प्री-वेडिंग व डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम पर अंधाधुंध खर्च किया जाने लगा है। नृत्य-संगीत, महंगे ड्रेसेज, नाना प्रकार के व्यंजनों वाले लंच-डिनर और उपहारों के आदान-प्रदान से मध्यम वर्ग के 'पांव चादर से बाहर' हो रहे हैं।

समाज में दिखावे का जज्बा यह कि संबंधित परिवार कर्ज लेकर हैसियत से अधिक खर्च कर रहे हैं। अधिकांश गार्जियन तो अपने जीवन की पूरी जमा-पूंजी शादी के दिखावे में 'हवन' कर दे रहे हैं। दिखावटी विवाहोपरांत इस वर्ग में पारिवारिक कलह, बिखराव व भांति-भांति की परेशानियां घर कर जा रही हैं। कई परिवार तो कर्ज के दलदल में ऐसे धंस रहे, जहां से वे जीवनपर्यंत नहीं निकल पा रहे हैं। प्रतिष्ठा का प्रतीक बनती दिखावे वाली शादियां समाज के लिए 'नासूर' बनती जा रही हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते वैवाहिक वीडियोज तो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। ऐसा केवल शहरों में ही नहीं हो रहा, बल्कि अब गांवों में भी देखने को मिल रहा है।

स्मरण करें, 1970 के दशक की शादियां प्रायः परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं। शहरों में न तो रिसार्ट होते थे, न ही अनगिनत मैरेज हाल। अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम वधू पक्ष के घरों में या उसके आसपास टेंट लगाकर कम से कम खर्च में संपन्न हो जाया करते थे। अधिकांश वैवाहिक कार्यकम एक रात में ही संपन्न होते थे। हां, ग्रामीण क्षेत्रों में उस वक्त दो दिन के बरात का चलन अवश्य था, जिसमें वर-वधू पक्ष एक-दूसरे के प्रति आदर भाव और सहयोगात्मक रवैया अपनाते थे। रिश्तों में मर्यादा सर्वोपरि व अपनत्व का भाव स्तरीय था। कम खर्च में शादियां हो जाया करती थीं। वर-वधू के रिश्तों में स्थिरता होती थी, दांपत्य जीवन अनचाही है, मुश्किलों से परे दिखता था। वर्ष 1980 के दशक की शादियां औपचारिकता व भव्यता का मिश्रण थीं।

वर्तमान में होने वाली शादियां संस्कार नहीं, वरन इवेंट का स्वरूप धारण करती जा रही हैं। समाज में अनावश्यक दिखावे का प्रचलन बढ़ गया है। धनाढ्य वर्ग की तरह ही मध्यमवर्गीय भी उसी प्रकार का दिखावा कर अपने बच्चों की शादियां कर रहे हैं। ऐसी शादियों में तथाकथित 'इवेंट मैनेजरों' की तो चांदी हो गई है। वर-वधू को अनेकानेक रस्मों में कब और क्या करना है, वही निर्णय ले रहे हैं। अब अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम एक रात का न होकर दो से तीन दिन तक का हो गया है। हल्दी, मेंहदी, द्वारचार, जयमाल, फेरों व विदाई के मामलों में इवेंट मैनेजर ही निर्णायक भूमिका निभाते दिख रहे हैं।

वर-वधू का मेकअप, पहनावा, तात्कालिक रहन-सहन, इवेंट वाले ही तय कर रहे हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन तो अत्यंत खर्चीला हो चला है। शादियों में लकदक डेकोरेशन व जानदार आतिशबाजी के बीच राजसी वैभव, कैटरिंग के पर्दों से लेकर बर्तन तक भव्यतम हो चले हैं। सोशल मीडिया ने तो सामान्य परिवारों के लोगों को मानसिक रूप से धनाढ्य वर्ग के समीप ला खड़ा किया है। आज का वर-वधू 'नामचीन सेलिब्रिटी' की भांति ही विवाह करने का सपना देखता है। शादी के मंडप को फिल्मी सेट सरीखा बनाने को लालायित वह भूल जा रहा कि उक्त सेलिब्रिटी स्वयं के कमाए धन से खर्चीली शादियां कर रहे, अपना शौक पूरा कर रहे हैं। ब्याजखोरों, बैंक्स से महंगे ब्याज पर धन उधार लेकर अपनी शादी नहीं कर रहे।

शादी के स्थान की बात करें तो शहरों में छोटे बैंक्वेट, फाइव-स्टार हॉल से लेकर फार्महाउस तक, जगहों की कीमत अलग-अलग होती है। किसी बड़े होटल बैंक्वेट स्थल की कीमत सामान्यतया न्यूनतम सजावट, कैटरिंग आदि के साथ 20 से 30 लाख रुपये के मध्य तक तो होती ही है। कपड़ों व गहनों पर भी अमूमन 20 लाख रुपये खर्च हो ही जा रहे हैं। मध्यमवर्गीय परिवार अपने 'चादर का आकार' कदाचित भूलता जा रहा। परिणामस्वरूप 'मीडिया क्रेजी' शादियों में अनाप-शनाप खर्च कर कर्ज के जाल में फंस रहा है।

उन्हें खेती की जमीन, मकान, गहने तक को बेचना पड़ जा रहा है। शादी-विवाह पारिवारिक आयोजन होता है। इसे सादगीपूर्ण तरीके से ही संपन्न किया जाना चाहिए। रोज की जिंदगी में धन नितांत आवश्यक है, इसे बचाने की आवश्यकता है। इवेंट बनती शादियों में फिजूलखर्ची बुद्धिमानी तो कदापि नहीं है। मध्यमवर्गीय परिवारों को फिजूलखर्ची रोकने को चिंतन-मनन करना ही होगा। खास तौर पर संबंधित वर्ग के भावी वर-वधुओं को।

1970 के दशक की शादियां प्राय: परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं।

आमने

सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि जो मुद्दे हैं, उन पर सोचें। ड्रामा करने के लिए बहुत जगहें हैं। जो कोई भी ड्रामा करना चाहता है, कर सकता है। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां नारों पर नहीं, पॉलिसी पर जोर होना चाहिए।

–नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

सामने

चुनाव की स्थिति, एसआईआर और प्रदूषण बहुत बड़े मुद्दे हैं। पार्लियामेंट किस लिए है? मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है। ड्रामा का मतलब है, चर्चा न होने देना। ड्रामा का मतलब है उन मुद्दों पर डेमोक्रेटिक चर्चा न करना जो जनता के लिए मायने रखते हैं।

–प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

हास्य का विषय नहीं हो सकते हैं दिव्यांग

रमेश सर्राफ

स्वतंत्र पत्रकार

देश की सर्वाच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में पीठ को सूचित किया कि सरकार कुछ दिशा-निर्देश बनाने पर विचार कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता। याचिका में इंडियाज गॉट लेटेंट के हॉस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी। अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। इसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया, लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। तीन दिसंबर को विकलांग दिवस मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है, सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। यह विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं, जिन्होंने अपने साहस, संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दांई टांग नहीं है। फिल्म गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार और जयपुर के सुंदर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृ स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग छह करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदंड बनाए हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक, उनके अनुसार दिव्यांगों को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते हैं, जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधाएं पाने से वचिंत रह जाते हैं। दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच बदलने का समय आ गया है।

समय रैना एक बार फिर विवादों में है। यह विवाद शुरू हुआ एक कार्यक्रम में दिव्यांगों का मजाक बनाए जाने पर। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने को कहा है।

सोशल फोरम

पांडव पुत्रों का पालन और आज की पैरेंटिंग

महाभारत में एक गहरा प्रसंग आता है। पांडु की मृत्यु के बाद कुंती और माद्री दोनों सती होना चाहती थीं, पर माद्री ने कहा, "यदि आप सती हो गईं और मैं रह गई, तो मैं आपके तीनों बच्चों का पालन वैसे

नीलेश गुप्ता

ब्लॉगर

नहीं कर पाऊंगी, जैसे आप कर सकती हैं। अगर मैं सती हो जाऊं और आप रहें, तो आप मेरे दोनों बच्चों- नकुल और सहदेव को भी अपने ही बच्चों की तरह पाल लेंगी। दुनिया यही मानेगी कि कुंती के पांच पुत्र हैं।"

हुआ भी यही। एक स्त्री, अभाव, जंगल, संघर्ष और विधवापन, इन सभी परिस्थितियों में पांच ऐसे पुत्र तैयार करती है, जो आगे चलकर 'धर्म के स्तंभ' कहलाते हैं। जिस दिन भगवान को यह निर्णय करना पड़ा कि वे किसके पक्ष में खड़े होंगे, भगवान ने पांडवों का पक्ष चुना, क्योंकि एक स्त्री ने कठिनाइयों में भी सही 'लालन–पालन' किया था। दूसरी ओर हस्तिनापुर में धृतराष्ट्र जन्मांध थे और गांधारी ने भी अपने पति की परिस्थिति देखकर अपनी आंखों पर स्वेच्छा से पट्टी बांध ली। जब घर में पिता पहले से नेत्रहीन हो और मां भी पट्टी बांधने का निर्णय ले ले तो, यह भी लालन–पालन का ही परिणाम है। महाभारत यह सिखाती है कि पालन-पोषण केवल शरीर पालना नहीं, बल्कि चरित्र, विवेक और भविष्य बनाना है।

यही बात आज हमें समझ नहीं आती। जब मैं क्लास 3–4 में था, हमें सिर्फ एक पेंसिल दी जाती थी। दूसरी पेंसिल तभी मिलती थी, जब पहली पूरी खत्म हो जाए और उसका फिज़िकल प्रूफ दिखाना पड़े। अगर पेंसिल खो जाए, तो नई पेंसिल नहीं मिलती, उल्टा डांट मिलती। इसी से हमने कम में मैनेज करना, पेंसिल बचाकर चलाना, दोस्तों से शेयर करना और हर चीज़ का मूल्य समझना सीखा। हम धीरे-धीरे रिसोर्सफुल बनते गए।

और आज? बच्चे रोज़ पेंसिल खो देते हैं और माता-पिता बिना पूछे रोज़ नई पेंसिल थमा देते हैं। बच्चे को न यह पता है कि चीज़ कहां से आती है? न इसका मूल्य क्या है? न जिम्मेदारी क्या होती है? अगर एक दिन पैरेंट कह दे, "आज नई पेंसिल नहीं मिलेगी"

महाभारत आज भी यही सिखाती है, पैरेंटिंग भविष्य बनाती है। कुंती ने अभावों में भी पांच धर्म–पुत्र बनाए। गांधारी ने आंखें बंद कर लीं। आज हम क्या कर रहे हैं? हम बच्चों को हर मुश्किल से बचा रहे हैं और इसी में उन्हें कमजोर बनाते जा रहे हैं। पैरेंटिंग का मतलब सुविधाएं देना नहीं, संस्कार, जिम्मेदारी और संघर्ष–क्षमता देना है।

सामयिकी

इन्हें काम नहीं कलम और किताब चाहिए

यूनीसेफ के एक सर्वे के अनुसार विश्वभर में 150 मिलियन बाल श्रमिक हैं। विश्व में बाल श्रमिकों की सबसे अधिक संख्या भारत में है। एक आकलन के अनुसार भारत में लगभग 33 मिलियन बाल श्रमिक हैं। फैक्टरियों, होटलों, रेस्टोरेंट, बागानों में काम करते, बोझा ढोते तथा जूते साफ करते बच्चे क्या बन पाते हैं-अशिक्षित, असमर्थ और साधनविहीन नागरिक, जो दूसरों की मर्जी के मुताबिक काम करने को मजबूर हैं। घर की जिम्मेदारी उठाने के लिए विभिन्न जोखिम भरे कार्यों में लगे दस-बारह वर्षीय बालक हमारे प्रजातंत्र के समानता के अधिकार को खुली चुनौती हैं। यह बाल श्रमिक हमारी आर्थिक प्रगति के खोखलेपन को भी सिद्ध करते हैं।

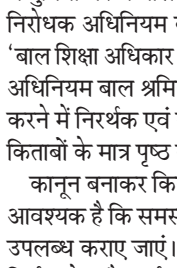

सुरेश बाबू मिश्रा

साहित्यकार

अनेकों मजदूर दिवस आए और चले गए। बाल श्रम को रोकने के लिए कानून बने। बाल श्रमिकों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं बनीं। परंतु ग्यारह वर्षीय भोला के जीवन में इन सबसे कोई परिवर्तन नहीं आया। उसके नन्हे-नन्हे हाथ पूरे दिन लोगों के सैंडिल एवं जूते चमकाते रहते हैं। कभी-कभी अधिक रुपये पाने की लालसा में वह अपनी इकलौती कमीज से ही बाबू लोगों के जूते चमकाने लगता है। पांच रुपये के स्थान पर दस रुपये मिल जाने पर भोला के चेहरे पर ऐसी चमक आ जाती है, मानो उसे दुनिया भर की दौलत मिल गई हो।

प्रेस किए हुए कपड़े घर-घर पहुंचाने के लिए दस वर्षीय हरनाम गली-गली चक्कर काटता रहता है। तीसरी कक्षा के बाद ही उसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वा कर उसे काम में लगा दिया। रंग-बिरंगे चमकदार कपड़ों को हरनाम बड़ी हसरत भरी निगाहों से छू-छू कर देखता है। उसके बालमन में भी अच्छे कपड़े पहनने की इच्छाएं मचलती हैं, मगर उसका मजबूर बाप उसे साल में केवल दो जोड़ सस्ते कपड़े ही बनवा पाता है। कई बार तो उसे दूसरे लोगों की उतरन से ही काम चलाना पड़ता है।

घरेलू कार्यों के अतिरिक्त देश में बीड़ी, दियासलाई, सूती वस्त्रों के कारखानों, जूट मिलों, चाय के बागानों, पीतल उद्योग, कलई उद्योग, चूड़ी उद्योग, कालीन उद्योग तथा कार एवं आटो रिपेयर सेंटरों में लाखों बाल श्रमिक काम करते हैं। इन उद्योगों में बाल श्रमिक बुरी तरह शोषित होते हैं। अल्प वेतन, अत्याधिक कार्य, दोषपूर्ण वातावरण, अनैतिक एवं अमानवीय शोषण बाल श्रमिकों की मुख्य समस्याएं हैं।

भारत सरकार द्वारा बाल श्रम को नियंत्रित करने तथा बाल श्रमिकों को अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए सन् 1953 में 'बाल अधिनियम' तथा सन् 1958 में 'कारखाना अधिनियम' बनाए गए। सन् 1975 में बंधुआ मजदूरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सन् 2002 में दुनिया भर में बालश्रम को रोकने के लिए यूनीसेफ द्वारा बाल श्रम निरोधक अधिनियम बनाया गया। भारत सरकार द्वारा सन् 2009 में 'बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम पूरे देश में लागू किया गया। परंतु यह अधिनियम बाल श्रमिकों की दशा सुधारने एवं बाल श्रम को नियन्त्रित करने में निरर्थक एवं खोखले सिद्ध हुए हैं। यह अधिनियम कानून की किताबों के मात्र पृष्ठ बनकर रह गए हैं।

कानून बनाकर किसी समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। आवश्यक है कि समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। बाल श्रम की मुख्य समस्या इनके मां-बाप का निर्धन होना है। वर्तमान समय में भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है, परंतु इसके बावजूद देश के 29 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से नीचे का जीवन यापन करने को मजबूर हैं। आर्थिक विषमता की बढ़ती खाई भी बाल श्रम का प्रमुख कारण है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

परमसत्ता से जुड़ने की प्रक्रिया है अध्यात्म

अध्यात्म पथ स्वयं को समग्र रूप से जानने की, उस परमसत्ता से जुड़ने की तथा आत्म परिष्कार एवं आत्म विस्तार की प्रक्रिया है। कितने ही लोग इस पथ पर चल पड़ते हैं। बड़े उत्साह के साथ शुरुआत करते हैं। फिर रास्ते में ही कुछ हिम्मत हार बैठते हैं। कुछ सांसारिक राग-रंग को ही सब कुछ मान बैठते हैं। कुछ संकीर्ण स्वार्थ-अहंकार के धंधे में उलझकर, जीवन के आदर्श से समझौता कर बैठते हैं। कुछ आलस्य-प्रमाद में भ्रमित होकर बहुमूल्य जीवन को यों ही बर्बाद कर देते हैं। इसमें प्रायः इस समझ का अभाव मुख्य कारक रहता है कि अध्यात्म चेतना के परिष्कार का विज्ञान है, जिसमें जन्म-जन्मांतरों से मलिन चित्त एवं भ्रमित मन के साथ वास्ता पड़ रहा होता है। अचेतन मन के महासागर को पार करते हुए चेतना के शिखर का आरोहण करना होता है। आगे बढ़ना होता है।

निःसंदेह मार्ग कठिन है। दुरूह है। पूर्व में कृत कर्मराशि जब पहाड़ जैसा चट्टानी अवरोध बनकर राह में खड़ी हो जाती है, तो साधक की आस्था डांवाडोल हो जाती है। सस्ती पूजा-पत्री, भोग-चढ़ावे व चिह्न पूजा के सहारे धर्म-आध्यात्म के पथ पर बहुत कुछ बटोरने के फेर में चला पथिक मार्ग में ही धराशाई हो जाता है। यहां तक कि नास्तिक हो जाता है और भगवान तथा समर्थ गुरु तक को कोसने लगता है। जबकि धर्म-अध्यात्म पथ का अपना विधान है, विज्ञान है। इसकी थोड़ी सी भी समझ साधक को राजमार्ग से विचलित नहीं होने देती। वह पगडंडियों में नहीं उलझता। धर्म-अध्यात्म की शुरुआत धार्मिकता की प्राथमिक कक्षा से होती है, जिसमें पूजा-पाठ से लेकर कर्मकांड का सहारा लिया जाता है, लेकिन स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन के साथ साधक की समझ भी सूक्ष्म होती जाती है। आस्तिकता के भाव के जाग्रत के साथ, श्रद्धा-निष्ठा परिपक्व होती है। इसी तैयारी के बाद अध्यात्म की कक्षा में प्रवेश मिलता है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आश्चर्य नहीं कि अध्यात्म पथ पर चलने वाले ऋषियों ने इसे छुरे की धार पर चलने के समान दुस्साध्य बताया है, लेकिन इस विकट पथ का वरण करने वाले मुमुक्षु पथिकों ने भी कब हार मानी है। मार्ग की दुरूहता को जानते हुए भी अंतस की पुकार के बल पर वे हर युग में इस पथ का संधान करते रहे हैं। किसी समर्थ के अवलंबन के साथ अपार धैर्य, अनंत श्रद्धा और अनवरत प्रयास के साथ अभीष्ट को सिद्ध करते रहे हैं। निःसंदेह समर्थगुरु (पूर्णगुरु) का अवलंबन कार्य को और सरल बना देता है। हमारा परम सौभाग्य है कि अवतारी गुरुसत्ता का सानिध्य हमें मिला। हमारे गुरुवर के सिद्धसूत्रों के साथ अध्यात्म का व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक स्वरुप हमारे लिए सहज सुलभ है, लेकिन इनको जीवन में वरण करने, धारण करने के लिए साहस, निष्ठा एवं तैयारी की न्यूनतम मांग है। आखिर हर मांग अपनी कीमत मांगता है, जो चीज जितनी कीमती होती है, उसका उतना ही मूल्य भी चुकाना होता है। एक किसान, व्यापारी व विद्यार्थी तन-मन व धन की सारी पूंजी झोंक देता है। तब कहीं जाकर समस्त सुख-सुविधाओं को त्यागते हुए एकांतिक प्रयास एवं निष्ठा के बल पर अभीष्ट मंजिल तक पहुंचता है। इसी प्रकार आध्यात्म पथ भी अपनी कीमत मांगता है, जिसमें चित्त-चेतना की शुद्धि एवं परिष्कार मुख्य है। स्वयं को गलाकर-मिटाकर सब कुछ पाने की कला अध्यात्म है। इसमें सबसे पहले चित्त का परिष्कार करना होता है। इसी के साथ जन्मों से अज्ञान के परदे में ढका आत्मज्ञान का सूर्य प्रकाशित होता है और अपने ईश्वरीय अस्तित्व का बोध कराता है। वैसे तो समर्थगुरु (पूर्णगुरु) एवं परमात्मा की कृपा तो सदा ही उनकी सभी संतानों पर अनवरत रुपों में बरसती रहती है। इसको ग्रहण करने व धारण करने की क्षमता का अभाव ही मुख्य कारण है कि अधिकांशतया जीवन इनसे रीता रह जाता है। जिस मात्रा में साधक-शिष्य इसको धारण कर पाता है, उसी अनुपात में उसका आत्मिक विकास होता है। अध्यात्म विज्ञान का कार्य अंततः जीवन का कायाकल्प है। मनुष्य में देवत्व का उदय है। यह उसकी अंतर्निहित दिव्य संभावनाओं व क्षमताओं का जागरण एवं विकास है।

आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण

चित्त के प्रक्षालन के साथ इसका परिष्कार प्रारंभ होता है, जो स्वयं में समयसाध्य एवं कष्टसाध्य प्रक्रिया है। अपार धैर्य, अटूट श्रद्धा एवं निरंतर प्रयास के साथ यह कार्य संपन्न होता है। बार-बार असफलता के बाद भी साधक हिम्मत नहीं हारता और बार-बार प्रयास करता है। हजार असफलताओं के बाद हजार बार प्रयास करने का जीवट और हर हार के बाद पुनः उठकर आगे बढ़ने का अदम्य साहस अध्यात्म पथ को परिभाषित करता है। अध्यात्म पथ पर अभीष्ट को उपलब्ध सभी साधकों के जीवन दृष्टांत इसी सत्य की गवाही देते हैं। परमपूज्य गुरुदेव ने इसके निमित्त आत्मनिरीक्षण, आत्मसमीक्षा, आत्मसुधार व आत्मनिर्माण की प्रक्रिया का प्रतिपादन किया है। दैनिक जीवन में आत्मबोध से लेकर तत्वबोध की व्यावहारिक साधना को बताया है, जिसमें संयम, स्वाध्याय और सेवा के साथ उपासना, साधना, आराधना की त्रिवेणी में अवगाहन करना पड़ता हैं। परमपूज्य गुरुदेव का यह मार्गदर्शन साधक को अपनी स्थिति के अनुरूप सीखने को प्रेरित करता है और देर-सवेर आध्यात्म पथ पर चलते हुए आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण के महान उद्देश्य को पूर्ण करता है।

गुरुदेव व दैवी कृपा साथ रहते हुए भी साधक को एकाकी ही इस पथ को पार करना होता है। अपनी अंतरात्मा की पुकार पर आध्यात्म पथ पर आरूढ़ साधक इस मार्ग का सहर्ष वरण भी करता है। इसके लिए पथ के काटों की चिंता नहीं करनी। लोग क्या कहते हैं और क्या करते हैं, इसकी चिंता कौन करे? गुरुकृपा से अपनी आत्मा ही मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त है। लोग अंधरे में भटकते हैं। भटकते रहें। हम अपने विवेक के प्रकाश का अवलंबन कर स्वतः ही आगे बढ़ेंगे। कौन विरोध करता है, कौन समर्थन इसकी गणना क्या करनी हमें? अपनी अंतरात्मा, अपना साहस अपने साथ है और हम वही करेंगे, जो करना अपने जैसे सजग साधकों के लिए उचित और उपयुक्त है।

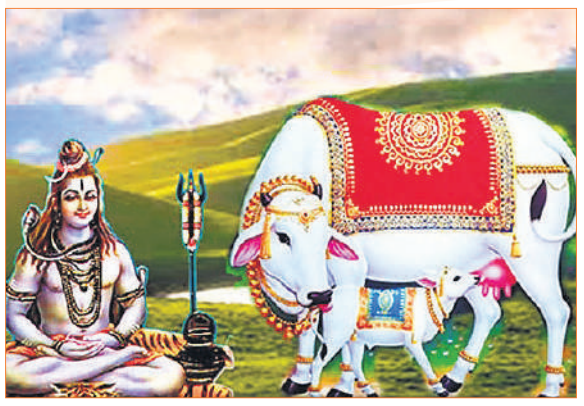

पौराणिक कथा

वृषभध्वज और गौ माता

महाभारत अनुशासन पर्व में वृषभ ध्वज की कथा आती है। एक बार गौ माता सुरभि का बछड़ा दूध पी रहा था। दूध पीते हुए बछड़े के मुख पर दूध की झाग लग गई। वही झाग हवा से उड़कर भगवान शंकर के मस्तक पर जा गिरी। ऐसा होने पर भगवान शिव कुछ क्रोधित हो गए। उस समय प्रजापति जी ने भगवान शंकर से कहा, "हे प्रभु! आपके मस्तक पर, जो दूध का छींटा पड़ा है। वह अमृत है। बछड़ों के पीने से गाय का दूध जूठा नहीं होता। जैसे अमृत का संग्रह करके चंद्रमा उसे बरसा देता है, वैसे ही रोहणी गायें भी अमृत से उत्पन्न दूध को बरसाती हैं। जैसे वायु, अग्नि, सुवर्ण, समुंद्र और देवताओं का पिया हुआ अमृत, कभी जूठे नहीं होते, वैसे ही बछड़ों को पिलाती हुई गौ भी कभी दूषित नहीं होती। ये गौमाता अपने दूध-घी से समस्त जगत का पोषण करती हैं। सभी लोग इन गौओं के अमृतमय पवित्र दूध रुपी ऐश्वर्य की इच्छा करते हैं।" तत्पश्चात प्रजापति जी ने महादेव जीको बहुत सी गौ और एक बैल दिया। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अर्थात बैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्वजा को उसी वृषभ के चिह्न से सुशोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पशुओं का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया। **-फीचर डेस्क**

संस्कार: आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध

'संस्कार' मात्र धार्मिक कर्मकांड ही नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। यह मानव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षिक मूल्यों को एक दिशा प्रदान करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुव्यवस्थित एवं सुसंस्कृत जीवनयापन करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्पत्ति में मानवीय प्रवृत्तियों का विशेष येगदान माना गया है, जिनका आधार आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

संस्कार अपनी प्रकृति के अनुसार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं। संस्कृत साहित्य में मानव जीवन के इन विविध क्रमों से संबंधित संस्कार के कई प्रकार मिल जाते हैं। यद्यपि संस्कारों के भेद एवं उनके नामों के लेकर विद्वानों मे मतैक्य नहीं है फिर भी इस दिशा में एक रुपता लाने के प्रयास विद्वानों द्वारा समय-समय पर अवश्य हुए हैं। विद्वानों का इस दिशा में किया गया यह प्रयास ही संस्कारों को सुनियोजित एवं व्यावहारिक मूल्य प्रदान कर सका है। वर्तमान में मुख्य संस्कारों की संख्या कुछ नाम भेद के साथ 16 बताई गई हैं, जैसे-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, चूड़ाकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह एवं अन्त्येष्टि-श्राद्ध। इन षोडश संस्कारों में कुछ संस्कार आज भी भारतीय जनमानस में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए हुए हैं। जातकर्म, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, उपनयन, विवाह एवं अंत्येष्टि-श्राद्ध आदि संस्कारों में से उपनयन एवं विवाह संस्कार का सामाजिक जीवन के लिए तो महत्व अधिक है, परंतु इसके पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य का अभाव दृष्टिगोचर होता है। मृत्यु अथवा अन्त्येष्टि संबंधी संस्कार के पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य की प्रधानता होती है। अतः यह कहा जा सकता है कि संस्कार संबंधी क्रियाओं को स्वीकार करने के पीछे भारतीय जनमानस में धार्मिक संचेतना के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्य की पृष्ठ भूमि भी गतिमान रही है। अतः हमें यह स्वीकार करने में कोई संशय नहीं रह जाता है कि आज भी संस्कार पहले की भांति धार्मिक एवं सामाजिक धरातल पर अपना अस्तित्व बनाए हुए है।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि संस्कार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं, जिनका मानव जीवन में अपना महत्व एवं मूल्य बना हुआ है। भारतीय संस्कृति में तीन प्रकार के शरीरों का वर्णन हुआ है-सूक्ष्म शरीर, स्थूल शरीर एवं कारण या लिंग शरीर। इनमें स्थूल शरीर के द्वारा कृत कार्यों का समापन मृत्यु के उपरांत सूक्ष्म शरीर के द्वारा भी किया जाता है। तात्पर्य यह है कि सूक्ष्म शरीर प्राप्त होने पर भी स्थूल शरीर द्वारा कृतकर्म क्षय को प्राप्त नहीं होते तथा पुनः जन्म लेने के बाद सूक्ष्म शरीरस्थ संस्कारों को व्यक्ति अपने क्रिया क्षेत्र में लाता है। क्योंकि प्रकृति के सूक्ष्म तत्वों से सभी प्रकार के शरीर बनते हैं, जो स्वरूपतः भौतिक हैं। अतः भौतिक पदार्थों से निर्मित शरीर को भैतिक सुखों की आवश्यकता होती है। सूक्ष्म शरीर द्वारा किए गए कार्यों का संबंध स्थूल शरीर से होता है, जो हमारे मस्तिष्क में तथा स्थूल शरीर में व्याप्त हो जाते हैं, जो कि अन्य जन्मांतरों में साथ-साथ होने के कारण स्थूलशरीर द्वारा भोगे जाते हैं। सूक्ष्मशरीर की सत्ता का प्रमाण शास्त्रों में बहुधा प्राप्त होता है तथा बिना स्थूलशरीर के हम सब कुछ जान लेते हैं। उदाहरण स्वरूप जैसे नासिका के सामने कोई पुष्प लाया जाए तथा घ्राणेन्द्रिय का निरोध करके कान से यदि हम सूंघने का प्रयास करते हैं, तो कान रूपी इंद्रिय उस पुष्प की सुगंध को ग्रहण नहीं कर सकती। योगी लोग सूक्ष्म शरीर के स्थूल शरीर से पृथक कर सकते हैं तथा पुनः नए शरीर में भी प्रवेश कर सकते हैं। इस प्रकार वह स्वभावतः संस्कारों के भी बदल देते हैं। संस्कृत साहित्य में संस्कारों से संबद्ध परंपराओं एवं मान्यताओं का यथा स्थान विवेचन हुआ है, जिनसे यह संकेत मिलता है कि इस संसार में लौकिक एवं अलौकिक शक्तियां हैं, जिनके मध्य अटूट संबंध है, जो मानव जीवन को एक प्रेरणा प्रदान करता हैं। संस्कार यहां एक प्रेरकतत्व के रूप में विकसित हुआ है, जो मनुष्य को कई प्रकार की लौकिक एवं अलौकिक शक्तियों से युक्तकर उसके जीवन में सुख-शांति का आधान करता है। संस्कार जीवन के विभिन्न अवसरों पर संपन्न एवं आयोजित किए जाते हैं। तदनुसार ये अवसर एवं जीवन को महत्व एवं पवित्रता प्रदान करते हैं। संस्कार कदाचित् जीवन की घटनाओं के प्रति मनुष्य के भीतर व्याप्त उदासीनता को कम करने की प्रेरणा प्रदानकर जीवन के विकास के क्रम को महत्व प्रदान करउसे एक सामाजिक मूल्य प्रदान करते हैं। मनुष्य को इस बात का बोध हो जाता है कि जीवन की घटनाएं मात्र शारीरिक क्रियाओं का नाम नहीं अपितु एक चिरंतन प्रवाह है, जिनमें सामाजिक संचेतना है, आध्यात्मिक उत्क्रांति है तथा सांस्कृतिक मूल्य के संरक्षण का भाव है।

बोधकथा

ज्ञान कक्षा का मोहताज नहीं

एक समय की बात है, एक विद्यार्थी पढ़ाई में अत्यंत होशियार माना जाता था। उसकी लगन और समझदारी की चर्चा पूरे विद्यालय में थी, लेकिन अचानक वह एक गंभीर बीमारी की चपेट में आ गया। कई दिनों तक बिस्तर पर रहने के कारण उसकी विद्यालय में उपस्थिति बहुत कम हो गई। स्थिति ऐसी बन गई कि वह परीक्षा में बैठने की शर्त भी पूरी न कर सका।

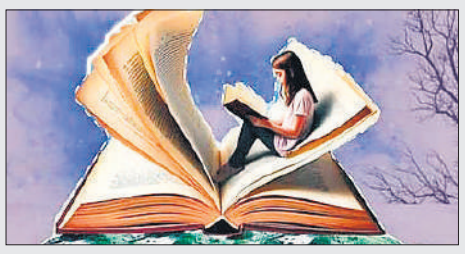

यह बात उसके लिए अत्यंत चिंता का विषय बन गई। उसे लगने लगा कि अब एक साल पीछे रह जाना तय है। उसका मन घबराहट और निराशा से भर गया। अंततः अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए वह प्रख्यात विद्वान और मार्गदर्शक मदन मोहन मालवीय जी के पास पहुंचा। विद्यार्थी ने कांपती आवाज में अपनी व्यथा रखी, "बाबूजी, मैं बीमारी के कारण परीक्षा में नहीं बैठ पाऊंगा। लगता है मुझे एक साल और उसी कक्षा में रहना पड़ेगा।" मालवीय जी बड़े ध्यान से उसकी बातें सुनते रहे। फिर अत्यंत शांति से बोले, "एक बात बताओ बेटा, पढ़ना अच्छी चीज है या बुरी?"

विद्यार्थी ने तुरंत उत्तर दिया, "अच्छी चीज है।" मालवीय जी मुस्कुराए और बोले, "तो फिर पढ़ने से डर कैसा? विद्यार्थी को दर्जे का, कक्षा का, साल का इन सबका विचार छोड़कर पूरे मन से सीखने पर ध्यान देना चाहिए। ये दर्जे तो मनुष्य ने अपने सुविधा के लिए बना दिए हैं, ज्ञान इन्हें नहीं मानता।" उनकी बात सुनकर भी विद्यार्थी का चेहरा उदास बना रहा। उसकी मायूसी देखकर मालवीय जी ने गहरी आवाज़ में समझाया, "मेरा विश्वास मानो, असली पढ़ाई स्कूल और कॉलेज की चार दीवारों में सीमित नहीं रहती। जिन्हें सचमुच पढ़ना होता है, वे हर परिस्थिति में सीखते हैं। विद्या पाने के लिए तपस्या करनी पड़ती है और यह तपस्या जीवनभर चलती है। दुनिया के अनुभव, परिस्थितियां, कष्ट- यही सबसे बड़े गुरुकुल हैं, जिसे सीखने की आग होती है, उसके लिए साल पीछे रह जाना कोई बाधा नहीं।" वे आगे बोले, "जीवन में हमें बहुत-सी बातें किताबों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों से सीखने को मिलती हैं। बीमारी, कठिनाइयां, संघर्ष-ये सब भी शिक्षक हैं। इसलिए यदि तुम सचमुच विद्वान बनना चाहते हो, तो दर्जे की चिंता छोड़कर ज्ञान का पथ पकड़े रहो।" मालवीय जी के इन शब्दों ने विद्यार्थी के मन का बोझ हल्का कर दिया। उसे समझ आ गया कि पढ़ाई सिर्फ परीक्षा पास करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को सही दृष्टि देने वाली साधना है। वह नए उत्साह से भरकर वापस लौटा। सच यही है, जो सीखने वाला हृदय रखता है, उसके लिए हर दिन, हर अनुभव, हर संघर्ष एक नई पाठशाला बन जाता है। यही इस कथा का संदेश है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,641.90	26,175 .75
गिरावट	64 .77	27 .20
प्रतिशत में	0 .08	0 .10

सोना 1,33,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,77,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि . 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2140, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4300, द्वारकेश 4280

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 1000, बासमती- 6900, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 4200, साबुत चना दाल- 4500, मूंग साबुत- 7000, राजमा- 9700-12000, दाल उड़द- 7200, साबुत मसूर दाल- 4100, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 5900, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 2900

आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर

अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 0.4% पर आई

- एनएसओ के अनुसार, आईआईपी में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से अक्टूबर में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 13 महीनों के निचले स्तर 0.4% पर आ गई। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) से जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7% बढ़ा था। आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था जब यह स्थिर रहा था। इएनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए वृद्धि दर को 4 से बढ़ाकर 4.6% किया है।

आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8% पर आ गई, जबकि साल भर पहले यह 4.4% रही थी। आलोच्य महीने में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8% की गिरावट आई, जबकि गत वर्ष यह 0.9% बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9% की गिरावट दर्ज की गई जबकि पिछले साल यह दो प्रतिशत बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 4% थी। विनिर्माण क्षेत्र में शामिल 23 में से नौ उद्योग खंडों ने अक्टूबर में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि रही।

उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.4% की बढ़ोतरी हुई जबकि एक साल पहले यह 2.9% थी। टिकाऊ उपभोक्ता खंड में आलोच्य माह के दौरान 0.5% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 5.5% की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर, 2025 में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता खंड में उत्पादन 4.4% गिर गया जबकि एक साल पहले इसमें 2.8% की वृद्धि हुई थी। ढांचागत क्षेत्र/ निर्माण उत्पादों के खंड में उत्पादन बढ़कर 7.1% हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में 4.7% बढ़ोतरी रही थी। आंकड़ों से पता चला कि प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन अक्टूबर माह में 0.6% घटा है जबकि एक साल पहले यह 2.5% बढ़ा था। मध्यवर्ती उत्पाद खंड में इस महीने 0.9% की बढ़त रही जबकि एक साल पहले इसमें 4.8%की वृद्धि हुई थी।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नौ माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में नौ महीने के निचले स्तर पर आ गईं। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों की खबरों के बीच बिक्री एवं उत्पादन में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर के 59 .2 से नवंबर में 56 .6 पर आ गया। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी गति का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि नवंबर के पीएमआई आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिकी शुल्क के कारण विनिर्माण विस्तार धीमा हुआ है। इसमें कहा गया कि कंपनियों ने हालांकि सुझाव दिया कि अंतर्राष्ट्रीय बिक्री का रुझान अनुकूल बना हुआ है जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में ग्राहकों को अधिक बिक्री को दर्शाता है।

- पीएमआई अक्टूबर के 59.2 से घटकर नवंबर में 56.6 पर आया

कोयला व लिग्नाइट की खोज की अनुमोदन प्रक्रिया हुई सरल

- कारोबार सुगमता और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला मंत्रालय ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। नई प्रक्रिया में अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है। क्यूसीआई-एनएबीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अन्य एपीए द्वारा समकक्ष समीक्षा प्राप्त अधिसूचित मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (जीआर) के अनुमोदन के लिए तंत्र को सरल बनाया है। देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयला एवं लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी रूप से मजबूत अन्वेषण आवश्यक है।

कोल इंडिया का उत्पादन घटकर 45.35 करोड़ टन

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 3 .7% घटकर 45 .35 करोड़ टन रह गया। सरकार देश में कोयला उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठा रही है, इसके बावजूद यह गिरावट आई। देश के कुल कोयला उत्पादन में 80% से अधिक हिस्सा रखने वाली कोल इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 47 .1 करोड़ टन का कोयला उत्पादन किया था।

सोने में आया 3,040 रुपये का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- मजबूत वैश्विक रुख और शादियों के मौसम से आभूषणों की मांग से कीमती धातु को मिला समर्थन

मजबूत वैश्विक रुख और कमजोर डॉलर के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 3,040 रुपये उछलकर 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चल रहे शादियों के मौसम के बीच आभूषणों की सतत मांग से कीमती धातु को समर्थन मिला।

व्यापारियों ने कहा कि सोना अब अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.9% शुद्धता) और 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.5%) के करीब है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने ने पिछले हफ्ते की तेजी को आगे बढ़ाया, जिसे डॉलर के कमजोर होने, अगले हफ्ते फेडरल रिजर्व के द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों, बड़े बैंकों के अच्छे अनुमानों और सेंट्रल बैंक की मजबूत खरीदारी से समर्थन मिला, ये सभी बाजार को ऊपर ले जाने में मदद कर रहे हैं।

सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी पांचवें दिन ऊपर चढ़ती रही, जो 5,800 रुपये बढ़कर 1,77,000 रुपये प्रति किग्रा (सभी टैक्स) हो गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 42.29 डॉलर या 1% बढ़कर 4,261.52 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि डॉलर सूचकांक 0.19% घटकर 99.27 रह गया, जिससे सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला। साल की शुरुआत से सोने की कीमत 63.6%बढ़ गई है। लगातार छठे दिन बढ़ते हुए, हाजिर चांदी 2% बढ़कर वैश्विक बाजारों में 57.85 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। पिछले फ़फ़्ते चांदी 15.7% उछली और 2025 में अब तक दोगुनी गई गई। ऑगमोंट में शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि चांदी की कीमत सिर्फ़ 11 महीनों में दोगुनी हो गई है और सोने से ज्यादा बढ़ी है, भले ही वर्ष 2025 में सोना सबसे लोकप्रिय जिंस था।

शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे फिसला

- वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से दोनों सूचकांक में आई गिरावट
- सत्र के दौरान सेंसेक्स 452.35 और निफ्टी 122.85 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अंत में मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। उच्चस्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से दोनों मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स में 65 अंक की गिरावट आई जबकि एनएसई निफ्टी 27 अंक के नुकसान में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 64.77 अंक की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, 452.35 अंक चढ़कर 86,159.02 अंक के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 27.20 अंक की गिरावट के साथ 26,175.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 122.85 अंक चढ़कर 26,325.80 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। विशेषज्ञों के अनुसार, दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि के बाद इस सप्ताह आरबीआई के प्रमुख ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में उच्चस्तर पर गिरावट देखी गई। जीएसटी संग्रह में धीमी वृद्धि और उच्चस्तर पर मुनाफावसूली से भी बाजार नुकसान में रहा। बाजार शुरुआती कारोबार में अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसका कारण जुलाई-सितंबर में भारत की अर्थव्यवस्था के अनुमान से अधिक 8.2% की दर से बढ़ने के बाद निवेशकों की धारणा सकारात्मक थी। यह छह तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है।

मिडकैप नीचे, स्मॉलकैप में मामूली बढ़त

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सूचकांक 0 .19% नीचे आया जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सूचकांक मामूली 0 .05% की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

डीआईआई ने 4,148.48 करोड़ के शेयर खरीदे

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,795 .72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,148 .48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1 .96 प्रतिशत बढ़कर 63 .60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शुक्रवार को सेंसेक्स 13 .71 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,706 .67 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 12 .60 अंक के नुकसान में रहा था।

राष्ट्रीय

वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम इन्कार

उम्मीद पोर्टल पर विवरण अपलोड करने संबंधित याचिका पर हुई सुनवाई

- पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा- समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से करें संपर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करें।

हमारा ध्यान धारा 3बी के प्रावधान की ओर आकर्षित किया गया है। चूंकि आवेदकों के पास न्यायाधिकरण के समक्ष उपाय उपलब्ध है इसलिए हम सभी आवेदनों का निपटारा करते हुए उन्हें छह महीने की अवधि की अंतिम तिथि तक न्यायाधिकरण का रुख करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य ने सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। इससे पहले एक वकील ने कहा था कि वक्फ के अनिवार्य पंजीकरण की छह महीने की अवधि समाप्त होने वाली है। उच्चतम न्यायालय ने 15 सितंबर को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह भी है कि केवल वे लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में दे सकते हैं जो पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि केंद्र ने दुरुपयोग को देखते हुए 'वक्फ बाय यूजर' प्रावधान को हटा दिया और प्रत्याशित रूप से यह 'मनमाना' नहीं था। वक्फ बाय यूजर से आशय ऐसी संपत्ति से है, जहां किसी संपत्ति को औपचारिक दस्तावेज के बिना भी धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उसके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में मान्यता दी जाती है, भले ही मालिक द्वारा वक्फ की औपचारिक, लिखित घोषणा न की गई हो।

असम में विशेष संक्षिप्त संशोधन कराने के चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें असम में चुनाव नामावली का केवल विशेष संक्षिप्त संशोधन करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिहार सहित 12 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन संशोधन कराया जा रहा है। यह याचिका गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मृणाल चौधरी ने दायर की है। याचिका में 17 नवंबर को जारी चुनाव आयोग के आदेश पर सवाल उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि जहां एक ओर छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में विशेष गहन संशोधन का निर्देश दिया गया है, वहीं असम में कम स्तर का संशोधन चुना गया है। यह फैसला आयोग के अपने ही रुख के खिलाफ है।

आपदा तैयारियों के मुद्दे पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें अग्निशमन सेवाओं, सड़क आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कर्मियों की कमी का आकलन करने और उसे पूरा करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 2019 में सूरत में आग लगने की घटना में अपनी बेटी को खो दिया था। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) सहित अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी करें, जिसका जवाब चार हफ़्तों के भीतर दिया जाए। याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से पेश हुआ और उसने दावा किया कि भारतीय राष्ट्रीय भवन संहिता, 2016 का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है और देश भर में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं।

बिश्नोई गिरोह से सुरक्षा पर विचार से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के व्यक्ति की याचिका पर विचार से इन्कार कर दिया, जिसने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी मिलने का दावा करते हुए 24 घंटे सुरक्षा मुहैया देने मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, आपको कौन धमकी दे रहा है? लॉरेंस बिश्नोई उत्तर प्रदेश में भी काम करता है? वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता 24 घंटे सुरक्षा की मांग कर रहा है। जब पीठ ने कहा कि बिश्नोई गिरोह राजस्थान और पंजाब में सक्रिय है, तो वकील ने कहा, वह हर जगह सक्रिय है।

ईडी ने मसाला बॉण्ड मामले में सीएम विजयन व इसाक को भेजा नोटिस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। ईडी ने केआईआईएफबी मसाला बॉण्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को 467 करोड़ के फेमा उल्लंघन से संबंधित कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत यह नोटिस 12 नवंबर को जारी किया था। उन्होंने बताया कि यह नोटिस केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) व उसके प्राधिकारियों द्वारा फेमा प्रावधानों और आरबीआई के मुख्य निर्देशों के कथित उल्लंघन से संबंधित है, जिसकी राशि 466.91 करोड़ है। केआईआईएफबी के अध्यक्ष के रूप में विजयन, बोर्ड के उपाध्यक्ष पूर्व वित्त मंत्री इसाक व केआईआईएफबी के सीईओ अब्राहम के अलावा संस्थान को भी नोटिस जारी किए गए हैं। केरल सरकार ने मामले में गड़बड़ी से इन्कार किया है।

नए सभापति सभी को दें बोलने का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री, सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने नये सभापति सी पी राधाकृष्णन को यह दायित्व संभालने के लिए बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि सांसद के रूप में उनके अनुभव से सदन के कुशल संचालन में मदद मिलेगी। कई दलों के सदस्यों ने सदन के सभी पक्षों को बोलने का समान अवसर देने का अनुरोध किया।

राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर सी. पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रदर्शित करता है।

सितंबर में चंद्रपुरम पोनुसामी (सी. पी.) राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको बधाई देता हूं और भरोसा है कि इस सदन का हर सदस्य इसकी परंपराओं का सम्मान करेगा और आपकी गरिमा को बनाए रखेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने उम्मीद जतायी वह संसद के उच्च सदन का कुशलतापूर्वक संचालन करेंगे।

विपक्ष की ओर से खरगे ने सभापति का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों और सदन की परंपराओं के साथ दृढ़ता से खड़ी है और कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करेगी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) के एचडी देवेगौड़ा ने उम्मीद जतायी कि वह इस सदन की लम्बी परंपरा के अनुसार इसका संचालन करेंगे। टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए। द्रमुक के तिरुचि शिवा, आप के राघव चड्ढा,माकपा के जान ब्रिटास, जद(यू) के रामनाथ ठाकुर, सपा के जावेद अली खान, राकंपा के प्रफुल्ल पटेल और राकंपा (एसपी) की फौजिया खान ने सभापति से सदन में बोलने देने की उम्मीद जताई।

डब्ल्यूएमओ को हवाईअड्डे पर जीपीएस स्पूफिंग के स्रोत का पता लगाने का सरकार ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई हवाई अड्डों पर 'जीपीएस स्पूफिंग' होने की खबर है, और वायरलेस निगरानी संगठन (डब्ल्यूएमओ) को 'स्पूफिंग' के स्रोत का पता लगाने का निर्देश दिया गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने राज्यसभा को बताया कि कुछ उड़ानों ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आस-पास जीपीएस स्पूफ़िंग की सूचना दी, जब वे रनवे 10 पर पहुंच रहे थे, और जीपीएस आधारित विमान उतारने की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर रहे थे। नायडू ने कहा, दूसरे रनवे पर, जहां पारंपरिक नौवहन प्रणाली चालू थी, उड़ानों के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे हवाई अड्डा है।

चुनाव सुधारों पर चर्चा की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन की तैयारी में विपक्षी दल

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन के घटक दल संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों के सांसद मंगलवार सुबह संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी में हैं। विपक्षी सदस्यों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में हंगामा किया जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। विपक्षी दलों के नेताओं ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की।

प्रेमी के शव से शादी करने वाली युवती ने पुलिस पर मढ़े आरोप

नांदेड, एजेंसी

- कहा- प्रेमी की हत्या के लिए उसके भाई को पुलिस ने ही उकसाया था

महाराष्ट्र के नांदेड जिले में प्रेमी के शव से शादी करने के एक दिन बाद 21 वर्षीय युवती ने सोमवार को इतवारा थाने के दो पुलिसकर्मियों पर युवक की हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। युवती के दावे पर पुलिस की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मृतक के घर पहुंची आंचल ममीदवार ने प्रेमी की हत्या के लिए अपने भाई को फांसी देने की अपील की। आंचल ने बताया कि हत्या वाले दिन, मेरा भाई हिमेश मुझे सुबह इतवारा थाने ले गया और सक्षम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने को कहा। उसके इन्कार करने के बाद पुलिस के दो अधिकारियों ने उसके भाई को यह कहकर उकसाया कि उसे दूसरे लोगों से लड़ने के बजाय उस आदमी को मार देना चाहिए जिससे मैं प्यार करती हूं। हिमेश ने सक्षम की हत्या के बाद थाने वापस आने की चुनौती दी थी। उसने पुलिस से कहा कि वह सक्षम की हत्या करने के बाद थाने आएगा। फिर उसने उसे (सक्षम को) मार डाला। मेरी बस यही मांग है कि आरोपियों (उसके भाई और पिता) को भी उसी तरह मारा जाए जैसे सक्षम को मारा गया।

प. बंगाल : बीएलओ के प्रदर्शन के बीच सीईओ कार्यालय के बाहर तनाव

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में लगे बीएलओ के एक वर्ग ने गणना प्रक्रिया के दौरान कथित अत्यधिक कार्यभार को लेकर सोमवार को सीईओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों को प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की तैनाती बढ़ानी पड़ी। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वहां पहुंचा तो प्रदर्शनकारियों ने विरोध में नारे लगाए और पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक जारी रखी।

बैरिकेड तोड़ने का प्रयास करते प्रदर्शनकारियों को रोकती पुलिस।

पुलिस ने शुभेंदु के दौरे से पहले कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त बल तैनात किया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय परिसर में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भी ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाए। समिति के सदस्य बीएलओ के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर कुछ दिनों से सीईओ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

यहां बर्फ ही बर्फ...

सर्दियां शुरू होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की वादियों में बर्फ भी पड़ने लगी है। पेड़ों और घरों पर यह बर्फ मनोहारी दृश्य भी उपस्थित कर रही है। शोपियां में एक ठंडे दिन में पड़े पाले ने सूखे पत्तों को इस तरह ढक लिया जैसे किसी ने चित्रकारी की हो।

जीपीएस स्पूफिंग : विमानों की सुरक्षा से खिलवाड़

जीपीएस स्पूफिंग की ताजा घटना इसी महीने के शुरू में भारत में हुई थी। इसकी वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आठ सौ से ज्यादा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई थीं। इस घटना से भारतीय उड्डयन उद्योग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। दरअसल, जीपीएस स्पूफिंग के कारण कई बार आधुनिक नेविगेशन सिस्टम भी निष्क्रिय साबित हो जाते हैं। आसमान में पायलट को रनवे ढूंढने में भी दिक्कत होती है। जाहिर है कि ऐसे में हजारों यात्रियों की जिंदगी दांव पर लग जाती है। कई बार यात्रियों की सुरक्षा के लिए फ्लाइट को डाइवर्ट करना पड़ता या लंबा इंतजार करना पड़ता है। जीपीएस स्पूफिंग स्मार्टफोन एप्स और लोकेशन डाटा में भी गड़बड़ी कर सकता है। इसके अलावा जीपीएस डाटा पर निर्भर नेटवर्क सिस्टम और महत्वपूर्ण ढांचों पर भी इसके जरिए साइबर हमले किए जा सकते हैं।

जीपीएस स्पूफिंग कितना बड़ा खतरा

जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है जिसमें नकली जीपीएस सिग्नल का उपयोग करके नेविगेशन सिस्टम को गुमराह किया जाता है। इससे विमान को गलत स्थान, दिशा या समय की जानकारी मिलती है, ऐसे में विमानों के लिए यह एक बेहद गंभीर सुरक्षा खतरा बन जाता है। जीपीएस स्पूफिंग के कारण विमान को लगता है कि वह किसी दूसरी जगह है। हालांकि वह हकीकत में असल जगह से कई किमी दूर होता है। जीपीएस स्पूफिंग विमानों के नेविगेशन को गड़बड़ कर सकता है, इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप ऐसी स्थिति में मददगार होते हैं।

क्या है जीपीएस स्पूफिंग

यह एक साइबर हमला है जिसमें जीपीएस रिसीवर को गलत उपग्रह संकेत भेजकर धोखा दिया जाता है। यह जीपीएस सिग्नल को जाम करने से अलग है, इसमें सिग्नल रोकने के बजाय गलत जानकारी दी जाती है। जीपीएस स्पूफिंग के परिणामस्वरूप विमान, जहाज और वाहन गलत स्थान पर होने की रिपोर्ट दे सकते हैं।

कैसे की जाती है स्पूफिंग

अमेरिका का जीपीएस सिस्टम (नेवस्टार) 31 सैटेलाइट के समूह से बना है, ये सैटेलाइट पीआरएन कोड नागरिकों और अमेरिकी सेना दोनों को प्रसारित करते हैं। सेना के लिए भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड होते हैं, लेकिन नागरिकों को भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड नहीं होते। इसी वजह से वे साइबर हमले के शिकार हो जाते हैं। सबसे पहले हैकर यह पता लगता है कि किस जीपीएस सैटेलाइट का सिग्नल स्पूफिंग के समय आसपास होगा। इसके लिए सैटेलाइट की ऑर्बिट को देखा जाता है।

विमानों की सुरक्षा में भूमिका

- स्पूफिंग विमानन सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि यह नेविगेशन सिस्टम को भ्रमित कर सकता है, जिससे विमान गलत रास्ते पर जा सकता है।
- विमानों में इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप सिस्टम स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। जीपीएस विफल होने पर इनका इस्तेमाल किया जाता है।
- स्पूफिंग केवल वाणिज्यिक विमानों को ही नहीं बल्कि निगरानी विमानों को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है।
- जीपीएस जैमिंग के विपरीत स्पूफिंग का पता लगाना कठिन होता है क्योंकि इसमें रिसीवर को यकीन दिलाया जाता है कि सब कुछ ठीक है।

वार जोन में भी इस्तेमाल

स्पूफिंग और जैमिंग वार जोन में भी होती है, मिडिल ईस्ट में यह कई बार हो चुका है। युद्धरत देश स्पूफिंग में महंगी और शक्तिशाली मशीनों का इस्तेमाल करते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अतीत की गलतियों पर आत्ममंथन करे जापान

बीजिंग। चीन ने जापान से अपने अतीत पर गहराई से आत्मनिरीक्षण करने, अपनी अनाप-शनाप टिप्पणियों को वापस लेने और ठोस कार्रवाई के माध्यम से चीन के प्रति अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, अत्यधिक महत्व के मुद्दों पर, जापानी पक्ष को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि वे टाल-मटोल कर सकते हैं।

तेल टैंकरों पर यूक्रेन के हमलों की निंदा की

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने काला सागर में दो तेल टैंकरों और एक बंदरगाह पर हाल ही में हुए यूक्रेनी हमलों की निंदा की। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार ज़खारोवा ने कहा कि गाम्बिया के झंडे तले रूसी बंदरगाह नोवोरोस्सिएस्क जा रहे दो टैंकरों पर शुक्रवार और शनिवार को हमले में मानवरहित नावों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी खुफिया सेवाओं ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने कहा कि लक्षित नागरिक ऊर्जा अवसंरचना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सैन्य बल मुख्यालय पर हमले की कोशिश

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम करते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि रविवार रात चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर के मुख्यालय पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा हमला किए जाने के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया।

खालिदा जिया को वेंटिलेटर पर रखा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बहुत खराब है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है तथा स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनके इलाज की निगरानी कर रहे हैं। यह जानकारी उनकी पार्टी के नेताओं ने सोमवार को दी। बीएनपी की अध्यक्ष जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जैविक हथियार: चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत

जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन में बोले जयशंकर

- बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी ढांचे की कमी : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अनिश्चित अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए जैविक हथियारों के संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक तंत्र की जरूरत बताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सरकार से इतर तत्वों द्वारा जैविक हथियारों का दुरुपयोग किया जाना अब दूर की बात नहीं है और ऐसी चुनौती से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने जैविक हथियार संधि (बीडब्ल्यूसी) की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक आतंकवाद एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को पूरी तरह से तैयार रहना होगा।

हालांकि, बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी संस्थागत ढांचे की कमी है। विदेश मंत्री ने कहा कि इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के अंदर मजबूत अनुपालन उपायों की मांग की है, जिसमें आज की दुनिया के अनुरूप सत्यापन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण इस्तेमाल के उद्देश्य से सामग्री और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं मदद का समर्थन करता है। विदेशमंत्री ने कहा कि हमने वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की व्यवस्थित समीक्षा की मांग की है ताकि शासन वास्तव में नवाचार की गति के साथ तालमेल बिठा सके। जयशंकर ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के भीतर मजबूत अनुपालन उपायों का आह्वान किया है, जिसमें आज की दुनिया के लिए तैयार की गयी सत्यापन व्यवस्था भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सामग्रियों और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता का समर्थन करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने एक राष्ट्रीय कार्यान्वयन मसौदा प्रस्तावित किया है जिसमें उच्च जोखिम वाले किरदारों की पहचान, दोहरे उपयोग वाले अनुसंधान की निगरानी, घटना प्रबंधन और निरंतर प्रशिक्षण शामिल है। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूसी 50 वर्षों से एक साधारण विचार पर कायम है कि मानवता इसे अस्वीकार करे। लेकिन मानदंड तभी जीवित रहते हैं जब राष्ट्र उनका नवीनीकरण करते हैं। अगले 50 वर्षों में ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होगी। विदेशमंत्री ने कहा कि हमें संधि को वर्तमान के अनुरूप बनाना होगा, हमें विज्ञान के साथ तालमेल रखना होगा और वैश्विक क्षमता को मजबूत करना होगा ताकि सभी देश जैविक जोखिमों का पता लगा सकें, उन्हें रोक सकें और उनका जवाब दे सकें।

नई दिल्ली में जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर।

भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार

जयशंकर ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ के लिए एक विश्वसनीय भागीदार और वैश्विक जैव सुरक्षा के प्रतिबद्ध समर्थक की भूमिका के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा वातावरण अधिक अनिश्चित हो गया है और प्रौद्योगिकी में तीव्र विकास के कारण परिष्कृत जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों की उपलब्धता और सामर्थ्य में वृद्धि हुई है तथा निर्माण की लागत में कमी आई है। जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी सहित हाल के प्रकोपों ने सभी को प्रभावित किया है।

श्रीलंका में ऑपरेशन सागर बंधु के तहत चक्रवात प्रभावित क्षेत्र से लोगों को निकालते हुए भारतीय वायुसेना के जवान।

सकारात्मक रही अमेरिका-यूक्रेन के बीच बातचीत

हॉलैंडेल बीच। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के समाधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बाद में बताया कि बातचीत सकारात्मक रही लेकिन शांति समझौते को अमल में लाने के लिए अब भी काम किया जाना बाकी है। रुबियो ने कहा, यह केवल उन शर्तों की बात नहीं है जो लड़ाई को खत्म करती हैं। बल्कि यह उन शर्तों की भी बात है जो यूक्रेन को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयार करती हैं। मुझे लगता है कि हमने आज उस दिशा में प्रगति की है, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। फ्लोरिडा में यह उच्च स्तरीय बातचीत हुई।

श्रीलंका में फंसे भारतीयों को निकाला, राहत कार्य में तेजी

कोलंबो, एजेंसी

- तिरुवनंतपुरम पहुंचा 104 भारतीयों का अंतिम समूह

भारत ने श्रीलंका में चक्रवात दितवा के कारण मची तबाही के बाद कोलंबो में बचाव अभियान में तेजी लाते हुए वहां फंसे भारतीय नागरिकों के आखिरी समूह को सोमवार को निकाल लिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे 104 भारतीयों का आखिरी समूह 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारतीय वायु सेना के विमान से सुबह करीब साढ़े छह बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा।

उच्चायोग ने कहा कि श्रीलंका के बचाव प्रयासों में भारत ने अपनी मदद तेज कर दी है और अभियान का विस्तार कई प्रभावित क्षेत्रों तक किया है। अधिकारियों के अनुसार चेतक हेलीकॉप्टर ने कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जबकि वायु सेना के कई हेलीकॉप्टर ने कोटमाले में तलाश अभियान संचालित किया जो सबसे ज्यादा प्रभावित मध्य पर्वतीय क्षेत्र है तथा भूस्खलन एवं बाढ़ के कारण यहां सड़क संपर्क टूट गया है। कहा कि खोज एवं बचाव अभियानों के लिए भारत की विशेषीकृत आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी एनडीआरएफ और एचएडीआर की टीम कल कोलंबो पहुंची। उन्होंने श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर कोच्चिकाडे में बचाव अभियान संचालित किया।

ईसा मसीह पर बनी पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

वर्सलीज। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ने बताया कि पेंटिंग को रुबेनियानम से प्रमाणित कराया।

जमीन घोटाला मामले में हसीना को 5 साल की सजा

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश की पूर्व पीएम की बहन और भांजी को भी सुनाई सजा

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जमीन घोटाला मामले में सोमवार को पांच साल की जेल और उनकी भांजी एवं ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक दो साल जेल की सजा सुनाई। ढाका के विशेष न्यायाधीश की अदालत-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने हसीना की बहन शेख रेहाना को भी सात साल जेल की सजा सुनाई। भ्रष्टाचार के इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कोर्ट ने तीन आरोपियों की गैरमौजूदगी में यह फैसला सुनाया। शेष 14 आरोपियों में से प्रत्येक को पांच साल की जेल हुई। अदालत ने हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत सभी 17 दोषियों में से प्रत्येक पर एक लाख टके का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना नहीं भरने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

पाकिस्तान में एक आत्मघाती हमले में पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को एक पुलिस वाहन के पास हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना लक्की मारवात जिले में हुई। ताजोरी पुलिस थाने की एक पुलिस वैन के समीप एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। विस्फोट में हेड कांस्टेबल अलाउद्दीन की मौत हो गई जबकि घायल हुए अन्य पुलिसकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया। हमलावर का साथी भागने में सफल रहा।

भारतीयों से अमेरिका को हुआ फायदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- मस्क बोले-एच1बी वीजा बंद करने से यूएस को होगा नुकसान

अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एच1बी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का अत्यंत फायदा मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए बहुत बुरा होगा।

अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने एक पॉडकास्ट के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ। मस्क ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है। एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए।

अवैध आव्रजन से नकारात्मक प्रभाव

मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया। उन्होंने कहा अगर अमेरिका में अवैध रूप से आने और सरकारी लाभ पाने का बड़ा आर्थिक प्रलोभन होगा, तो स्वाभाविक रूप से लोग अमेरिका आने की कोशिश करेंगे। यह पूरी प्रोत्साहन संरचना ही गलत थी। जब उनसे पूछा गया कि भारत के युवा उद्यमियों के लिए उनका संदेश क्या है, तो मस्क ने कहा कि वह उन सभी का सम्मान करते हैं जो कुछ बनाना चाहते हैं। कहा कि आप जो पाना चाहते हैं, उससे अधिक देने का लक्ष्य रखें।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 03 .57 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

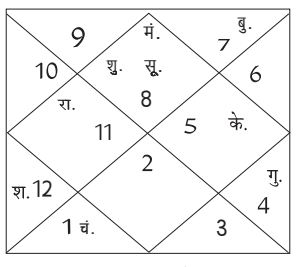

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्विनी 08 .51 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष — आज आप कारोबार को लेकर मित्रों से सहायता ले सकते हैं। रुके हुए कार्य पुनः से प्रारम्भ होंगे। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। किसी मांगलिक उत्सव में आप सम्मिलित हो सकते हैं।

वृष — आज कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने काम पर ध्यान देना चाहिये। दूसरों की सलाह पर अधिक ध्यान न दें।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है। संतान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होंगे। आपके विचारों से लोग प्रभावित रहेंगे। सरकारी मामलों में आपको सफलता मिलने की संभावना है।

कर्क — आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। सहकर्मियों की तुलना में आपका प्रदर्शन विशेष और अच्छा रहेगा। किसी बहूमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं। कच्चे माल के आयात-निर्यात में उत्तम धन लाभ हो सकता है। आपकी भावनाओं का अनादर हो सकता है।

सिंह — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम आसानी से अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आपकी प्रशंसा होगी।

कन्या — आज पारिवारिक आयोजन किसी कारणवश टल सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों पर नाराज हो सकते हैं।

तुला — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। व्यवसाय में सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने वाली हैं।

वृश्चिक — आज आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें। गले में खराश और बुखार जैसी समस्या हो सकती है। अनुसंधान संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ अनबन हो सकती है। लोग आपकी बातों को अत्यन्त गंभीरता से लेंगे। विद्वान लोगों से भेंट हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

मकर — आज नई परियोजनाओं में सफलता देर से मिलेगी। मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिंतकों पर संदेह न करें। अधिक भागदौड़ से आपको बचना चाहिए। धन को लेकर दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं।

कुंभ — आज कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसर मिलेंगे।

मीन — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंगी लोग आपसे आकर्षित रहेंगे। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। घर में कुछ रिश्तेदार आ सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को कारोबार में विस्तार के अवसर मिल सकते हैं।

सुडोकू -178

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
		1						
8								3
7								
				9				
		2					6	
	4							

सुडोकू - 177 का हल

1	2	8	6	5	3	4	9	7
5	7	4	1	8	9	2	3	6
6	9	3	7	2	4	8	1	5
4	1	5	8	9	6	3	7	2
9	8	2	3	7	1	5	6	4
7	3	6	5	4	2	1	8	9
8	6	9	4	3	5	7	2	1
2	5	7	9	1	8	6	4	3
3	4	1	2	6	7	9	5	8

कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस आक्रामक अंदाज की बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

-आर अश्विन

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

हाईलाइट

सिफत को राष्ट्रमंडल में निशानेबाजी की वापसी की उम्मीद

जयपुर : ओलंपियन सिफत कौर सामरा को भरोसा है कि भारत 2030 में जब राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा तो निशानेबाजी को इन खेलों में शामिल किया जाएगा और इससे देश के पदकों की संख्या में काफी इजाफा होगा। राष्ट्रमंडल खेलों के बर्मिंघम 2022 और 2026 ग्लास्गो 2026 दोनों सत्र के लिए निशानेबाजी को पदक प्रतियोगिता के रूप में शामिल नहीं किया गया लेकिन भारत की मेजबानी में देश के निशानेबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने और घरेलू दर्शकों के सामने पदक जीतने का मौका मिलेगा।

पीएनबी की ब्रांड एंबेसडर बनीं हरमनप्रीत

नई दिल्ली : पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सोमवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना पहला महिला ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय में 'बैंकिंग ऑन चैंपियंस' थीम के तहत समारोह में हुई। इस अवसर पर हरमनप्रीत कौर को उनके नाम और नंबर वाली एक फ्रेमयुक्त पीएनबी जर्सी, साथ ही एक कस्टम-उत्कीर्णित पीएनबी बैट भेंट किया गया।

फुटबॉल में रुकावट को खत्म करने का प्रयास

नई दिल्ली : खेल मंत्रालय ने फुटबॉल की मौजूदा रुकावट को खत्म करने के लिए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और आई-लीग क्लबों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ तीन दिसंबर को बैठक बुलाई हैं। ऐसा माना जा रहा है कि केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसको लेकर खेल मंत्रालय ने सोमवार को ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) को एक पत्र जारी किया है। मंत्रालय के पत्र में कहा गया इस मामले पर असरदार तरीके से बातचीत के लिए सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स -आईएसएल क्लब, संभावित कमर्शियल पार्टनर्स, एफएसडीएल, ब्रॉडकास्टर्स और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, आई-लीग और लोअर डिवीजन क्लब्स वगैरह की मौजूदगी जरूरी होगी।

राष्ट्रीय निशानेबाजी में 16 हजार प्रतिस्पर्धी

नई दिल्ली : 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) की राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं की अलग-अलग कैटेगरी में क्वालीफाई करने वाले 16 हजार से अधिक निशानेबाज सोमवार से डॉ. कर्णी सिंह रेंज में शुरु हुई प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। दोहा में चार से नौ दिसंबर तक चलने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल को ध्यान में रखते हुए इस चैंपिनशिप को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए 15 भारतीयों ने क्वालिफाई किया है। शॉटगन में क्वालिफ़िकेशन राउंड आज डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में शुरू हुए। शॉटगन के साथ-साथ पिस्टल स्पर्धाएं भी डॉ. कर्णी सिंह रेंज में होंगी, जबकि राइफल इवेंट भोपाल में मध्य प्रदेश स्टेट शूटिंग एकेडमी में होंगे। पिस्टल स्पर्धाएं 11 दिसंबर से शुरू होंगी और चार जनवरी, 2026 तक चलेंगे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा गिल की फिटनेस का आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के उप कप्तान शुभमन गिल अनिवार्य फिटनेस आकलन के लिए सोमवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचेंगे। इस आकलन के नतीजे के आधार पर नौ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की सीरीज में उनकी वापसी पर फैसला किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए गिल की गर्दन में चोट लगी थी और इसके बाद वह दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाए। भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में किसी हैरान करने वाले नाम को जगह मिलने की उम्मीद नहीं है, बशर्ते कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं हो। अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''गिल को इंजेक्शन लगाया गया था और उन्हें 21 दिन के आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई थी जिसमें चोट से प्रभावित मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट व्यायाम शामिल थे। सूत्र ने कहा ट्रेनिंग के दौरान खेल विज्ञान टीम के उनकी मूवमेंट का आकलन करने तक कुछ नहीं कहा जा सकता। यह भी नहीं पता कि बल्लेबाजी करते हुए वह बिल्कुल भी असहज नहीं है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए गिल की वापसी की संभावना 50 प्रतिशत है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चीजों की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया 21 अक्टूबर से 30 नवंबर तक हार्दिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर भी नहीं निकले और उन्होंने अपना रिहैब और 'रिटर्न टू प्ले' प्रोटोकॉल पूरे किए। उन्हें टी20 में खेलने की पूरी स्वीकृति (बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने की) मिली है और वह पंजाब के खिलाफ मैच के लिए बड़ौदा टीम से जुड़ भी गए हैं। वह चार दिसंबर को गुजरात के खिलाफ खेलेंगे और अगर भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले नहीं बुलाता है तो वह छह दिसंबर को हरियाणा के खिलाफ मैच में खेलने की भी योजना बना रहे हैं।

टी-20 प्रारूप में खेलेंगे हार्दिक पंड्या

भारतीय प्रशंसकों के लिए हालांकि अच्छी खबर भी है क्योंकि हार्दिक पंड्या को टी20 प्रारूप में खेलने की स्वीकृति मिल गई है और वह मंगलवार को हैदराबाद में बड़ौदा के लिए पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के साथ लगभग ढाई महीने बाद अपना पहला मैच खेलेंगे। उनके चार दिसंबर को बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले मैच में भी खेलने की संभावना है। राष्ट्रीय चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा दोनों मैच के दौरान उपस्थित रहेंगे जिसके कि टीम की घोषणा से पहले उनकी फिटनेस को परख सकें।

विराट कोहली की तारीफों के बांधे पुल

बल्लेबाजी कोच ने कहा- विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता, उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार

रांची, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का मानना है कि विराट कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर अटकलें नहीं लगनी चाहिए क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी की 50 ओवर के क्रिकेट में फिटनेस, फॉर्म और प्रभाव पहले की तरह बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की सीरीज से पहले सवाल उठाए जा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर की योजना में शामिल हैं या नहीं। कोटक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कोहली के भविष्य को लेकर बहस क्यों हो रही है।

कोटक ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भारत की 17 रन की करीबी जीत के बाद कहा मुझे वास्तव में नहीं पता कि हमें इन सब बातों पर गौर करने की जरूरत क्यों है। वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और हमें उनके भविष्य के बारे में बात करने की क्या जरूरत है। वह जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी फिटनेस जिस तरह से है उसे देखकर किसी भी चीज को लेकर कोई सवाल ही नहीं उठता। कोटक ने कहा कि भूमिकाओं को लेकर स्पष्टता, वास्तविक समय में सीख और सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव इस समय भविष्य की योजनाओं से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा वह वाकई शानदार है यार। जब तक वह इसी तरह बल्लेबाजी करता रहेगा, किसी और चीज़ के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। बल्लेबाजी कोच ने जोर देकर कहा कि न तो खिलाड़ी और न ही टीम प्रबंधन विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं और सीनियर खिलाड़ियों के बारे में इस संदर्भ में चर्चा करने की तो बात ही छोड़ दीजिए। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में चर्चा होनी चाहिए। रोहित और कोहली दोनों शानदार हैं। वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में योगदान दे रहे हैं। एक बार जब टीम आ जाती है और अभ्यास शुरू हो जाता है, तो हम बस उसका आनंद लेते हैं। हम 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं।

कोटक ने कहा कि रविवार को कोहली का वनडे करियर का 52वां शतक न केवल उनकी विरासत की याद दिलाता है, बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण है कि जिस प्रारूप को वह अब प्राथमिकता देते हैं, उसमें वह कितनी सहजता से जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

कोटक ने कहा यह एक शानदार पारी थी। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की, जिम्मेदारी ली और एक बार फिर दिखाया कि वह कितने असाधारण खिलाड़ी क्यों हैं। पारी के दौरान कोहली की पीठ में मामूली तकलीफ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा जहां तक मुझे पता है, वह ठीक हैं।

कोटक ने टेस्ट सीरीज में हार के बाद रोहित शर्मा और कोहली दोनों की टीम में वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा वे अनुभवी खिलाड़ी हैं और जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और साझेदारियां निभा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ता है। वे अपना अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, और यह अपने आप में एक बड़ा फायदा है। कोटक ने इसके साथ ही मैच के बारे में बात करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा की विशेष प्रशंसा की, जिनके कठिन परिस्थितियों में शुरुआती झटकों ने दक्षिण अफ्रीका को मैच जीतने से रोक दिया।

उन्होंने कहा शुरुआती विकेट लेने का बहुत सारा श्रेय हर्षित को जाता है। कूकाबुरा गेंद से आपको केवल शुरुआती दो से पांच ओवर तक ही स्विंग मिलती है और उसने इसका पूरा फायदा उठाया।

दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए विराट कोहली रांची एयरपोर्ट से रायपुर के लिए रवाना हुए। एजेंसी

इस उम्र में भी खेलने की भूख के लिए स्टेन ने खुशी जताई

रांची : अपने कैरियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजरने के बाद अधिकांश खिलाड़ी घर पर अपने परिवार और कुत्ते के साथ रहना पसंद करते हैं, लेकिन 37 वर्ष के विराट कोहली अभी भी मैदान पर चुस्ती के साथ दौड़ते और डाइव लगाते देखे जा सकते हैं और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन खेलने को लेकर उनके इसी जुनून के कायल हैं। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने दिखाया कि वनडे क्रिकेट में अब भी उनका कोई सानी नहीं है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में यहां अपने करियर का 52वां शतक लगाया। स्टेन ने जियोस्टार से कहा जब आप 37 या 38 साल के अधिकतर खिलाड़ियों से बात करते हैं तो वे कहते हैं कि उन्हें घर, अपने कुत्ते, अपने बच्चों को छोड़ना पसंद नहीं है। लेकिन कोहली मानसिक रूप से ऐसी स्थिति में हैं जहां वह पहले की तरह भारत के लिए खेलने के लिए उत्सुक हैं। आप इसे विकेटों के बीच दौड़, फ़ील्डिंग करते और डाइव लगाते हुए देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से युवा और तरोताज़ा हैं और क्रिकेट में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कोहली ने पिछले 15-16 साल में 300 से अधिक वनडे खेले हैं इसलिए वह काफी अनुभव रखते हैं। यह उनके शरीर और दिमाग में है। अगर वह तीन दिन की बारिश के बाद भी यहां पहुचते तो भी उनकी तैयारी पर कोई असर नहीं पड़ता। वह मानसिक रूप से मजबूत हैं, अच्छी तरह से सोच सकते हैं और गेंद को बल्ले पर आते हुए देख सकते हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यही करते हैं। स्टेन ने कहा वह स्वयं पर भरोसा रखते हैं क्योंकि वह पिछले लंबे समय से खेल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अब भी पहले की तरह खेलने को लेकर उत्साहित रहते हैं।

रायपुर के लिए रवाना होते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी। एजेंसी

कोहली को जमने के बाद रोकना लगभग असंभव : यान्सेन

रांची : दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला मार्को यान्सेन ने कहा कि विराट कोहली जैसे विश्वस्तरीय बल्लेबाज को एक बार जम जाने के बाद रन बनाने से रोकना लगभग असंभव हो जाता है तथा स्वीकार किया कि इस भारतीय स्टार की सूत्रधार की भूमिका निभाने की क्षमता उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक बनाती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले गए पहले वनडे में कोहली ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम यह मैच जीतने में सफल रही। यान्सेन ने कहा कि विश्वस्तरीय बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज के पास शुरू में ही कुछ अवसर होते हैं। जब आप विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो उन्हें आउट करना काफी मुश्किल होता है। मैं हमेशा बल्लेबाज को उसकी पहली 10 या 15 गेंदों पर आउट करने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह तब विकेट से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा लेकिन एक बार जब वह लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में आप प्लान बी या सी पर चलते हैं। कोहली ने रविवार को अपना 52वां वनडे शतक जड़कर भारत को 17 रन से जीत दिलाई जिससे मेज़बान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। यानसन ने भारत के 2017-18 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान 17 वर्षीय नेट गेंदबाज के रूप में पहली बार कोहली को गेंदबाजी की थी।

आक्रामक बल्लेबाजी का श्रेय रोहित और द्रविड़ को : अश्विन

नई दिल्ली : भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सीमित ओवर प्रारूप में भारत की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति का श्रेय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दिया। टीम को इस रवैये से पिछले कुछ वर्षों में काफी सफलता मिली है।

अश्विन ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों ने ना केवल अधिक आक्रामक शैली अपनाने पर जोर दिया बल्कि खुद भी उदाहरण पेश किया। इससे टी20 अंतर्राष्ट्रीय और वनडे में भारत के रवैये में बदलाव आया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस परिवर्तनकारी बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

शाहरुख खान ने रसेल को योगदान के लिए शुक्रिया कहा

नई दिल्ली : बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स से संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के क्रिकेटर आंद्रे रसेल के योगदान की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर उनके लिये लंबा संदेश लिखा है।

आक्रामक हरफनमौला रसेल ने 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से पहले रविवार को आईपीएल से संन्यास की घोषणा के साथ बताया कि वह तीन बार की विजेता केकेआर के कोचिंग स्टाफ में पावर कोच के तौर पर शामिल होंगे। शाहरूख ने एक्स पर लिखा बेहतरीन यादों के लिये शुक्रिया आंद्रे। चमकते कवच में हमारा शूरवीर। केकेआर के लिये आपका योगदान इतिहास में दर्ज हो गया और अब एक खिलाड़ी के तौर पर नये अध्याय की शुरुआत। पावर कोच, जो अपना ज्ञान, अनुभव और ताकत का राज केकेआर के खिलाड़ियों के साथ साझा करेगा।

स्विट्जरलैंड के खिलाफ कमजोरियों को दूर करना चाहेगी भारतीय टीम

जूनियर हॉकी विश्व कप

मदुरै, एजेंसी

भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी।

सोमवार को चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में जापान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

जापान (लाल) और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप के दौरान मुकाबला करते हुए। एजेंसी

भारत हांगकांग मास्टर्स एशिया कप हॉकी में जीता

नई दिल्ली : भारत ने हांगकांग में आयोजित हांगकांग मास्टर्स एशिया कप 2025 में 40 वर्ष से अधिक उम्र के पुरूष और महिला मास्टर्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हांगकांग फुटबॉल क्लब पर 26 से 30 नवंबर तक हुई विश्व मास्टर्स हॉकी एशिया चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष टीम ने ग्रुप चरण में हांगकांग को 4-0 और 5-4 से तथा सिंगापुर को 4-0 और 3-2 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

महिला वर्ग में भारत ने ग्रुप चरण में सिंगापुर को 7-2 से हराया जबकि हांगकांग से 1-1 से ड्रॉ खेला। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी लेकिन फाइनल में हांगकांग को 2-0 से हराकर खिताब जीता। हॉकी इंडिया ने दोनों टीमों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा चैम्पियंस ऐसे दिखते हैं।

अप्रत्याशित घटना | निजी कारणों का हवाला दिया, सूत्रों ने टीम का खराब प्रदर्शन बताया

महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों का हवाला देकर तुरंत प्रभाव से पद से इस्तीफा दे दिया है।

हॉकी इंडिया ने देर शाम जारी बयान में खबर की पुष्टि करते हुए कहा भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दे दिया है। हरेंद्र सिंह ने अप्रैल 2024 में ही पद संभाला था और समझा जा रहा था कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 तक टीम के साथ रहेंगे। सूत्रों ने बताया, टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही टीम के मुख्य कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की भारतीय टीम में इस पद पर वापसी हो सकती है।

अचानक हुए घटनाक्रम में हरेंद्र सिंह ने हॉकी इंडिया को ईमेल भेजकर सूचित किया है कि वह तुरंत प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह विशुद्ध रूप से उनका 'निजी फैसला' है।

सूत्रों ने बताया कि मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में वापसी हो सकती है जिनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। मारिन ने अगस्त 2021 में महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया था। सूत्रों ने इस्तीफे का कारण टीम का खराब प्रदर्शन बताया है। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने कहा पिछले डेढ साल में टीम ने अपेक्षित नतीजे नहीं दिये हैं जबकि सारी मनचाही सुविधायें कोच को दी गई।

फिटनेस भी बड़ा मसला रहा है और टीम में दर्जन भर खिलाड़ी चोटिल हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने बयान में कहा हम हरेंद्र सिंह को उनकी सेवाओं के लिये धन्यवाद देते हैं। भारतीय हॉकी के लिये उनकी प्रतिबद्धता जगजाहिर है। हम जल्दी ही उनके विकल्प की घोषणा करेंगे।

हरेंद्र सिंह लखनऊ विश्व कप 2016 विजेता भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच रहे थे। वह भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में वापसी से पहले 2021 से 2024 तक अमेरिका की राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कोच थे। वह सितंबर 2017 में भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच बने जिसने उस साल महिला एशिया कप जीता था।

2024 अप्रैल में संभाला था पद

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक तक रहना था टीम के साथ

- **नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की हो सकती है वापसी**

भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच रहना मेरे कैरियर की बड़ी उपलब्धि रही है। मैने निजी कारणों से इस्तीफा देने का फैसला किया है लेकिन मेरा दिल हमेशा इस बेहतरीन टीम के साथ रहेगा। हॉकी इंडिया के साथ सफर मेरे लिये खास रहेगा और मैं भारतीय हॉकी को शीर्ष स्तर तक ले जाने के उनके प्रयासों में सहयोग करता रहूंगा।

-हरेंद्र सिंह